सोमवार
17 जून 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बिहार में रोजगार की भरमार... चार लाख से अधिक पदों पर जल्द शुरू होगी बहाली

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

गंगा दशहरा पर दुखद घटना: बिहार के पटना जिले के बाढ़ में हादसे के बाद घाट पर मची अफरा तफरी

गंगा नदी में पलटी नाव, 13 लोगों की बची जान, 4 लापता

- पुलिस एसडीआरएफ की टीम चला रही थी सर्च ऑपरेशन
- हादसे के शिकार हुए सभी लोग नालंदा जिले के मालती गांव के रहनेवाले
- गमी के बाद गंगा स्नान कर शुद्धिकरण को पहुंचे थे लोग

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पटना जिले के बाढ़ में गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में बड़ा हादसा हो गया। बाढ़ के प्रसिद्ध उमानाथ गंगा घाट पर लोगों से भरी एक नाव पलट गई। इस पर 17 लोग सवार थे, जिनमें से 13 लोग नदी से बाहर निकला गया, लेकिन चार लोग अभी भी लापता हैं। इन लोगों के रेस्क्यू के लिए अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं। इधर, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। खबर लिखे जाने तक पुलिस एसडीआरएफ की टीम की मदद से गंगा नदी में लापता लोगों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चला रही थी।

नदी पार करने के दौरान असंतुलित होकर पलट गई नाव

नदी में घूम रही छोटे-छोटे नावों के कारण बच गए लोग

घटना की पुष्टि करते हुए बाढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि उमानाथ घाट पर रविवार को गंगा दशहरा के अवसर पर लोग गंगा स्नान करने आए थे। नाव पलटने से परिवार के 17 लोग नदी में डूबने लगे। इनमें से 13 लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। वह फिलहाल ठीक हैं। नाव पलटने की हादसा में नदी में लापता चार लोगों में अवधेश कुमार 60 वर्ष, हरदेव प्रसाद 65 वर्ष , नीतीश कुमार 30 वर्ष एवं मंजू देवी 45 वर्ष शामिल हैं। यह सभी नालंदा के मालती गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि अवधेश कुमार अपने घर में किसी के गमी के बात गंगा स्नान में रविवार को शुद्धिकरण के लिए पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि गंगा स्नान करके वापस लौटने के क्रम में अचानक नाव अनियंत्रित होकर बीच गंगा में पलट गई। इसी क्रम में गंगा दशहरा के अवसर पर गंगा नदी में छोटे-छोटे नाव जो भ्रमण कर रहे थे। उनके द्वारा गंगा नदी में गिरे लोगों को किसी तरह बचाया गया, जबकि चार लोग इस हादसे में गंगा नदी में लापता हो गए। एसडीआरएफ की टीम शव को तलाश करने में जुटी है। सूत्रों की मानें तो लोग नहाने के बाद नाव पर सवार होकर नदी पार कर रहे थे तभी नाव बीच में पहुंचते ही असंतुलित होकर पलट गई। जिससे सभी लोग डूब गए। घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं में चीख पुकार मच गयी।

नहाने के दौरान गंगा नदी में डूब गये चार युवक, शव की खोज जारी

- शाहपुर के बहोरनपुर ओपी के शिवपुर घाट की रविवार की सुबह की घटना
- नहाने के दौरान सेल्फी लेने के चक्कर में चली गई जान
- सभी बिहिया थाना क्षेत्र के बारा खरौनी गांव के रहनेवाले थे

केटी न्यूज/आरा

शाहपुर प्रखंड के बहोरनपुर ओपी क्षेत्र में स्थित शिवपुर घाट पर रविवार को चार लड़के गंगा की तेज धार में बह गए। गंगा दशहरा के मौके पर नहाने और सेल्फी लेने के चक्कर में चारों गंगा में डूब गये। देर शाम तक किसी का शव बरामद नहीं किया जा सका था। एसडीओ और एसडीपीओ के नेतृत्व में एनडीआरएफ की टीम शव की खोज में गंगा में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है।

डूबने वालों में बिहिया थाना क्षेत्र के बारा खरौनी गांव के चार युवक रामांशकर यादव का 20 वर्षीय पुत्र दीपू यादव, विदेशी यादव का 20 वर्षीय पुत्र सोनु यादव, जवाहर गोड़ का 18 वर्षीय पुत्र राम जी गोड़, संजय शर्मा का 13 वर्षीय भगीना रिषु शर्मा शामिल हैं। इधर, एक साथ चार लड़कों के गंगा में डूबने की खबर से इलाके में सनसनी और अफरातफरी मच गयी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस पहुंची और गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। बाद में एसडीएम संजीव कुमार और एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह भी पहुंचे। अफसरों की सूचना पर एनडीआरएफ की टीम भी पहुंच गयी और बोट के जरिए शवों की खोज शुरू की गयी। सासंद सुदामा प्रसाद भी घाट पर घंटों कैंप करते रहे।

बताया जा रहा है कि रविवार की सुबह गंगा दशहरा के मौके पर चारों लड़के नहाने के लिए शिवपुर घाट गये थे। लोगों की माने तो सेल्फी खींचने के चक्कर में चारों गहरे पानी में चले गए और डूब गए। एसडीएम संजीत कुमार ने बताया कि घटनास्थल यूपी में पड़ता है। बिहार का प्रशासन पुरी मुस्तैदी से जुटा है। वहीं सांसद सुदामा प्रसाद ने बताया कि भोजपुर जिलाधिकारी को बोलकर सारे कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। शव की खोज जारी है।

सीएम नीतीश कुमार ने घटना पर जताई संवेदना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिवपुर गंगा घाट पर 4 युवकों के डूबने से हुई मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि यह घटना अत्यंत दु:खद है। उन्होंने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। नीतीश ने मृतकों के परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

एनटीए में सुधार की जरूरत, दोषी नहीं बख्शे जाएंगे: शिक्षा मंत्री

नीट पेपरलीक मामला

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट परीक्षा में हुई अनियमितताओं पर सख्ती दिखाते हुए कहा है कि एनटीए में बड़े सुधार की जरूरत है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि अगर अनियमितता में एनटीए के बड़े अधिकारी भी दोषी पाए जाते हैं तो भी उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि एनटीए में बहुत सुधार की जरूरत है। सरकार इस बात को लेकर बेहद चिंतित है। दोषी पाए जाने वाले शख्स को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। मंत्री ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 1,563 अभ्यर्थियों की दोबारा परीक्षा का आदेश दिया गया है। धर्मेंद्र प्रधान ने छात्रों और अभिभावकों को भरोसा दिलाया कि उनकी चिंताओं का निष्पक्ष ढंग से समाधान किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि केंद्र नीट स्टूडेंट्स के हितों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। बता दें कि नीट परीक्षा में देश में कई जगहों पर अनियमितता होने की बात सामने आई है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त अधिकारी करें आरोपों की जांच: सिब्बल

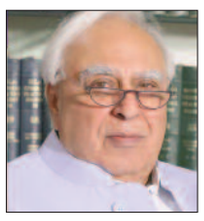

नीट-यूजी 2024 के परीक्षा परिणाम को लेकर जारी घमासान के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने अनियमितताओं के आरोपों की जांच सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त अधिकारियों से कराने की मांग की और भविष्य में यह परीक्षा कैसे आयोजित की जाए इसके लिए सरकार से सभी राज्यों के साथ गहन विचार-विमर्श करने को कहा है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर किसी परीक्षा में जांच प्रणाली भ्रष्ट हो जाए, तो ऐसे मामले में प्रधानमंत्री का चुप रहना ठीक नहीं है। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को सभी दलों को प्रमुखता से संसद के आगामी सत्र में उठाना चाहिए। लेकिन सदन में सरकार इस मुद्दे को न्यायालय में विचाधीन कहकर इस पर चर्चा नहीं होने देगी।

कपिल सिब्बल ने आगे कहा कि मौजूदा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने वास्तव में गड़बड़ी की है और मीडिया मंचों पर भ्रष्टाचार को उजागर किया गया है। उन्होंने कहा कि गुजरात में हुए कुछ मामलों से मुझे हैरानी हुई है और ये एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है। मैं सोचता हूं इस मामले में एनटीए को कई गंभीर सवालों के जवाब देने चाहिए। वहीं सत्ताधारी दलों के नेता पर पलटवार करते हुए सिब्बल ने कहा कि ये और हैरान और निराश करने वाली बात है, जब भी कुछ ऐसा होता है, तो इसका दोष पिछली सरकार पर मढ़ दिया जाता है। और अंधभक्त यूपीए सरकार को दोष देना शुरू कर देते हैं, ये और भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि वो किसी भी मुद्दे पर बोलने से पहले पढ़ते नहीं हैं।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर भी साधा निशाना पूर्व केंद्रीय मंत्री शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के उस बयान पर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने परीक्षा में पेपर लीक या धांधली के आरोपों को खारिज किया था। सिब्बल ने आगे कहा कि सीबीआई जांच प्रशासन की रक्षा करेगी और इसलिए एक स्वतंत्र एजेंसी या सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुने गए स्वतंत्र अधिकारियों के माध्यम से ही जांच की जरूरी है, न कि सत्ता में बैठी सरकार के द्वारा।

फर्जी डेंटिस्ट्स पर कसा जाएगा शिकंजा

दिल्ली। देश में अब फर्जी डेंटिस्ट्स पर शिकंजा कसने वाला है। बढ़ती शिकायतों के बाद डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया आवश्यक चिकित्सा योग्यता के बिना डेंटिस्ट्स के रूप में काम करने वाले व्यक्तियों और ऐसे लोगों को रोजगार देने वाले क्लीनिकों पर शिकंजा कसने की योजना बना रही है।

डेंटिस्ट बोर्ड ने स्टेट डेंटिस्ट परिषदों को निर्देश दिया है कि वे किसी भी व्यक्ति या व्यवसाय के खिलाफ डेंटिस्ट एक्ट 1948 और अपडेटड डेंटिस्ट (आचार संहिता) विनियम 2014 का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करें और तुरंत काम बंद करने के आदेश जारी करें। नियामक ने राज्यों को निर्देश दिया है कि वे बिना लाइसेंस वाले चिकित्सकों से डेंटिस्ट प्रक्रिया कराने से जुड़े खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाएं।

चुनावों में इवीएम का इस्तेमाल खत्म कर देना चाहिए, इसके हैक होने की संभावना है: मस्क

एजेंसी/नई दिल्ली

टेस्ला के फाउंडर और दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क ने चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (इवीएम) को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। एलन मस्क ने कहा कि चुनावों में इवीएम का इस्तेमाल खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि इसके हैक होने की संभावना है। मस्क के इस बयान ने भारत में चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल को लेकर बहस छेड़ दी है। इस बयान पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी अखिलेश यादव समेत कई बड़े नेताओं ने प्रतिक्रिया दी।

मस्क ने एक पोस्ट में कहा था कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर दिया जाना चाहिए क्योंकि मानव या एआई द्वारा हैक किए जाने का जोखिम अभी भी बहुत अधिक है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारत में इवीएम एक ब्लैक बॉक्स है जिसकी जांच करने की अनुमति किसी को नहीं है, और कहा कि भारत की चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं। राहुल गांधी ने कहा, जब संस्थानों में जवाबदेही की कमी हो जाती है तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी की संभावना बन जाती है।

ईवीएम में नहीं है कोई कनेक्टिविटी: पूर्व मंत्री

इस विषय पर रविवार को टेक अरबपति एलन मस्क और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बसह तेज हो गई। चंद्रशेखर ने टेक अरबपति से कहा कि भारतीय ईवीएम कस्टम-डिजाइन किए गए हैं। ये सुरक्षित और किसी भी नेटवर्क या मीडिया से अलग हैं। इसपर टेस्ला के सीईओ ने जवाब दिया, 'कुछ भी हैक किया जा सकता है। राजीव चंद्रशेखर ने इसे सिरे से खारिज करते हुए टेक अरबपति से कहा, 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को ठीक उसी तरह से बनाया जा सकता है, जैसा कि भारत ने किया है। हमें एक ट्यूटोरियल चलाने में खुशी होगी।

अमित शाह बोले... आतंकवाद का हर हाल में सफाया होना जरूरी

एजेंसी/नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसे देखते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान अमित शाह ने दो टूक कहा है कि आतंकवाद का सफाया होना जरूरी है।

गृह मंत्री अमित शाह ने बैठक के दौरान कहा है कि आतंकवाद को कुचलना जरूरी है और किसी भी कीमत पर उसे फिर पनपने नहीं दिया जा सकता। अधिकारियों को संदेश देते हुए शाह ने यहां तक कहा है कि आतंकवाद समर्थकों को बख्शा नहीं जा सकता और उनके खिलाफ हर संभव एक्शन लेना होगा। इस समय जम्मू कश्मीर में आने वाले दिनों में अमरनाथ यात्रा और चुनाव जैसे बड़े कार्यक्रम भी होने जा रहे हैं। उस बात का जिक्र करते हुए भी अमित शाह ने अधिकारियों को कहा है कि पूर्ण सुरक्षा कवर दिया जाए, यात्रा मार्गों पर सुरक्षा को और ज्यादा मुस्तैद किया जाए, जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त फोर्स की तनाती भी हो।

एआई डीपफेक वीडियोज को रोकने के लिए नया बिल लाने की तैयारी में मोदी सरकार

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र में तीसरी बार बनी मोदी सरकार एआई डीपफेक वीडियोज और अन्य खतरनाक और फेक ऑनलाइन कंटेंट को रोकने के लिए संसद सत्र में एक नया बिल लाने का प्लान बना रही है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस बिल का नाम डिजिटल इंडिया बिल रखा जा सकता है। यह कानून आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी का बेहतर यूज करने के नए तरीके की खोज भी करेगा और साथ ही बढ़ रहे उपराधों की देख-रेख कर इन्हें रोकने का प्रयास भी करेगा। मोदी सरकार संसद में बिल पेश करने से पहले बिल पर एक क्रॉस-पार्टी सहमति प्राप्त करने का भी प्रयास करेगी यानी सरकार इस बिल के लिए विपक्ष से भी बात कर सकती है और सर्वसम्मति से एक नया बिल पास कर सकती है।

मीडिया रिर्पोट की मानें तो देश में बने नए संसद भवन में 26 जून से शुरू हो रहे 18वीं लोकसभा के सत्र में सरकार पूर्ण बजट भी पेश कर सकती है। इस बजट के अलावा सत्र में डिजिटल इंडिया बिल भी लंबी बहस हो सकती है और इस बिल को लाने पर विचार किए जा सकते हैं।

सीबीएमआर शोधकर्ता के अध्ययन में राहत भरे नतीजे मिले

अब एडवांस एमआरआई से ही स्लीप एपनिया का चलेगा पता

केटी न्यूज/लखनऊ

सीबीएमआर शोधकर्ता और एसजीपीजीआई के प्रोफेसर ने एमआरआई तकनीक के जरिये स्लीप एपनिया (नींद के दौरान होने वाली समस्याएं) के एडवांस स्टेज का पता लगाने के लिए एक शोध किया, जो सफल रहा। इससे शोध से अब एडवांस एमआरआई से स्लीप एपनिया के एडवांस स्टेज का पता लगाया जा सकेगा। इसके जरिये मरीज का सही दिशा और सटीक इलाज हो सकेगा।

सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च (सीबीएमआर) के शोधकर्ता डॉ. अहमद रजा खान ने एसजीपीजीआई के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर जिया हाशिम और रेडियोडायग्नोसिस विभाग के प्रोफेसर जफर नियाज के सहयोग से किए गए अध्ययन में एमआरआई तकनीक के जरिए ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) के मस्तिष्क की सूक्ष्म संरचना पर पड़ने वाले प्रभाव का पता लगाया है। इस तकनीक से कुछ माइक्रोन से लेकर 20-30 माइक्रोन तक के ऊतक परिवर्तनों की जांच की जा सकती है, जो पारंपरिक एमआरआई माप से 100 से 1000 गुना अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। डॉ. अहमद ने बताया कि डिफ्यूजन एमआरआई ऊतकों में पानी के अणुओं के प्रसार को मापता है, जिससे ऊतक सूक्ष्म संरचना के बारे में जानकारी मिलती है। डिफ्यूजन एमआरआई में प्रगति, जैसे कि डिफ्यूजन कर्टोसिस इमेजिंग (डीकेआई), जटिल ऊतक वातावरण में गैर-गौसियन जल प्रसार व्यवहार की जांच करती है। बायोफिजिकल मॉडलिंग का उपयोग करते हुए, डीकेआई पैरामीटर एक्सोनल जल अंश जैसे श्वेत-पैरामीटर प्रदान कर सकते हैं। एक्सोन न्यूरॉन्स के ट्रंक हैं। इसलिए, ऐसी जानकारी (एक्सोनल जल अंश), मस्तिष्क में सेलुलर स्तर की न्यूरोनल संरचना को दर्शाती है।

चिकित्सीय रणनीति के विकास में होगा बड़ा योगदान

एसजीपीजीआई के प्रोफेसर ने बताया कि एमआरआई से ऐसी सेलुलर जानकारी (एक्सोनल जल अंश) की जांच करके, शोधकर्ता न्यूरोनल संरचना की अखंडता और रोग प्रबंधन के विभिन्न समय पर ओएसए से जुड़े संभावित परिवर्तनों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अध्ययन के निष्कर्ष ओएसए वाले व्यक्तियों में देखी गई संज्ञानात्मक हानि और अन्य न्यूरोलॉजिकल परिणामों के अंतर्निहित न्यूरोबायोलॉजिकल तंत्र पर प्रकाश डालते हैं। इन तंत्रों को समझना ओएसए से संबंधित जटिलताओं के प्रबंधन के लिए बेहतर नैदानिक और चिकित्सीय रणनीतियों के विकास में योगदान दे सकता है।

लालू ने उठाया अगड़े-पिछड़े के बीच असमानता का मुद्दा, कहा...बीजेपी नहीं चाहती जातिगत गणना

केटी न्यूज/पटना

आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद ने वर्ल्ड इनइक्वेलिटी लैब की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए अगड़ी और पिछड़ी जातियों के बीच बढ़ रही असामनता को लेकर केंद्र की एनडीए सरकार और बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि वर्ल्ड इनइक्वेलिटी लैब की रिपोर्ट सामाजिक और आर्थिक असमानता को उजागर कर रही है। आंकड़ों का हवाला देते हुए लालू ने कहा कि यही वजह है कि बीजेपी देश में जातिगत जनगणना नहीं कराना चाहती है। लालू ने वर्ल्ड इनइक्वेलिटी लैब की रिपोर्ट को साक्षा करते हुए कहा कि है कि वर्ल्ड

इनइक्वेलिटी लैब (विश्व असमानता लैब) की ओर साझा की गई रिसर्च में पिछड़ों/दलितों और आदिवासियों के सम्बन्ध में डरावने आंकड़े सामने आए हैं। यह रिसर्च देश में बढ़ती सामाजिक-आर्थिक गैरबराबरी को उजागर करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार उच्च जातियों के पास देश की कुल संपत्ति का 88.04 फीसदी हिस्सा है जबकि ओबीसी के पास केवल 9.0 प्रतिशत और अनुसूचित जातियों और जनजाति के पास मात्र 2.6 प्रतिशत ही है। आरजेडी अध्यक्ष ने लिखा कि 2013 में ओबीसी का देश की संपत्ति में 17.3 प्रतिशत हिस्सा था जो 2022 में घटकर मात्र यह नौ प्रतिशत ही रह गया है। छोटे और मध्यम आकार के व्यवसाय लगातार घटते जा रहे हैं। कृषि घाटे का सौदा होता जा रहा है। किसान सरकार की गलत नीतियों के चलते बर्बाद हो रहे हैं। सर्वविदित है कि देश में ओबीसी, एससी व एसटी की आबादी लगभग 85 प्रतिशत है। यही कारण है कि बीजेपी जातिगत जनगणना नहीं कराना चाहती है। क्योंकि इससे हर क्षेत्र में कुंडली मारे बैठे संपन्न लोगों का प्रभुत्व उजागर हो जाएगा। लालू ने आगे लिखा है कि रिसर्च बताती है कि देश की कुल संपत्ति का बड़ा हिस्सा लगभग 89 प्रतिशत हिस्सा, आबादी में सबसे कम संख्या वाले वर्गों के पास है तथा देश की सबसे अधिक आबादी वाले 85 प्रतिशत ओबीसी, एससी व एसटी के पास बाकी बचा हिस्सा है। इससे पता चलता है कि हमारे देश में सामाजिक-आर्थिक असमानता की जड़ें कितनी गहरी हैं। मोदी सरकार लगातार दस बरसों से ओबीसी, एससी व एसटी वर्ग के छोटे व्यवसायों को भी टारगेट कर खत्म कर रही है।

राहुल पर मांझी ने किया पलटवार कहा...दिख रही कांग्रेस कमजोर

पटना। राहुल गांधी और कांग्रेस द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जाने के बाद इसको लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। केंद्र में मंत्री बनने के बाद पहली बार गया पहुंचे केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया है और कहा है कि कांग्रेस अपनी नाकामी छुपाने के लिए इस तरह के आरोप लगा रही है।राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए गया के सांसद और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जब कह दिया है कि ईवीएम में किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी नहीं हुई है तो राहुल गांधी सिर्फ अपने मनोरंजन के लिए इस तरह की बात कह रहे हैं। अगर ईवीएम में गड़बड़ी की बात होती तो कांग्रेस को जितनी सीटें चुनाव में मिली हैं, उतनी भी नहीं मिली होती। मांझी ने कहा कि ईवीएम पर सवाल उठाकर राहुल गांधी सिर्फ अपनी कमजोरी को दिखा रहे हैं। विपक्ष जिस तरह से जनता में भ्रम की स्थिति पैदा करता है कि संविधान और आरक्षण खतरे में है तो उसी तरह से ईवीएम पर सवाल उठाकर बताना चाहता है कि वह बहुत पॉपुलर है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान जनता में भ्रम पैदा करके ही इंडी गठबंधन इतनी सीटें हासिल कर सका है।

लेकिन ज्यादा दिनों तक किसी को भ्रम में नहीं रखा जा सकता है। अगले चुनाव में इन लोगों का कही अता-पता नहीं होगा। बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट लिखा है और ईवीएम को ब्लैक बॉक्स करार दिया है। राहुल ने कहा है कि ईवीएम एक ऐसा ब्लैक बॉक्स है जिसकी जांच नहीं की जा सकती है।

विधानसभा चुनाव से पहले लोकसभा में किये चुनावी वादा पूरा करेंगे नीतीश

बिहार में रोजगार की भरमार... चार लाख से अधिक पदों पर जल्द शुरू होगी बहाली

- शिक्षा विभाग में करीब दो लाख पद पड़े है रिक्त
- स्वास्थ्य विभाग के 65 हजार पदों पर होगी बहाली

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद अब अगले साल यानी 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव होना है। लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में 10 लाख लोगों को नौकरी देने का वादा किया था। मुख्यमंत्री के इस वादे को पूरा करने के लिए डबल इंजन सरकार ने काम शुरू कर दिया गया है। जल्द ही विभिन्न विभागों में बंपर बहाली निकलने वाली है। दरअसल, लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनावी सभाओं में लगातार दावा कर रहे थे कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में 10 लाख लोगों को नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री के साथ साथ बीजेपी के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने भी कहा था कि बिहार में नौकरियों की बहार आने वाली है। लोकसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विभिन्न विभागों में रिक्त पड़े पदों की सूची मांगी थी। सीएम के आदेश पर सामान्य प्रशासन विभाग ने बिहार में विभिन्न विभागों में रिक्त पड़े 4 लाख 72 हजार 976 पदों की जानकारी सरकार को उपलब्ध करा दी है। विभिन्न सरकारी विभागों में करीब पौने पांच लाख पद रिक्त पड़े हैं। जिसमें स्थाई और अस्थाई पद शामिल हैं। विभिन्न विभागों में रिक्त पड़े 4 लाख 72 हजार 976 पदों पर जल्द ही नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। विधानसभा चुनाव से पहले इन सभी पदों को भर लिए जाने का लक्ष्य है। सबसे अधिक नियुक्ति शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में निकलने वाली है। शिक्षा विभाग में करीब दो लाख पद रिक्त पड़े हैं जबकि स्वास्थ्य विभाग ने 65 हजार पदों पर बहाली होगी। इसके अलावा विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भरा जाएगा। यह प्रक्रिया शीघ्र शुरू कर दी जाएगी।

तेजस्वी बोले...दिलाऊंगा दस लाख नौकरी

पटना। लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में 10 लाख लोगों को नौकरी देने का वादा किया था। मुख्यमंत्री के इस वादे को पूरा करने के लिए डबल इंजन सरकार ने काम शुरू कर दिया गया है। जल्द ही विभिन्न विभागों में बंपर बहाली निकलने वाली है। हालांकि पिछली सरकार में डिप्टी सीएम रहे तेजस्वी यादव ने एक बार फिर दावा कर दिया है कि यह सारा काम उनके डिप्टी सीएम रहते ही हुआ है और उनके दबाव में ही आकर सरकार ने पौने पांच लाख बहाली करने का फैसला लिया है। दरअसल, लोकसभा चुनाव के दौरान एक तरफ जहां तेजस्वी यादव दावा करते रहे हैं कि उनकी पहल पर ही बिहार में लाखों शिक्षकों की बहाली हुई है।हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कहना है कि तेजस्वी झूठा प्रचार कर रहे हैं और उनके द्वारा किए गए काम का क्रेडिट लेने के लिए चुनावी सभाओं में भ्रम फैला रहे हैं। जेडीयू ने तो स्पष्ट तौर पर कह दिया है कि बिहार में जो लाखों शिक्षकों की बहाली हुई है, उस फाइल पर तेजस्वी का नहीं बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का साइन है। अब जब एक बार फिर बिहार में बंपर बहाली होने जा रही है तो तेजस्वी यादव ने फिर से दावा कर कर दिया है कि उनकी ही चेतावनी का नतीजा है कि सरकार खाली पड़े शिक्षकों के पदों पर बहाली करने जा रही है।

हादसा टला: दो हिस्सों में बंट गई थी मालगाड़ी

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर में एक बड़ा रेल हादसा टल गया। यहां समस्तीपुर से नरहन जा रही एक मालगाड़ी का कपलिंग साढ़े चार बजे सुबह मुजफ्फरपुर जंक्शन के लाइन नंबर दो पर खुल गया। इससे मालगाड़ी दो हिस्से में बंट गई। यह देखकर मुजफ्फरपुर जंक्शन पर अफरातफरी मच गयी। वहीं, इस घटना की सूचना मिलते ही स्टेशन प्रबंधक अखिलेश कुमार सिंह, सीडीओ राजीव कुमार और कैरेज विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे। कपलिंग खुले होने पर लोगों ने राहत की सांस ली। करीब 10 मिनट में कपलिंग को जोड़कर मालगाड़ी को रवाना कर दिया गया। उससे पहले रेलवे के अधिकारियों और कर्मी काफी परेशान दिख रहे थे। उधर, घटना को लेकर बताया गया है कि सिग्नल मिलने पर जैसे ही लोको पायलट ने मालगाड़ी को नारायणपुर अनंत की ओर बढ़ाया, एक जोरदार आवाज हुई। मालगाड़ी दो मीटर तक आगे बढ़कर रुक गयी। क्योंकि ट्रेन के दो भागों में बंट जाने से ऑटोमेटिक वैक्यूम हो गया। लोको पायलट ने इसकी जानकारी गुड्स मैनेजर को दी और तब कंट्रोल को इसकी सूचना दी गई। इधर, जोरदार आवाज सुनकर मुजफ्फरपुर स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। आवाज सुनकर प्रबंधक समेत अन्य अधिकारी भी चिंता में पड़ गए और जल्दीबाजी में मौके पर पहुंच गए। सीडीओ और कैरेज विभाग को भी इसकी जानकारी दी गई। इस पूरे घटना में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीं विभाग मामले की जांच करा रही है।

कुख्यात बब्लू यादव को हथियार के साथ एसटीएफ ने दबोचा

पटना। एसटीएफ और सारण जिला पुलिस के सहयोग से रविवार को एक गिरफ्तारी हुई। जिसमें डबल मर्डर एक्ट का एक अपराधी भारी मात्रा में कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी ने अवैध बालू खनन मामले में वर्चस्व को लेकर दो लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। जो की फरार चल रहा था। बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी ने कारतूस जमा किया था। गिरफ्तार लाल बाबू यादव के पास से 133 गोली भी बरामद किया गया है।अवैध बालू खनन मामले को लेकर गुड्डू राय और सतेंद्र पांडे गिरोह में आपसी वर्चस्व को लेकर गोलीबारी की घटना लगातार होती रही है। वर्चस्व को लेकर ही 1 मई को गोलीबारी की घटना हुई थी। इसमें दो लोगों की हत्या हो गई थी। इस मामले में आरोपी लाल बाबू यादव की संलिप्तता पाई गई थी। घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। उसे पकड़ा गया।

औरंगाबाद में नाबालिग की मौत पर बवाल, आनंद मोहन और शिवहर सांसद ने उठाये पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर सवाल

केटी न्यूज/पटना

औरंगाबाद के नबीनगर में एक नाबालिग छात्रा की मौत पर बवाल मचा हुआ है। इसे लेकर दो दिनों से नबीनगर बाजार बंद है। सड़क जाम और रोष प्रदर्शन हुआ। सड़क पर आगजनी की गई। नबीनगर प्रखंड मुख्यालय से लेकर औरंगाबाद शहर में कैंडल मार्च भी निकाला गया। परिजन इसे अपहरण के बाद हत्या का मामला बता रहे है। एसिड अटैक की भी चर्चा हो रही है। वही पुलिस हत्या या आत्महत्या समेत अन्य दृष्टिकोण से मामले की तहकीकात कर रही है। मामले में औरंगाबाद के सदर एसडीपीओ-1 संजय कुमार पांडेय के एसिड अटैक को नकारते हुए हत्या या आत्महत्या के एंगल से जांच किए जाने के बयान के बाद ट्विस्ट आ गया है, जिससे परिजनों और नबीनगर की जनता का गुस्सा उबाल पर है। इसी बीच शिवहर की नवनिर्वाचित सांसद लवली आनंद, बहुचर्चित राजपूत नेता आनंद मोहन,

विधायक चेतन आनंद और डॉ.आयुषी की एंट्री से मामले में नया मोड़ आ गया है। अब ये पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि पोस्टमार्टम को हल्के में लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट को उन्होंने संदिग्ध बताया। चेतन आनंद ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर सिविल सर्जन से बात करनी चाही लेकिन बात नहीं हुई। कहा कि पूरे मामले को लेकर मुख्यमंत्री से बात करने के लिए मिलने का समय मांगा है। आनंद मोहन ने इसे बिहार का दूसरा निर्भया कांड बताया है। इस घटना को प्रशासनिक विफलता बताया। सच को उजागर करने के बदले पुलिस घटना की लीपापोती में लगी हुई है। दरअसल मामला बीते मंगलवार की है जब नाबालिग छात्रा अपने घर से कोचिंग के लिए निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। छात्रा के समय पर घर नहीं लौटने के बाद परिजन खोजबीन करने लगे। पूरे दिन खोजबीन होती रही लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। थक हारकर परिजनों ने नबीनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दी। मोबाइल चैट से मां को अपहरण की आशंका हुई।

चिरैया टार पुल पर बना 3 डी पेटिंग, पटना आरा इंटरसिटी एक्सप्रेस की उकेरी गई चित्रकारी

पटना की सड़कों पर दिख रहा यह एक्सप्रेस, हो रही तारीफ

केटी न्यूज/पटना

शहर की सड़कों पर चलने वाले लोगों को अब रेल की बोगियां भी नजर आने लगी हैं। यह कोई जादू नहीं बल्कि चिरैया टार पुल पर बनाई गई अद्भुत 3 डी पेंटिंग का कमाल है। इस अनोखी पेंटिंग ने शहरवासियों और राहगीरों का ध्यान खींचा है। पटना-आरा इंटरसिटी एक्सप्रेस की तस्वीर को इस फ्लाईओवर पर इस प्रकार उकेरा गया है कि यह असली ट्रेन का भ्रम पैदा करती है। जैसे ही आप इस पुल के पास से गुजरते हैं, आपको ऐसा महसूस होता है जैसे रेल की पटरी पर ट्रेन दौड़ रही हो। फ्लाईओवर की दीवारों पर रेल के डिब्बों की तस्वीरें इस तरह से बनाई गई हैं कि उनमें कई खिड़कियाँ नजर आती हैं, जिनमें यात्री बैठे हुए दिखते हैं। इन खिड़कियों में विभिन्न प्रकार के यात्रियों को दिखाया गया है, जैसे कि एक खिड़की में एक लड़की बलून लेकर बैठी है, तो दूसरी खिड़की में बुजुर्ग यात्री नजर आते हैं। एक और खिड़की में साइकिल को बाहर टांगे हुए यात्री यात्रा कर रहे हैं, जबकि कुछ खिड़कियों में दूध के जार के साथ यात्रा करते हुए यात्री भी नजर आते हैं। इस अनोखी 3डी पेंटिंग ने पुल को एक नई पहचान दी है और यह अब शहर में आकर्षण का केंद्र बन गया है। इसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आ रहे

हैं और इस पुल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रही हैं। इस पेंटिंग की खूबसूरती और यथार्थवाद ने लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है। फ्लाईओवर के नीचे और ऊपर दोनों तरफ गाड़ियों की रफ्तार नजर आती है, लेकिन इस पेंटिंग की वजह से ऐसा लगता है कि जैसे फ्लाईओवर ही ट्रेन के डिब्बे में तब्दील हो गया है। यह पेंटिंग भारतीय रेलवे की विविधता और यात्रियों की जीवनशैली को बखूबी दर्शाती है। इससे न केवल पुल की सुंदरता बढ़ी है, बल्कि शहर की कला और संस्कृति को भी एक नया आयाम मिला है। चिरैया टार पुल की यह अनोखी पेंटिंग पटना नगर निगम की एक पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शहर की सौंदर्यीकरण और कला को प्रोत्साहन देना है। इस परियोजना में कई स्थानीय कलाकारों ने हिस्सा लिया और उन्होंने अपने हुनर से इस फ्लाईओवर को एक जीवंत और आकर्षक रूप दिया है। शहरवासियों का कहना है कि इस प्रकार की पेंटिंग से न केवल पुल की दीवारें सुंदर बनती हैं, बल्कि यह राहगीरों और वाहन चालकों के लिए भी एक सुखद अनुभव है। इससे यातायात के दौरान उन्हें एक नया और रोचक दृश्य देखने को मिलता है, जिससे सफर की बोरियत कम होती है। इस पेंटिंग की वजह से चिरैया टार पुल अब एक नई पहचान बना चुका है और यह पटना के प्रमुख आकर्षणों में शामिल हो गया है। इसे देखने के लिए लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ आते हैं और इस अद्भुत पेंटिंग के साथ फोटो खिंचवाते हैं। पटना नगर निगम का यह कदम सराहनीय है और इससे उम्मीद है कि आने वाले समय में शहर के अन्य हिस्सों में भी इस प्रकार की कलाकारी देखने को मिलेगी। इस पहल ने न केवल कलाकारों को एक मंच प्रदान किया है, बल्कि शहर की सौंदर्यता को भी एक नया आयाम दिया है। पटना के चिरैया टार पुल की यह अनोखी 3डी पेंटिंग न केवल स्थानीय लोगों बल्कि पर्यटकों के बीच भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

गंगा दशहरा के अवसर पर रामरेखा घाट पर स्नान करते श्रद्धालु।

रामरेखा घाट पर पूजन सामग्रियों की खरीदारी करती महिलाएं।

आस्था : गंगा दशहरा पर बक्सर स्थित रामरेखा घाट पर उमड़े श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

गंगा दशहरा पर स्नान के लिए जुटे लाखों श्रद्धालु, दोपहर तक शहर में लगा रहा जाम

- रामरेखा घाट पर रही श्रद्धालुओं की सर्वाधिक भीड़, ध्वस्त हुई थी ट्रैफिक व्यवस्था

केटी न्यूज/बक्सर

रविवार को गंगा दशहरा का त्योहार काफी उल्लास के साथ संपन्न हो गया। इस मौके पर लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में डूबकी लगाई। हर साल यह त्योहार ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन मां गंगा का अवतरण धरती पर हुआ था। इस दिन मां गंगा की पूजा अर्चना करने तथा स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। पुराणों की मानें तो गंगा दशहरा पर गंगा में डूबकी लगाने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि अहले सुबह से ही बक्सर में गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ गई थी। सबसे अधिक भीड़ रामरेखा घाट पर थी। जहां, श्रद्धालु उतरायणी गंगा में स्नान के साथ ही पूजा अर्चना कर रहे थे। दोपहर तक यह सिलसिला जारी था। रामरेखा घाट के अलावे जहाज घाट, सती घाट, सुमेश्वर घाट आदि घाटों पर भी गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भीषण गर्मी व लू के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। वही, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण रामरेखा घाट पर अवव्यस्था पैदा हो गई थी। भीड़ इतनी अधिक थी कि इसे कंट्रोल कर पाना आसान नहीं था। वही इस दौरान प्रशासनिक व्यवस्था भी नगण्य थी। जिस कारण श्रद्धालुओं को काफी फजीहत का सामना करना पड़ा।

पूरे दिन शहर में लगा रहा जाम : गंगा दशहरा को ले शहर में पूरे दिन जाम लगा रहा। प्रशासन द्वारा पर्व शहर के सीमा पर वाहनों को नहीं रोका गया था। जिस कारण पूरे दिन शहर में जाम लगा रहा। दोपहर तक को शहर की सड़को पर पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा था। इस दौरान टैजफिक व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई थी। जिस कारण श्रद्धालुओं को फजीहत का सामना भी करना पड़ा।

राजा भगीरथ के प्रयास से धरती पर आई थी मां गंगा : मान्यता है कि राजा भगीरथ ने मां गंगा को धरती पर उतारने के लिए घनघोर तपस्या कि थी। इसके पहले उनके पहले के कई राजाओं ने अपने पूर्वजों को मोक्ष दिलवाने के लिए मां गंगा को धरती पर लाने का प्रयास किया था, लेकिन किसी को भी सफलता नहीं मिल सकी थी। लेकिन भगीरथ के प्रयास से ही मां गंगा भगवान विष्णु के कमंडल से निकल धरती के लिए आगे बढ़ी थी। रास्ते में उन्हें महादेव ने अपनी जटाओं में समेट लिया था। जिसके बाद भगीरथ को भगवान विष्णु के बाद शिव की तपस्या कर उन्हें भी प्रसन्न करना पड़ा था। तब जाकर मां गंगा धरती पर ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष दसमी तिथि को आई। यही कारण है कि ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है।

शाम में रामरेखा घाट पर आयोजित हुई भव्य महाआरती, लोगों ने जलाएं दीयें

बक्सर। गंगा की कलकल करती धाराओं के तट पर रविवार की शाम उत्सवी माहौल में मां गंगा की महा आरती की गई। यह महाआरती गंगा आरती सेवा समिति के तत्वावधान में की गई थी। जिसका नेतृत्व समिति के मुख्य पुजारी अमरनाथ पांडेय उर्फ लाला बाबा ने किया। गंगा आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। बता दें कि यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जिसमें नगर के वरीय पदाधिकारी समाजसेवी लोग भी उपस्थित थे। गंगा आरती ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस गंगा महा आरती में पूरे 1 घंटे की संगीतमय महाआरती की गई। आरती के पहले गंगा पूजन एवं मुख्य यजमान द्वारा विधिवत पूजन करके आरती का शुभारंभ किया गया। ट्रस्ट के संरक्षक प्रभंजन भारद्वाज ने बताया कि बक्सर में गंगा आरती की शुरूआत साकेत वासी संत नारायण दास भक्ति माली उपाख्य मामा जी के द्वारा वर्षों पहले की गई थी। जिसके बाद इसकी एक परंपरा चल पड़ी और आज भी रामनवमी, गंगा दशहरा और देव दिवाली को ट्रस्ट द्वारा महा आरती का आयोजन किया जाता है। हर बार आरती में नगर के वरिय अधिकारी एवं समाजसेवी हिस्सा लेते हैं। जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। आथ की महाआरती में गंगा आरती सेवा समिति ट्रस्ट के सचिव श्रवण तिवारी के साथ सौरभ तिवारी, धन जी सिंह, ओम जी,पप्पू राय,शेखर,मनोज वर्मा,परमहंस पाडेय उपस्थित थे।आरती ट्रस्ट के मुख्य पुजारी अमरनाथ पाण्डेय, धनन तिवारी एवं कपीलमुनि पाण्डेय द्वारा की गयी। आरती के संयोजक कपीन्द्र किशोर सोनू ने बताया कि बक्सर में गंगा आरती का विशेष महत्व है।

गंगा स्नान के लिए जा रही वृद्ध महिला की लू लगने से मौत

बक्सर। गंगा दशहरा पर स्नान के लिए विभिन्न गंगा तटों पर सुबह से भारी भीड़ लगी रही। जहा दूर-दराज क्षेत्रों से महिला पुरुष श्रद्धालु पहुंचे थे। इसी भीड़ में सुदूर इटाढ़ी के हरपुर-जयपुर से भी वृद्ध महिला बक्सर स्नान करने पहुंची थी। जहा से स्नान के बाद वह गांव लौट रही थी। तभी इटाढ़ी पावर ग्रिड के पास उसकी तबियत बिगड़ी जहा बिन बताये वह यात्री बस से उतर गई। थोड़े देर बाद उसकी मौत हो गई, जानकारी पर पहुंचे ग्रामीणों ने वृद्ध की पहचान कर परिजनों को सूचित किया गया। बताया जाता है उक्त वृद्ध की मौत लू लगने से हुई है। बताया जाता है उक्त महिला दिनारा थाना क्षेत्र के भानुपुर की रहने वाली कुसुम देवी है। जिसका मायके इटाढ़ी के हरपुर-जयपुर है, वही, से महिला गंगा दशहरा पर बक्सर गंगा स्नान करने आई थी। स्नान के बाद वह घर जाने के लिए यात्री बस पर सवार हुई। इटाढी पावर ग्रिड के पास उसकी तबियत नासाज हुई तो घबराहट में वह बस रुकवा कर उतर गई। थोड़े देर बाद उसकी मौत हो गई। इसकी जानकारी होने के बाद ग्रामीणों पहुंचे, महिला की पहचान हुई। हालांकि, जानकारी के बाद पुलिस भी पावर ग्रिड के पास पहुंची। तब तक ग्रामीण महिला को उठा गांव लेकर चले गए।

एक नजर

डुमरांव थाने में आयोजित हुआ फेयरवेल सह स्वागत समारोह, भावुक हुए पुलिसकर्मी

डुमरांव। पुलिस से आम जनता को बहुत उम्मीद रहती है। लोग जब चारों तरफ से थक जाते है तब पुलिस के पास न्याय की उम्मीद लेकर आते है। लोगों की भावनाओं का कद्र करते हुए पीड़ित को न्याय दिलाना ही एक पुलिस पदाधिकारी का कर्तव्य है। रविवार को उक्त बातें डुमरांव की निवर्तमान थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी अनिशा राणा ने अपने संबोधन में कही। मौका था पुलिसकर्मियों द्वारा निवर्तमान थानाध्यक्ष की विदाई तथा नये थानाध्यक्ष स्वागत का। अनिशा राणा ने कहा कि प्रशिक्षण काल की शुरूआत ही डुमरांव थानाध्यक्ष के दायित्व से हुई। चार महीने के कार्यकाल में मैंने अपने दायित्व का बखूबी निर्वहन करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि डुमरांव की यादें उनके जेहन में ताजी रहेगी। यहा के लोग काफी अच्छे है। उन्होंने अपने अधीनस्थों की सराहना के साथ ही डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के कुशल मार्गदर्शन के प्रति आभार भी जताया। वही नये थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने कहा कि उनका लक्ष्य अपराध मुक्त व तस्करी मुक्त डुमरांव बनाना है। उन्होंने कहा कि एक डीएसपी रैंक के अधिकारी से पदभार ग्रहण करना उनका सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु डीएसपी के कुशल कार्यशैली व आम लोगों के साथ मधुर संबंध, ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा की मैंने काफी चर्चा सुनी है, मैं भी कोशिश करूंगा की लोगों की जो अपेक्षा एक थानाध्यक्ष से है, उस पर खरा उतरू। वही फेयरवेल समारोह की अध्यक्षता कर रहे डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने प्रशिक्षु डीएसपी के कार्यशैली उनकी कर्तव्य निष्ठा, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता तथा कठिन परिश्रम की जमकर सराहना की और उम्मीद जताया कि आगे चलकर ये एक बेहतर पुलिस पदाधिकारी के रूप में जानी जाएंगी। उन्होंने बताया कि इनके चार महीने के कार्यकाल में 415 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया, वही विभिन्न मामलों में 156 अपराधी भी पकड़े गए। इसके अलावे शराब व बालू तस्करी पर लगाम लगाने में भी इनकी भूमिका काफी सराहनीय रही है। मौके पर अपर थानाध्यक्ष संजीत कुमार शर्मा, एएसआई रितिका, जूही समेत कई अन्य पुलिस पदाधिकारी, कर्मी व चौकीदार मौजूद थे।

वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन पर शोकसभा आयोजित

चौसा। चौसा नगर पंचायत के अंतर्गत सेवा मंडल में पूर्व जिला पार्षद सह प्रदेश संयोजक युवा अधिवक्ता कल्याण समिति संघर्ष मोर्चा के डा. मनोज कुमार यादव के अध्यक्षता में अधिवक्ता स्वर्गीय जगदीश तिवारी जी के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा को संबोधित करते हुए डा.मनोज कुमार यादव ने कहा कि स्वर्गीय जगदीश तिवारी जी व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे। हमेशा समाज को आगे बढ़ाने, खिलाड़ियों को सहयोग करने एवं गरीबों को मदद करने में उनका अहम योगदान रहता था। वे बक्सर सिविल कोर्ट में भी अपने लोगों के लिए ईमानदारी से पैरवी करना और उनका मदद करना इनके नियत एवं विचार में था। हमेशा सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को स्वर्गीय तिवारी जी से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। इस शोक सभा में वार्ड पार्षद चंदन चौधरी, शैलेश कुशवाहा, कैप्टन अशोक यादव, आनंद जी रावत, काजू मिश्रा, महेंद्र पांडे, रिजवान खां, ठाकुर प्रसाद कानू, कन्हैया प्रसाद मालाकार, मुख्तार खान, करण प्रसाद गुप्ता, सुधीर मालाकार, बबली केसरी, ज्योति प्रकाश चौरसिया, विजय राम, बलबल गुप्ता, अभिषेक कुमार, सौरभ कुमार, जितेश उपाध्याय, रितेश चौधरी, शिवम चौरसिया, प्रशांत चौबे, नितेश कुमार उपाध्याय, अधिवक्ता रामलखन पाल, अधिवक्ता वसीम अकरम उपस्थित रहे।

पकड़ा गया डुमरांव का कुख्यात जालसाज निर्गत हो चुका था कुर्की जब्ती का आदेश

केटी न्यूज/डुमरांव

- बक्सर, सीतामढ़ी व झारखंड के दुमका व रांची कोर्ट से निर्गत हुआ था स्थायी वारंट, कई मामले हैं दर्ज है

डुमरांव सहित बिहार व झारखंड के कुख्यात जालसाज नौशाद खां पिता युनुश खां को डुमरांव पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उस पर बक्सर के अलावे बिहार के सीतामढ़ी व झारखंड के दुमका व रांची कोर्ट से स्थायी वारंटर निर्गत हुआ था, जबकि पटना हाई कोर्ट ने कुर्की जब्ती का वारंट निर्गत किया है। मूल रूप से डुमरांव के मेढ़ूल खां के हाता के रहने वाले नौशाद पर करीब एक दशक पहले एक निजी गैस एजेंसी के नाम पर लोगों से मोटी रकम उगाही का आरोप था।

ऐसे ही जालसाजी व फजीर्वाड़े के आरोप उस पर विभिन्न जगहों पर लगे है, जिनमें वह लंबे समय से फरार चल रहा था। डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि उसके खिलाफ बक्सर कोर्ट से दो स्थायी वारंट, सीतामढ़ी कोर्ट से एक, झारखंड के दुमका कोर्ट से एक और रांची कोर्ट से एक स्थायी वारंट निर्गत किया गया था। डीएसपी ने बताया कि आरोपित वर्ष 2012-13 में डुमरांव में गैस एजेंसी दिलाने के नाम पर फर्जी तरीके से जालसाजी कर कई पीड़ितों से मोटी रकम लेकर फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी गुप्त सूचना पर ब्रह्मपुर से की गई है। जानकारों का कहना है कि वह जालसाजी के पैसे से अपना बड़ा कारोबार खड़ा कर चुका है तथा कुछ महीना पहले ही ब्रह्मपुर में भी बायो डीजल का एक प्लांट भी खोल रखा था। बताया जा रहा है कि वही से उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी के बाद पीड़ितों में इस बात की उम्मीद जगी है कि उन्हें न्याय मिलेगा।

गौरतलब है कि वह एक दशक से अधिक समय से फरार चल रहा था। इतने लंबे समय तक पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार नहीं किए जाने से भी कई सवाल खड़े हो रहे है। डीएसपी ने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

चार केन बीयर व एक बोतल शराब के साथ एक गिरफ्तार

बक्सर। उत्पाद चेक पोस्ट पर उत्पाद विभाग की जांच में यूपी से शराब व बीयर की बोतल लेकर बाइक से आ रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जबकि, दूसरा युवक फरार हो गया। वही, इस मामले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई। पुलिस ने बताया एक्साइज के जांच में यूपी से बाइक में छिपाकर एक युवक शराब की बोतल बीयर की केन लेकर आ रहा था, जहा जांच में वह पकड़ा गया। उक्त युवक नरबतपुर का रहने वाला उत्तम कुमार है। जिसके पास से एक अंग्रेजी शराब की बोतल व चार केन बीयर बरामद की गई। वही, इसके साथ आ रहा युवक पहले ही फरार हो गया। पुलिस ने पकड़े गए युवक को जेल भेज दिया वही, शराब व बाइक को जब्त की कार्रवाई की गई।

नशे में धुत भतीजे ने अपने चाचा के सीने में भाला घोंप कर उतारा मौत के घाट, गिरफ्तार

केटी न्यूज/चौगाईं

शराब के नशे में धूत एक शराबी ने अपने चाचा के सीने में भाला घोंप हत्या कर दी है। यह लोमहर्षक घटना शनिवार की देर रात मुरार थाना क्षेत्र के फफदर गांव की है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो घंटे के अंदर मुख्य आरोपित भतीजे को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक फफदर निवासी हरिनंदन यादव के 50 वर्षीय पुत्र ललन यादव उर्फ लाला यादव खाना खाकर अपने दरवाजे पर सो रहा था। वह अपनी सुरक्षा के लिए भाला लेकर सोता था। इसी दौरान उनके पट्टीदार के भाई ब्रह्मेश्वर यादव का पुत्र लालबाबू यादव शराब के नशे में धूत होकर आया तथा अकारण उनसे उलझ गया और गाली गलौज करने लगा। चाचा-भतीजा के बीच का यह तकरार बढ़ते गया। इसी दौरान लालबाबू की नजर खटिया के पास रखे भाला पर पड़ी। उसने तुरंत भाला उठा लिया तथा ललन यादव के सीने को लक्ष्य कर भाला का भरपूर वार कर दिया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। चाचा को मौत के घाट उतारने के बाद वह बधार की तरफ भाग गया।

इधर वारदात की जानकारी मिलते ही मुरार थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय सदल बल मौके पर पहुंचे तथा आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान शुरू कर दिए। करीब दो घंटे के प्रयास के बाद आरोपित को पकड़ लिया गया। इस संबंध में मृतक के पुत्र उमेश कुमार यादव ने लालबाबू तथा उसके पिता ब्रह्मेश्वर यादव के खिलाफ अपनी पिता की हत्या का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि इस मामले में उसके पिता की भूमिका की जांच हो रही है। वहीं इस घटना को ले गांव में गुटीय तनाव कायम है। दूसरी ओर, ग्रामीण सूत्रों की मानें तो इस मामले में अंध विश्वास की बात भी सामने आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि ललन बुरे साए से बचने के लिए ही भाला लेकर सोता था, लेकिन आज वही भाला उसकी मौत का कारण बन गया।

आभार यात्रा के तहत डुमरांव पहुंचे एनडीए प्रत्याशी, एनडीए की हार के कारणों पर हुई चर्चा

राजद ने चार-पांच निर्दलियों को किया था फंडिंग: मिथिलेश

- भाजपा उम्मीदवार ने प्रशासन पर लगाए आरोप

केटी न्यूज/डुमरांव

केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने के बाद भाजपा द्वारा आभार यात्रा निकाला जा रहा है। इसी कड़ी में बक्सर संसदीय सीट के भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश रविवार को डुमरांव पहुंचे। छठिया पोखरा के पास आयोजित एक निजी सभागर में कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। आभार यात्रा में डुमरांव विधानसभा के विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। अपने संबोधन में मिथिलेश ने कार्यकताओं और जनता को आभार प्रकट करते हुए कहा कि भले ही हम लोग बक्सर से चुनाव हार गए हो, लेकिन केंद्र में तीसरी बार मोदी की सरकार बन गई है। जो हम सभी के लिए गौरव की बात है। इसके लिए उन सभी कार्यकताओं और मतदाताओं को दिल से आभार प्रकट करता हूं। भाजपा नेता ने कहा कि मैं कहीं और जाने वाला नही हुं, अब मैं पूर्ण रुप से बक्सर का हो गया हूं। आगामी विधानसभा चुनाव में बक्सर लोकसभा के सभी 6 विधानसभा सीट को जीतना ही सभी एनडीए कार्यकताओं का लक्ष्य होना चाहिए।

मिथिलेश तिवारी ने जिला प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि राजद समर्थक बीएलओ ने बहुत से भारतीय जनता पार्टी के वोटरों का नाम वोटर लिस्ट से डिलीट कर दिया था, ताकि राजद को इसका सीधा फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने सेंसेटिव बूथ का लिस्ट किसी व्यक्ति विशेष के कहनें पर जारी किया था। बक्सर लोकसभा के विकास के लिए मैं प्रतिबद्ध हूं, भले ही मैं चुनाव हार गया लेकिन 4 लाख 8 हजार से ज्यादा मतदाताओं ने जो मुझपर और भाजपा पर भरोसा जताया है। उसके लिए मैं हर पल, सदैव तैयार और तत्परता पूर्वक खड़ा रहूंगा। मिथिलेश ने कहा कि भाजपा को हराने के लिए राजद ने चार पांच निर्दलीय को खड़ा कर फंडिंग किया गया, जिससे की भाजपा का 71000 हजार वोट कट गया और जीता हुआ सीट हम हार गये। आभार सभा को सम्बोधित करते भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने कहा कि बक्सर लोकसभा से एनडीए की हार कार्यकताओं सहित मतदाताओं की हार है। बक्सर लोकसभा से राजद भ्रम फैलाकर जीत दर्ज किया है। जिसका जबाब हम और हमारी पार्टी तथा डुमरांव की जनता समय से देने का कार्य करेगी। आभार सभा की अध्यक्षता विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह तथा संचालन निर्भय राय द्वारा किया गया। मौके पर जितेन्द्र कुमार सिंह उर्फ कतवारु सिंह, अनिल पांडेय, श्रीमन नारायण तिवारी, राजू कुशवाहा, इन्द्रलेश पाठक, सौरभ तिवारी, दीपक यादव, बलराम पाण्डेय, विन्धयाचल पाठक, संजय सहाय, मनोज सिंह, कमलेश सिंह, शीला त्रिवेदी, पिंकी पाठक, लाला सिंह जदयू सहित भाजपा और एनडीए कार्यकर्ता मौजूद थे।

दिल्ली से मुजफ्फरपुर जा रही शराब लदी कंटेनर जब्त, चालक गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

दिल्ली से मुजफ्फरपुर जा रही एक शराब लदी कंटेनर को उत्पाद विभाग की टीम ने बक्सर के वीर कुंवर सिंह चेक पोस्ट पर पकड़ा है। तलाशी के दौरान कंटेनर से 1,688.40 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत 14 लाख रूपए आंकी गई है। उत्पाद विभाग की टीम ने कंटेनर चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के कन्नौज निवासी रामनाथ के पुत्र योगराज के रूप में हुई है।

उत्पाद विभाग की टीम के पूछताछ में चालक ने बताया कि शराब लदा कंटेनर दिल्ली से लेकर मुजफ्फरपुर जा रहा था। हलांकि वह मुख्य तस्कर की पहचान नहीं बता सका। बल्कि बताया कि इस खेप को पहुंचाने के लिए उसे मोटी रकम का लालच दिया गया था। लेकिन, वीर कुंवर सिंह चेक पोस्ट पर मौजूद उत्पाद विभाग की टीम ने उसे पकड़ लिया। इसकी पुष्टि करते हुए उत्पाद अधीक्षक दिलीप पाठक ने बताया कि जांच के दौरान शंका होने पर कंटेनर की तलाशी ली गई। जिसमें भारी मात्रा में विदेशी शराब लोड थी। उन्होंने बताया कि जब्त शराब की कुल मात्रा 1,688.40 लीटर है, जिसकी कीमत लगभग 14 लाख है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि शराब तस्करों पर नकेल के लिए नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा है, ताकि उतर प्रदेश से बक्सर की सीमा में शराब की खेप नहीं पहुंचे।

24 घंटे के अंदर मवेशी चोरी मामले का उद्भेदन, पिकअप के साथ 65 हजार नगदी व मोबाइल जब्त

खुलासा : डुमरांव में पशु तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ चोरी के तीन मवेशियों के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार

- डुमरांव एसडीपीओ ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी, कहा- चोरी में संलिप्त पशु तस्करों ने स्वीकार किया अपना जुर्म

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के नये थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने योगदान के साथ ही अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। डुमरांव से पशु चोरी के एक मामले का महज 24 घंटे के अंदर उद्भेदन कर पांच शातिर मवेशी चोरों को गिरफ्तार करने के साथ ही एक बोलेरो पिकअप, 65 हजार नगद रूपए तथा तीन मोबाइल फोन भी जब्त किया है। खास यह कि चोरी के चंद घंटों के अंदर ही चोरों ने मवेशियों को बेच दिया था तथा पशु तस्कर उक्त मवेशियों को खपाने की फिराक में थे, लेकिन इसी दौरान पुलिस ने उन्हें रंगेहाथ पकड़ लिया।

डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी है। डीएसपी ने बताया कि पशु चोरों ने शनिवार को डुमरांव थाना के पीछे स्थित अंगद के डेरा निवासी मोहन पासवान की तीन भैंस व एक भैंसा की चोरी कर ली थी। पीड़ित ने इस संबंध में शनिवार को ही कांड संख्या 213/24 दर्ज कराया। जिसके बाद एक टीम गठित कर मामले के उद्भेदन का निर्देश दिया गया। इस टीम ने कुछ ही घंटो में एक बोलेरो पिकअप पर लदी चोरी की तीन भैंस को बरामद करने के साथ ही तीन चोरों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, उनकी निशानदेही पर इस मामले में शामिल दो अन्य चोरों को भी पकड़ा गया। उनके पास से 65 हजार रूपए, दो स्क्रीन टच व एक कीपैड मोबाइल बरामद किया गया। गिरफ्तार चोरों में नया भोजपुर निवासी सद्दाम खां पिता स्व. निजाम खां, सिमरी थाना क्षेत्र के सहियार गांव निवासी रोहित नट पिता स्व. अनिल नट, इसी गांव के शोबरात नट पिता स्व. मदारी नट, तिलक राय के हाता ओपी के बड़का राजपुर गांव के शत्रुघ्न राम पिता स्व. बालकिशुन राम तथा डुमरांव साफाखाना रोड स्थित अनुसूचित जाति बस्ती निवासी रामकुमार राम पिता स्व. रामविलाश राम को गिरफ्तार किया गया है। डीएसपी ने बताया कि सभी शातिर पशु चोर है तथा उनकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि है।

चोरी के मामले में हुए खुलासे की जानकारी देते डुमरांव एसडीपीओ व अन्य।

उन्होंने कहा कि पूछताछ में चोरों ने पूर्व में भी पशु चोरी के कई मामलों में अपनी संलिप्तता स्वीकारी है। आवश्यक पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है। इधर-शहर में इस बात की चर्चा है कि नये थानाध्यक्ष के रूप में योगदान करते ही अपराधियों तथा चोर उचक्कों पर नकेल कसने की प्रक्रिया तेज हो गई है। जिससे पुलिस के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ गया है।

डुमरांव प्रखंड परिसर में खड़ी बाइक को उचक्कों ने उड़ाया : डुमरांव के प्रखंड परिसर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर खड़ी एक बाइक पर उचक्कों ने हाथ साफ कर दिया। इस मामले में पीड़ित डीके कॉलेज रोड स्थित आदर्श नगर निवासी अरविंद चौहान ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले को दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दी है। पीड़ित ने पुलिस को दिये गये आवेदन में बताया है कि वह अपना बाइक जिसका नंबर यूपी 60 एस 2026 को लेकर अपने बेटा को प्रखंड परिसर के पीएचसी पर सुई दिलाने के लिए आया था। बाइक को स्वास्थ्य केंद्र के बाहर खड़ा कर अंदर चला गया। जब बाहर आया तो बाइक नदारद थी। काफी खोजबीन किया लेकिन उसका कोई सुराग नही मिला। डुमरांव पुलिस ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की खोजबीन में पुलिस जुट गयी है।

किसान के घर से नगद समेत लाखों रुपए के जेवर ले भागे अज्ञात चोर

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र के भदार गांव में अज्ञात चोरों ने एक किसान के घर को निशाना बनाने का मामला प्रकाश में आया है। अज्ञात चोरों ने उक्त घर का दरवाजा तोड़ नगद समेत लाखों रुपए के जेवर चुराकर भाग निकले है। पीड़ित परिजनों के अनुसार चोरों ने घर में पिछले दरवाजे से प्रवेश किया है। पीड़ित गृहस्वामी राजाराम तिवारी ने बताया कि भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए घर के सभी सदस्य शुक्रवार की देर शाम खाना खाने के बाद छत पर सो गए। सुबह जब परिवार के महिलाओं की नींद खुली और वे छत से नीचे पहुंची, तो उनके होश उड़ गए। घर के सभी दरवाजे खुले हुए थे। साथ ही चारों तरफ सामान बिखरा पड़ा हुआ था। जिसके बाद पीड़ित महिलाओं ने शोर मचाने लगी।

इधर अज्ञात चोरों ने घर से बक्से, सूटकेस, व आभूषण का बॉक्स ले भागे थे। चोरों की सुराग लेते हुए पीड़ित परिजन एवं ग्रामीण गांव के पश्चिम बधार में पहुंचे, तो बॉक्स, सूटकेश तोड़कर फेंका हुआ था। उसमें से सभी कीमती समान गायब था। पीड़ित किसान राजाराम तिवारी ने बताया कि चोरों ने घर से 60 हजार नगद रुपए, सोने एवं चांदी के आभूषण चुरा ले गए हैं। जो लगभग चार लाख रुपया का सामान था। इस संबंध में सिकरौल थानाध्यक्ष बिरेंद्र कुमार ने बताया कि घर में चोरी के संबंध में गृहस्वामी द्वारा कोई सूचना नहीं दी गई है। सूचना मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

पुलिया के पास डिवाइडर से टकराया हाइवा, बाल बाल बचे चालक व खलासी

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय थाना क्षेत्र के एनएच 922 पर स्थानीय कृष्णाब्रह्म पुलिया के पास एक तेज रफ्तार हाइवा अपना नियंत्रण खो डिवाइडर से टकरा गई। हाइवा का रफ्तार इतना तेज था कि पूरी गाड़ी डिवाइडर पर चढ़ चुकी थी। हालांकि, पुल के पास स्थित एक मजबूत पाया से टकरा रूक गई। घटना शनिवार मध्य रात्रि की है। इस दुर्घटना में हाइवा के परखच्चे उड़ गए जबकि चालक व खलासी बाल बाल बच गए है। वही डिवाइडर व पाया भी क्षतिग्रस्त हो गया है। दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। वही शाम तक हाइवा के संबंध में दावा करने वाले भी कोई पुलिस के समक्ष नहीं आया। वैसे पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। वैसे हाइवा ट्रक की हालत देख यह अनुमान लगाया जा रहा है कि दुर्घटना के वक्त ट्रक की स्पीड बहुत अधिक रही होगी। वही लोगों का कहना है कि यदि हाइवा पाया से नहीं टकराई होती तो डिवाइडर पार कर पुल से नीचे भी गिर जाती, जिससे चालक व खलासी की मौत भी हो सकती है। गौरतलब है कि एनएच 922 पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इस मामले में किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है और न ही हाइवा को मालिक ही पुलिस के सामने आ सका है। वैसे पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सातवीं जिला स्तरीय वुशु प्रतियोगिता में बक्सर के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

बक्सर। नगर के कलाभवन परिसर में रविवार को सातवीं बक्सर जिला सब जूनियर, जूनियर, सीनियर वुशु खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें खिलाड़ियों ने अपने प्रतिभा का परचम लहरा सबको चकित कर दिया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न प्रखंडों से लगभग 50 खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्ग में भाग लिया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संघ के अध्यक्ष डॉक्टर आशुतोष सिंह, बक्सर जिला के बिजली विभाग के एसडीओ शिव कुमार, बक्सर संघ के सचिव मुकेश कुमार, संघ के कोषाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार और समाज सेवी रोहित सिंह ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। पदक समारोह में अतिथि के रूप में जिला वुशू संघ के उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंहा, हेरिटेज स्कूल के निदेशक डॉक्टर प्रदीप कुमार पाठक एवं रविंद्र नाथ मिश्रा ने सभी खिलाड़ियों को मेडल, सर्टिफिकेट और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी आगामी 18 से 20 जून को सीवान जिला के डॉन बास्को हाई स्कूल में आयोजित होने वाले 14वीं बिहार राज्य वुशू प्रतियोगिता में जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में निर्णायक के रूप में निधि कुमारी, दिलीप कुमार, रामरतन पाठक मौजूद रहे।

अच्छी खबर : डुमरांव में लगेगा जर्मन हैंगर फोल्डिंग रैन बसेरा

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद ने शहर में काम से आने वाले अनुमंडलवासियों एवं यात्रियों के लिए जर्मन हैंगर फोल्डिंग रैन बसेरा लगाने जा रही है। यह रैन बसेरा सरकारी जमीन पर स्थापित किया जाएगा। इसके लिए स्थल का भी चयन किया जा चुका है। इसकी जानकारी देते हुए नप चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया की अनुमंडल कार्यालय व प्रखंड कार्यालय के पास यह जर्मन हैंगर फोल्डिंग रैन बसेरा लगाया जाएगा।

इस रैन बसेरा के लगने से अनुमंडलीय कार्यालय, अस्पताल एवं प्रखंड कार्यालय में काम से आने वाले लोग इसमें आराम कर सकते हैं। इतना ही नहीं रात्रि में भी लोग उसमें ठहर सकते हैं। चेयरमैन ने बताया की एक रैन बसेरा में लगभग 70 से 80 बेड लग जाएगा। रात्रि में ट्रेन से उतरे लोग काफी परेशानी झेलते हैं। रेलवे के प्रतिक्षालय में रूकने पर जीआरपी पुलिस का तंग करती है। ऐसे में बेचार यात्री अपने गांव जाने की स्थिति में नहीं रहते, उनके लिए भी यह रैन बसेरा वरदान साबित होगा। इस रैन बसेरा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आंधी, तूफान बारिश रोधक होता है, जिससे किसी भी मौसम में यात्री ठहर सकते हैं।

पानी से भरे तलाबों पर दिखा गर्मी का असर तालाब के सूखने से जानवर रह जाते हैं प्यासे

- सूरत राय और ट्रेनिंग स्कूल का कभी नहीं सूखने वाला तलाब में दिखाई देने लगी पानी की जगह मिट्टी

केटी न्यूज/डुमरांव

तालाबों की नगरी डुमरांव में संकट के बादल छाने लगे हैं। कभी नहीं सूखने वाले तलाबों में पानी की जगह मिट्टी दिखाई देने लगी है। इतना ही नहीं इन तलाबों के सूखने से जानवरों के आगे भी पेयजल का संकट आ गया है। जहां गर्मी से शरीर को तर रखने और पानी पीने के लिए जानवर तलाब में उतरते थे और बच्चे स्नान करते नजर आते थे, नहीं पीने का पानी मिल रहा है और नहीं नहाने के लिए तलाब में पानी रह गया है।

इन सूखे तलाबों में पहला नाम ट्रेनिंग स्कूल का आता है। यह तालाब लबालब पानी से भरा रहता था, पूरी तरह से सूख गया है। इसमें नहरों से भी पानी भरा जाता था, लेकिन नहर तो पहले ही से सूखा हुआ है। इस तालाब में पुशपालक अपने मवेशियों को लाकर स्नान कराते हुए उनके शरीर को मलकर धोते थे। इस तलाब में सैकड़ो लोग छठ पूजा भी करते हैं।

वहीं दूसरा तलाब है सूरत राय का तलाब, यह भी सूख गया है और धूल उड़ रहा है। इस तालब की गहराई इतनी थी कि कभी सूखता नहीं था। इसक सूख जाने से लोग इसकी गहराई को देखने जाते हैं और सोंचते हैं की इतना गहरा तलाब सूख गया है। इसके बगल में मंदिर है, जहां स्नान कर लोग तलाब का जल भी चढ़ाते थे। नौजवान तो नौजवान मोहल्ले के बुजुर्ग भी इस तालब को सूखता देख आश्चर्य कर रहे हैं। लोग यही अनुमान लगा रहे हैं कि गहरा पानी वाला तालाब जब सूख गया तो गरीबों व वन्य जीवों का क्या हाल होगा।

देसी शराब के साथ तस्कर धराया, जेल

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने स्थानीय शहर के लालगंज कड़वी मोहल्ले में छापेमारी कर दस लीटर देसी शराब के साथ एक तस्कर को पकड़ा है। पकड़े गये तस्कर की पहचान उसी मोहल्ले के रहने वाले मुसाफिर राय के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के ठिकाने से देसी शराब बरामद किया है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी शराब के धंधे में शामिल है। पुलिस की टीम ने आरोपी के ठिकाने पर छापेमारी की और शराब के साथ उसे गिरफ्तार करने में सफलता पायी है।

नप क्षेत्र में नाली-गली बनाने के लिये नापी हुई शुरू

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद ने शहर के विभिन्न वार्डों में टूटे नाली और गली बनाने की दिशा में पहल शुरू कर दिया है। नगर के लगभग आधा दर्जन वार्ड में टूटे नाली व गली को बनाने के लिए रविवार को जेई एव एई के मौजूदगी में नापी का कार्य शुरू किया गया। इस संबंध में चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया कि बहुत से वार्ड की नाली और गलियों की स्थिति ऐसी है की रोड पर पानी बहकर जमा हो जाता है, जिससे आने-जाने में परेशानी होती है। इसकी प्राथमिकता देकर नापी का काम शुरू किया गया है।

बता दें की सुनीता गुप्ता का बोर्ड बनने के बाद नगर में काम नहीं लग रहा था। काम नहीं लगने से नगरवासी परेशानी झेलने पर मजबूर थे। बोर्ड की काफी बदनामी हो रही थी। नप ने पहलीबार इतने पैमाने पर काम को शुरू करने के लिए नापी का कार्य प्रारंभ किया है। रविवार को वार्ड संख्या 3, 4, 14, 18, 21, 23, 24, 32 एवं 35 में नापी का कार्य पूरे दिन चलता रहा। जिस वार्ड की नापी हो रही थी, उस वार्ड के वार्ड पार्षद भी मौजूद रहते थे। चेयरमैन प्रतिनिध सुमित गुप्ता वार्ड पार्षदों से विचार-विमर्श कर नापी कराते रहे। बरसात से पहले नापी का काम शुरू होने से नगरवासियों में खुशी है, लेकिन कुछ लोगों को यह भी कहते सुना गया कि नापी तो हो रहा है, काम शुरू होगा तब न जानेंगे।

डुमरांव रेलवे स्टेशन पर पानी की समस्या बनी गंभीर

भीषण गर्मी एक चापाकल के भरोसे प्यास बुझाते हैं रेलयात्री

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय डुमरांव रेलवे स्टेशन पर पानी की समस्या गंभीर बन गयी है। भीषण गर्मी और तपिश में पानी के लिए यात्री प्लेटफॉर्म पर भटकने को मजबूर है। आठ सौ मीटर लंबे प्लेटफॉर्म पर मात्र दो चापाकल लगाये गये है, जिसमे एक चापाकल विगत कई महीनों से पानी देना बंद कर दिया है। मात्र एक चापाकल के सहारे हजारों यात्रियों को प्यास बुझाने के लिए मशक्कत करनी पड़ती है। ट्रेन के आते ही पानी को लेकर चापाकल पर अफरा-तफरी मच जाती है। वहीं टंकी का सप्लाई पानी तीखी धूप के कारण गर्म हो जाता है।

बताया जाता है कि रेल विभाग द्वारा बोरिंग सहित पानी टंकी की व्यवस्था की गयी है। यात्रियों को पानी की सुविधा देने के लिए रेलवे प्लेटफॉर्म पर नल भी लगाये गये है लेकिन इन नलों से कहीं टोटी गायब है तो कहीं पानी टपकना बंद है। ऐसे में यात्रियों को पानी खरीदकर पीने की मजबूरी बन गयी है। स्थानीय स्टेशन पर पानी की समस्या यात्रियों के साथ रेलकर्मी भी झेल रहे है। उन्हें खाना बनाने से लेकर हर काम करने के लिए पानी की जरूरत पड़ती है। जानकारों की माने तो पानी की समस्या को लेकर कई संस्थाओं ने रेल विभाग को अवगत कराया लेकिन विभाग केवल आश्वासनों का घूंट पिलाता रहा। डुमरांव रेलवे स्टेशन कमाऊ स्टेशन के रूप में जाना जाता है लेकिन यहां यात्रियों की सुविधाएं नदारद है। रेल यात्री महेश कुमार, दशरथ प्रसाद, छोटू, अमरेंद्र, सुनीता, आदि ने बताया कि स्टेशन पर पानी की किल्लत होने से काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। पानी की खरीदारी कर प्यास बुझानी पड़ती है। पानी लेने अगर स्टेशन से बाहर गये तो ट्रेन छूटने का भय बना रहता है। स्थानीय स्टेशन प्रबंधक ने बताया कि पानी की समस्या को लेकर विभागीय पत्राचार किया गया है।

- स्टेशन पर लगे नलों से कहीं टोटी गायब है तो कहीं पानी टपकना बंद

बकरीदे पर्व को लेकर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की हुई तैनाती

केसठ। केसठ प्रखंड समेत ग्रामीण क्षेत्रों में बकरीद का पर्व शांति पूर्ण तरीके मनाने को लेकर मजिस्ट्रेट व पुलिस बल की तैनाती की गई है। वही नावानगर थानाध्यक्ष डॉ नंदू कुमार ने लोगों से शांतिपूर्ण एवं सौहार्द पूर्ण वातावरण में बकरीदे का पर्व मनाने को लेकर अपील की है। उन्होंने कहा कि बकरीद का पर्व आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं किसी प्रकार की कोई अशांति तनाव व अनहोनी न हो इसको लेकर सतर्क रहने को कहा गया है। बकरीद के दौरान सोशल मीडिया पर भी अफवाहों को लेकर विशेष नजर रखी जाएगी। शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर केसठ बाजार मस्जिद में केसठ के कनीय अभियंता मनरेगा विनोद कुमार व सोनवर्षा ओपी के सहायक अवर निरीक्षक योगेंद्र सिंह , किरनी गांव में नावानगर के राजस्व कर्मचारी रवि शंकर शर्मा व नावानगर थाना के एएसआई विजय कुमार ठाकुर तथा रामपुर गांव में केसठ के राजस्व कर्मचारी अमित कुमार व सोनवर्षा ओपी के सहायक अवर निरीक्षक अजीत नारायण सिंह को लगाया गया है। वहीं पर्याप्त मात्रा में पुरुष और महिला पुलिस बल की तैनाती भी की गई है।

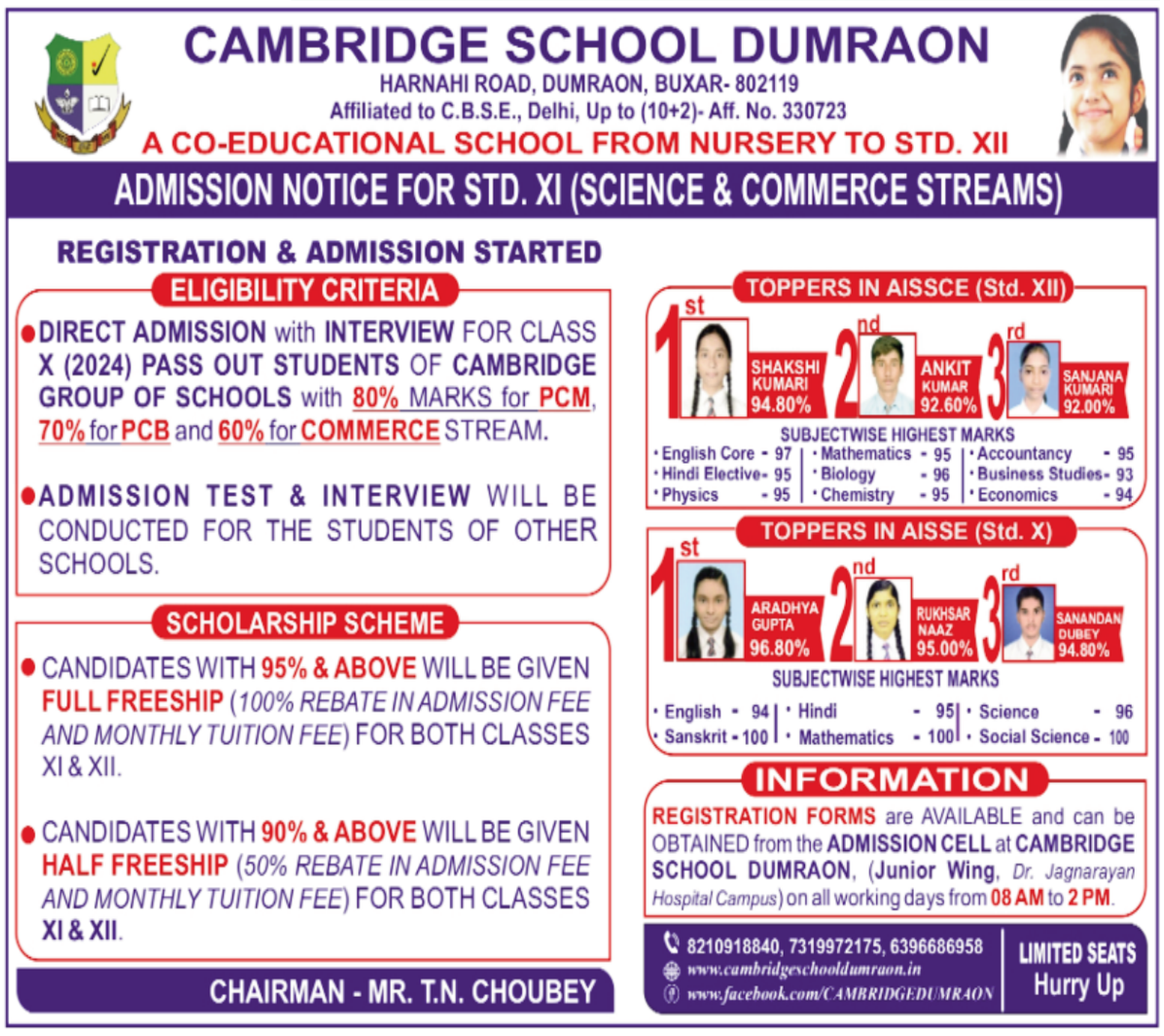

मेहंदी का रंग छूटने से पहले उजड़ गया रानी का सुहाग....

केटी न्यूज/आरा

शाहपुर प्रखंड के बहोरनपुर ओपी क्षेत्र में स्थित शिवपुर घाट पर रविवार को चार लड़के गंगा की तेज धार में बह गए। गंगा दशहरा के मौके पर नहाने और सेल्फी लेने के चक्कर में चारों गंगा में डूब गये। देर शाम तक किसी का शव बरामद नहीं किया जा सका था। एसडीओ और एसडीपीओ के नेतृत्व में एनडीआरएफ की टीम शव की खोज में गंगा में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है। डूबने वालों में बिहिया थाना क्षेत्र के बारा खरौनी गांव के चार युवक रामाशंकर यादव का 20 वर्षीय पुत्र दीपू यादव, विदेशी यादव का 20 वर्षीय पुत्र सोनु यादव, जवाहर गोड़ का 18 वर्षीय पुत्र राम जी गोड़, संजय शर्मा का 13 वर्षीय भगीना रिषु शर्मा शामिल हैं। हादसे के बाद चारों लड़कों के घरों में रोना-धोना और कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सबसे खराब हाल बारा खरौनी गांव निवासी रामाशंकर यादव के पुत्र दीपु कुमार की पत्नी रानी का है। शादी के महज डेढ़ माह बाद ही उसका सुहाग उजड़ गया। उसके हाथों की मेंहदी का रंग भी नहीं छुटा होगा और वह विधवा हो गई। पति के वियोग वह बेहाल है। बताया जा रहा है कि बिहिया के बारा खरौनी गांव निवासी रामाशंकर यादव के द्वितीय पुत्र दीपु कुमार का शादी 25 अप्रैल 2024 को शाहपुर थाना क्षेत्र के सुहिया निवासी उधारी यादव की पुत्री रानी कुमारी के पूरा धूमधाम के साथ शादी हुआ था। इसी बीच पति 16 जून को शाहपुर प्रखंड के शिवपुर घाट पर गंगा दशहरा पर स्नान करने के दौरान डुबने से मौत हो गयी। घटना के बाद लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

पति का प्यार नही समझी रानी

बताया जा रहा है कि नवविवाहित रानी कुमारी शादी करने के बाद अपने ससुराल में पैर रखी थी। अभी पति से नही मिला प्यार और नही सही ढंग से बात भी समझी कि घर में सदस्य कौन है। तथा डेढ़ माह बाद ही डुबने से मौत हो गया। खबर मिलते ही रानी का पहाड़ टूट पड़ा और रोते रोते बेहोश हो जा रही थी। रानी के चित्कार से गांव में कोहराम मच जा रहा था तथा लोगों को आंसू रूकने का नाम नहीं ले रहा था।

मां का इकलौता पुत्र था निशु शर्मा, पति के बाद बेटा भी खोया

बिहिया थाना क्षेत्र के बारा खरौनी निवासी संजय शर्मा के भगीना रिशू शर्मा मां अपनी का इकलौता बेटा था। पिता के मौत के बाद अपने मां के साथ मामा घर ही रहता था। बताया जा रहा है कि रिशू शर्मा अपने मां सुनीता कुंवर के साथ ही बारा खरौनी मामा संजय शर्मा के यहां रहता था। और पढ़ाई करता था। शिवपुर घाट पर स्नान करने के दौरान मौत हो गया। उसके पिता का कुछ वर्षों पहले मौत हो गया था।

एक नजर

आरा में लू लगने से महिला व पुरुष की मौत

आरा। सदर अस्पताल परिसर के न्यू इमरजेंसी वार्ड में शनिवार की शाम वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। लू लगने के कारण मौत होने की आशंका जताई जा रही है। नगर थाने की पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जा रहा है कि महिला को कुछ लोगों द्वारा शनिवार की दोपहर सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में बेहोशी की हालत में लाया गया था। उसके बाद इमरजेंसी वार्ड में मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा था। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उसके बाद अस्पताल प्रशासन द्वारा टाउन थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के अनुसार लू-लगने के कारण महिला का मौत होना प्रतीत हो रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। वहीं दूसरी ओर आरा-बड़हरा मुख्य मार्ग पर नगर थाना क्षेत्र के चंद्रलोक मार्केट के सामने सड़क किनारे से 35 वर्षीय एक युवक का शव बरामद हुआ है। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। उसकी पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन उसके दाहिने हाथ पर जेल का निशान पाया गया है। लू लगने से उसकी मौत होने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने पर टाउन थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। पुलिस के अनुसार युवक की मौत अत्यधिक धूप होने और लू-लगने से होना प्रतीत हो रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा।

पानी निकासी नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश

काराकाट। काराकाट प्रखंड क्षेत्र के मोथा पंचायत के संसार डिहरी गांव में आहार के भूखंड के अतिक्रमण से लोगों के समक्ष पानी के निकासी की समस्या उत्पन्न हो गई है। कुछ दबंग लोगों ने आहर के भूखंड को भरकर के अपना घर बनाकर लिए है। जिस कारण से पूरे गांव का पानी निकासी बाधित है। जिस कारण से मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। लोग रोगों से ग्रसित हो रहे हैं। नालियों के संड़ाध से गांव में हैजा और कलर की प्रभाव बढ़ सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि इसकी सूचना समय-समय पर अधिकारियों को दिया गया। लेकिन अधिकारी भी कोई कार्रवाई नहीं किया। आने वाले बरसात के मौसम को देख करके ग्रामीणों ने आवेदन काराकाट अंचलाधिकारी को दिया है। आवेदन में कहा गया है की आहार को अतिक्रमण मुक्त कराई जाए। संसार डिहरी गांव में खाता नंबर 95 प्लॉट नंबर में गांव का नाली का पानी बहुत पुराने समय से जा रहा था पूर्व में जल जीवन हरियाली योजना के तहत उसका उड़ाही भी हुआ था। लेकिन कुछ लोग उसके मिट्टी से भरते जा रहे हैं। जिस कारण से गांव का नाली का पानी उसमें नहीं जा पा रहा है। पाली नहीं निकलने के कारण सैकड़ों घर प्रभावित है। ग्रामीण अंचलाधिकारी से जल जीवन हरियाली के तहत आहार को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग किया है। ताकि पूरे गांव को संक्रमण से बचाया जा सके। इस बाबत अंचलाधिकारी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मामले के जांच कर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। आहार को अतिक्रमा मुक्त कराया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि अगर बरसात के मौसम से पहले अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया। ग्रामीण न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को विवश होंगे।

अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलटा पिकअप, कई घायल

जहानाबाद। पटना गया राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 83 के टेहटा बाईपास के समीप अनियंत्रित होकर गड्ढे में एक पिकअप वाहन पलट गया। जिसमें कई लोग घायल हो गए। घायलों में मखदुमपुर थाना क्षेत्र के नसरतपुर गांव निवासी कमी देवी, प्रतिमा देवी, देवकली देवी, आदित्य कुमार, कंचन देवी, बेनी देवी, समेत कई लोग शामिल हैं। जानकारी के अनुसार नसरतपुर गांव से गंगा स्नान करने को लेकर एक पिकअप वाहन में दो दर्जन से अधिक लोग गए थे। जो गंगा स्नान करके पुनः घर वापस लौट रहे थे वही टेहटा बाईपास के समीप चालक अनियंत्रित होकर गड्ढे में वाहन को पलटी मार दिया एवं खुद वाहन छोड़कर फरार हो गया, घटना से सूचना पर पहुची टेहटा थाना की पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल मखदुमपुर लाया । जहा चिकित्सकों में प्राथमिक उपचार किया है। घायलों ने बताया कि चालक के लापरवाही के कारण यह घटना हुई है। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई हैं।

शराब कांड का प्राथमिकी अभियुक्त गिरफ्तार

नासरीगंज। नासरीगंज अंचल निरीक्षक कुणाल कृष्णा के साथ कछवां पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर फरार चल रहे कछवां थाना कांड संख्या 55/24 के आलोक में सुसंगत धारा 30(ए) के प्राथमिकी अभियुक्त थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर निवासी सोनू कुमार को गिरफ्तार कर लिया । इसकी जानकारी कछवां थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने दी ।

खबरें फटाफट

घायल अज्ञात व्यक्ति को अस्पताल भेजा गया

बिक्रमगंज। सड़क किनारे अचेत अवस्था में घायल पड़े एक व्यक्ति को बिक्रमगंज पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। घायल व्यक्ति की पहचान के लिए पुलिस की कोशिश जारी है। बिक्रमगंज थाना के पुलिस ने बिक्रमगंज अस्पताल में भर्ती कराया था । जहां अज्ञात व्यक्ति की स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने उसे सदर अस्पताल सासाराम में रेफर किया है। सदर अस्पताल सासाराम के स्वास्थ्यकर्मी प्रमोद तिवारी ने बताया कि अज्ञात घायल अचेत व्यक्ति को बिक्रमगंज पुलिस ने सदर अस्पताल सासाराम में इलाज हेतु लाया गया है। जिसका इलाज जारी है।

बकरीद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

काराकाट। रविवार को कछवां थाना परिसर में थानाध्यक्ष की अध्यक्षता में बकरीद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने की । उन्होंने कहा कि बकरीद पर्व में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी व्यक्तियों की सहभागिता काफी महत्वपूर्ण है । क्षेत्र में कहीं से किसी प्रकार की कोई हिंसक व अप्रिय घटना न हो इसके लिए सभी लोगों के सहयोग की जरूरत है । मौके पर थाना के वरीय पुलिस अधिकारी व जनप्रतिनिधि लोग मौजूद थे।

पीरो थाना क्षेत्र के केशवा मोड़ के पास रविवार की सुबह हुआ हादसा, रोहतास के बिक्रमगंज प्रखंड में थे पदस्थापित

रिश्तेदार के घर जा रहे बाइक सवार शिक्षक की सड़क दुर्घटना में मौत

- किसी अज्ञात वाहन ने बाइक सवार शिक्षक को रौंद डाला
- इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में तोड़ा दम

केटी न्यूज/आरा

बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर पीरो थाना क्षेत्र के केशवा मोड़ के समीप रविवार की सुबह सड़क हादसे में एक शिक्षक की मौत हो गई। रिश्तेदार के घर जाने के दौरान किसी अज्ञात वाहन ने बाइक सवार शिक्षक को ठोकर मार दी। उसमें गंभीर रूप से जख्मी शिक्षक ने इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। मृत शिक्षक पीरो के वार्ड नंबर 5 निवासी स्व. बैजनाथ सिंह के 46 वर्षीय पुत्र राजू प्रसाद थे। वह रोहतास के बिक्रमगंज प्रखंड के कस्तर महादेव स्कूल में शिक्षक थे। उनके भाई उमा शंकर प्रसाद ने बताया कि रविवार की सुबह वह बाइक से अपने साढू के घर बिहिया जा रहे थे। उसी दौरान केशवा मोड़ के समीप किसी वाहन ने उन्हें ठोकर मार दी। उससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उसके बाद पीरो थाना पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए उन्हें पीरो अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि सदर अस्पताल पहुंचने पर डाक्टरों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस नगर थाने की पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इधर, शिक्षक की मौत से उनके घर में कोहराम और रोना-धोना मचा है।बताया जा रहा है कि शिक्षक अपने तीन भाई और चार बहनों में छोटे थे। उनके परिवार में पत्नी चंदा देवी, पुत्री खुशी कुमारी, कोमल कुमारी, कली कुमारी और पुत्र नंद गोपाल है। पत्नी और बच्चों सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आम तोड़ने के दौरान पेड़ से गिरकर बच्चे की मौत

आरा। बक्सर जिले के नावानगर थाना क्षेत्र के परमानपुर पड़रिया गांव में रविवार की सुबह पेड़ से गिरकर एक बच्चे की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतक परमानपुर पड़रिया गांव निवासी अटल बिहारी राम के 11 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार था। बताया जा है कि रविवार की सुबह वह गांव स्थित बागीचे में पेड़ पर चढ़ कर आम तोड़ने का प्रयास कर रहा था। उसी दौरान वह असंतुलित होकर पेड़ से नीचे गिर पड़ा और गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसके बाद परिजनों द्वारा उसे इलाज के लिए पहले बक्सर के निजी अस्पताल और उसके बाद आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां डाक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि विशाल कुमार अपने तीन भाई में छोटा था। उसके परिवार में मां उषा देवी और दो भाई हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

आरा। बिहिया रेलवे स्टेशन के समीप रविवार की दोपहर ट्रेन की चपेट में आने से खरीदारी करने जा रही एक महिला की मौत हो गई। मृत महिला की पहचान जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मथुरापुर गांव निवासी जनेश्वर यादव की 38 वर्षीया पत्नी धनरावती देवी थी। वह बेटी के गवना के लिए खरीदारी करने निकली थी। घटना को लेकर काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। पहले महिला की पहचान नहीं पा रही थी कि वह कहां की रहने वाली है। काफी मशक्कत में बाद महिला की पहचान हो पायी। सूचना मिलने पर रेल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। महिला की बहन के बेटे धर्मराज कुमार ने बताया कि 27 जून को उसकी मौसेरी बहन पिंकी का गवना है। उसे लेकर उसकी मौसी खरीदारी करने अपने छोटे बेटे रंजीत उर्फ लव के साथ बिहिया बाजार गई थी। खरीदारी करने के बाद वह बिहिया स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक पार कर रही थी। उसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला को दो पुत्र मिथलेश रंजीत उर्फ लव और एक बेटी पिंकी देवी है। घटना के बाद उनके घर में कोहराम मच गया है। बेटी की डोली निकलने से पहले उसकी मां की अर्थी उठ गयी। इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

मार्बल सहित दो दुकानों पर सरेशाम बदमाशों ने की फायरिंग, दहशत

- शहर से उदवंतनगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल की रविवार शाम की वारदात
- बाइक सवार तीन अपराध कर्मियों पर फायरिंग का आरोप, गोलीबारी के बाद तेतरियां ओर की भागने की चर्चा
- अपराधियों की पहचान और धरपकड़ के लिए पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज

केटी न्यूज / आरा

शहर से सटे उदवंतनगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल के समीप रविवार की शाम अपराध कर्मियो द्वारा मार्बल दुकान और मार्ट पर फायरिंग की गयी। बाइक सवार अपराधियों की ओर से करीब आधा दर्जन राउंड फायरिंग करने की बात सामने आ रही है। फायरिंग की इस वारदात में किसी के जख्मी होने की सूचना नहीं है। हालांकि मार्बल दुकान के शीशे टूट गये हैं। तीन की संख्या में रहे अपराध कर्मियों पर गोलीबारी करने का आरोप लगाया गया है। वारदात के बाद तीनों अपराध कर्मियों के तेतरियां की ओर भागने की चर्चा है। हालांकि गोलीबारी करने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है।

वैसे दहशत फैलाने के उद्देश्य से गोलीबारी करने की बात कही जा रही है। इधर, फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी मच गयी। सूचना मिले प थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव पुलिस बल के साथ पहुंचे और अपने स्तर से छानबीन की। उस क्रम में पुलिस को घटनास्थल से कुछ खोखे भी मिले हैं। हर्ष मार्बल के संचालक ने बताया कि रोजना के तरह सभी दुकान पर अपने स्टाफ के साथ बैठ थे। तभी बाइक सवार तीन बदमाश पहुंच। उसके बाद गमछे से मुंह बांधे दो युवक दुकान में अंदर घुसे और अंधाधुंध तीन राउंड फायरिंग कर चलते बने। उससे दुकान में लगे कांच कई जगह टूटे गए। हालांकि स्टाफ फायरिंग में बाल-बाल बच गये। पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गयी है। उसके बाद अपराध कर्मी फायरिंग कर तेतरिया की तरफ भाग निकले। इधर, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेतरिया की तरफ से बाइक पर सवार होकर हथियार से लैस तीन अपराधी आए और पहले एक मार्ट पर फायरिंग की। उसके बाद मार्बल दुकान में गोलीबारी की गयी। इस मामले हर्ष मार्बल के संचालक द्वारा अज्ञात लोग के खिलाफ प्राथमिकी के लिए थाने में आवेदन दिया गया है। पुलिस मामले की छानबीन और अपराध कर्मियों की धरपकड़ में जुटी है। उसके लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। बता दें पिछले साल भी जीरो माइल स्थित एक टाइल्स दुकान पर अपराधियों की ओर से फायरिंग की गयी थी।

पुलिस ने तीन वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दिनारा। दिनारा एवं नटवार पुलिस ने अलग-अलग गांवों से गुप्त सूचना के आधार पर तीन वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के भैंसड़ा निवासी भरथ पासवान एवं रामकेश्वर पासवान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार दोनों वारंटी के विरुद्ध बिक्रमगंज न्यायालय से वारंट निर्गत था । तो वहीं दूसरी ओर नटवार पुलिस ने नटवार खुर्द निवासी सुनील चौबे को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया । थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी के विरुद्ध बिक्रमगंज न्यायालय से कुर्की वारंट निर्गत था। गिरफ्तार तीनों वारंटी जेल भेज दिया गया है।

गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार जेल भेज दिया । इसकी जानकारी देते हुए बिक्रमगंज थाना के अपर थानाध्यक्ष दीपक कुमार साह ने बताया कि शहर के डिहरी-नासरीगंज मुख्य मार्ग पर बिजली ऑफिस के समीप से भोजपुर जिला अंतर्गत तरारी थाना क्षेत्र के साकिम किसाईडीह निवासी अरविंद कुमार को 3 किलो 140 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्कर अपने बैग में गांजा को छुपाकर रखा था । अपर थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।

77 पीस देशी शराब साथ एक गिरफ्तार

दिनारा। उत्पाद विभाग की पुलिस ने अनुमंडल अंतर्गत दिनारा थाना क्षेत्र के नौवां एवं देदहां गांव में बिक्रमगंज अनुमंडल उत्पाद निरीक्षक के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया गया। उत्पाद निरीक्षक भिखारी कुमार ने बताया कि दिनारा थाना क्षेत्र के नौवां निवासी मंटू कुमार को दो-दो सौ एमएल के दो पीस ब्लू लाइन कंपनी का मसालेदार शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। तो वहीं दूसरी ओर देदहां गांव से 75 पीस मसालेदार शराब बरामद किया गया। वहीं पुलिस को देख एक तस्कर भाग भाग निकला।

अखंड ज्योति और युग निर्माण योजना पत्रिका की निश्चित रूप से स्वाध्याय करने का आह्वान हुआ

धूमधाम से मना गायत्री जयंती सह गंगा अवतरण समारोह दिवस

केटी न्यूज/संझौली

संझौली में रविवार की गायत्री जयंती सह गंगा अवतरण दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम से गायत्री शक्तिपीठ अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ परिजन राकेश शर्मा तथा संचालन श्रीमती पुष्पा पटेल ने की। कार्यक्रम की शुरूआत हवन यज्ञ व दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवीन चंद्र शाह ने गायत्री जयंती पर प्रकाश डालते हुए गायत्री परिवार के संस्थापक श्री राम शर्मा के अनेक उदाहरण प्रस्तुत की। अखंड ज्योति और युग निर्माण योजना पत्रिका की निश्चित रूप से स्वाध्याय करने का आवाहन किया। पिता दिवस की शुभ अवसर पर भारतीय संस्कृति की अनेक झलक प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम के शुभ अवसर पर सर्वश्री मदन मोहन वर्मा, उमेश कुमार, अयोध्या प्रसाद सिंह,सरोज गुप्ता, कौशल्या देवी, वैजयंती देवी,धर्मशिला देवी, प्रियंका, दिव्या पटेल, अंजली देवी,काजल कुमार, संतोषी देवी,राज कुमारी आदि ने बड़े ही श्रद्धा पूर्वक जय घोष लगाएं। 2024 योग दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम का समापन आरती प्रार्थना के साथ संपन्न हुआ।

नोखा में गायत्री जयंती पर हुआ हवन पूजन

नोखा। पटेल नगर स्थित शिव मंदिर परिसर में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा गायत्री जयंती पर हवन पूजन किया गया। रविवार को शांतिकुंज हरिद्वार तत्वधान में युवा इकाई नोखा मैत्रीय महिला मंडल द्वारा देव पूजन एवं हवन-यज्ञ किया गया। इस मौके पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक युग पुरुष,चिंतक,तत्वदर्शी, ज्ञानी, मनीषी, युग परिवर्तन के महानायक परम पूज्य पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के महाप्रयाण दिवस एवं गायत्री जयंती,गंगा दशहरा के पावन पुनीत अवसर पर देव पूजन एवं हवन-यज्ञ किया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद सुनीता गुप्ता,आशीष,शंकर पटेल, विजय, अभिषेक, आयांश शेखर, प्रो.श्याम लाल सिंह, मनीषा,निशा, अंजली, रानी, छोटी, कंचन, रुपा, अन्तरा, हिमांशु, प्रिया,सीता,लक्ष्मी, निक्की, जूही, आयुषी,छोटी, सुभद्रा, आशा, रेखा ने इस पावन यज्ञ में आहुतियां दी।

बलिया के शिवपुर घाट पर हादसा... गंगा में नहाने गई किशोरी की डूबने से मौत

- गंगा दशहरा पर मां और बहन के साथ स्नान करने गई थी किशोरी, मचा कोहराम
- नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने के कारण हुआ हादसा

केटी न्यूज / बलिया

गंगा दशहरा के अवसर पर यूपी के बलिया जिले के दोकटी थाना क्षेत्र के शिवपुर घाट पर एक 16 वर्षीय किशोरी स्नान करते वक्त डूब गई। जिसके बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। उधर, बिहार साइड में भी चार युवक गंगा नदी में नहाते समय डूब गए। सूचना पर पहुँची पुलिस ने छानबीन शुरू कर दिया।

आपको बता दे कि गंगा दशहरा के दिन रविवार की सुबह दोकटी थाना क्षेत्र के गोपालपुर लालगंज निवासी अंशु यादव की 16 वर्षीय पुत्री फिरंगी यादव अपनी मां और बहन के साथ गंगा स्नान करने शिवपुर घाट गई

हुई थी। जहां वह स्नान करते वक्त गहरे पानी में चली गई। जिससे वह डूब गई।

उधर गंगा उस पार बिहार साइड में बिहिया थाना क्षेत्र के बारा खरौनी गांव के चार युवक स्नान करते वक्त डूब गए। बताया जा रहा है कि रामजी 18 वर्ष पुत्र जवाहर, सोनू यादव 20 वर्ष पुत्र विदेशी यादव, रिशु शर्मा 19 वर्ष पुत्र संजय शर्मा, दीपू 17 वर्ष पुत्र रमाशंकर सेल्फी खींचने के चक्कर में गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना के बाद यूपी और बिहार के साइड में अफरा-तफरी का माहौल घाट पर उत्पन्न हो गया। यूपी-बिहार की पुलिस अपने-अपने साइड में छानबीन में जुटी हुई है।

खबरें फटाफट

पुलिस ने दो वांछितों को किया गिरफ्तार

गाजीपुर। सैदपुर कोतवाली क्षेत्र के सेहमलपुर गांव के पास पुलिस टीम ने देर शाम दो वांछितों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद दोनों को संबंधित धाराओं में चालान कर दिया। बता दें कि अपराध पर अंकुश एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत उपनिरीक्षक कृपाशंकर सिंह के नेतृत्व में पुलिस भ्रमण कर रही थी। पुलिस ने धर्म परिवर्तन के मामले में वांछित नन्दलाल राजभर निवासी सेहमलपुर और पॉल निवासी मलाड जिला थाणे महाराष्ट्र को सेहमलपुर से गिरफ्तार कर लिया। साथ ही नौ धार्मिक पुस्तक और चार डायरी बरामद कर लिया।

दबंगों ने बुजुर्ग को बेहरमी से पीटा

गाजीपुर। भूडकुड़ा कोतवाली अंतर्गत कृतसिंहपुर गांव में बुजुर्ग व्यक्ति रामसरेख -45 की पुरानी दीवार को दबंगों ने तोड़ दिया। जब बुजुर्ग ने विरोध किया तो बुजुर्ग को राड से मार कर घायल कर दिया। लहूलुहान स्थिति में बुजुर्ग ने दो लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। पुलिस ने जखनियां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज के लिए भेजा, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया। कोतवाल तारावती ने कहा कि इस मामले में तहरीर मिली है, जांच चल रही है। बहुत जल्द कार्रवाई की जाएगी।

दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

बलिया। गड़वार थानाध्यक्ष मूलचंद्र चौरसिया ने रविवार की दोपहर बताया कि जिगनी खास गांव में बिजली का खंभा गाड़ने को लेकर हुई मारपीट के मामले में दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों का नाम नवीन सिंह व प्रवीण सिंह है, दोनो जिगनी खास के रहने वाले हैं। पीड़ित महिला बूच्ची देवी के अनुसार बिजली का खंभा गाड़ने को लेकर नवीन सिंह व प्रवीण सिंह मुझे तथा मेरे पुत्र को मारेपीटे।

चार के खिलाफ छेड़खानी का मुकदमा दर्ज

बलिया। फेफना थानाध्यक्ष गजानंद चौबे ने रविवार की दोपहर बताया कि महिला के साथ मारपीट व छेड़खानी के मामले में चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों का नाम मैनेजर सिंह, संदीप कुमार सिंह, सपना सिंह, चंदु सिंह है। पीड़िता के अनुसार आम के पेड़ व उसके फल को लेकर मैनेजर सिंह, संदीप कुमार सिंह, सपना सिंह, चंदु सिंह महिला को मारेपीटने के साथ छेड़खानी की।

बड़ी संख्या में लोगों ने मां गंगा व भगवान सूर्यदेव का किया पूजन-अर्चन

गंगा दशहरा पर हजारों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगा सुख शांति की कामना की

- मान्यता... गंगा दशहरा को मां गंगा का धरती पर हुआ था आगमन
- भगीरथ के पुरखों का मां गंगा ने किया था उद्धार

केटी न्यूज/बलिया

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा के अवसर पर गंगा तट पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। रविवार को भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जनपद के श्रीरामपुर, महाबीर घाट, भरौली, उजियार घाट, पचरूखिया, हुकुम छपरा, रामगढ, दुबेछपरा व गोपालपुर घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद गंगा मैया का पूजन-अर्चन तथा भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर ब्राह्मणों को दान पुण्य किया। वही हर-हर गंगे, जय मां गंगे के जयघोष भी लगाए। मान्यता है कि राजा सागर के पुत्रों का उद्धार करने के लिए राजा भागीरथ हजारों साल तपस्या करके गंगा को स्वर्ग लोक से आज ही के दिन धरती पर लाए थे। भागीरथ के प्रयास से गंगा शिव की जटाओं से होती हुई आज ही के दिन धरती पर आई और भगीरथ के पुरखों का उद्धार किया था। सनातन धर्म में गंगा दशहरा का काफी महत्व है। गंगा दशहरा यानी मां गंगा के स्वर्ग से धरती पर आने का दिन है। मां गंगा की पूजा करने से लोगों पर उनकी असीम कृपा होती है एवं मनुष्य को सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है।

पचास हजार लोगों ने लगाई आस्था के डुबकी

गाजीपुर। जीवनदायनी मां गंगा के स्वर्ग से पृथ्वी पर आने एवं उनके जन्मोत्सव के रूप में मनाए जाने वाले गंगा दशहरा पर रविवार को 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने जिला मुख्यालय अंतर्गत विभिन्न घाटों पर गंगा में डुबकी लगाई। इस दौरान घाट की साफ-सफाई के साथ ही सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए थे। जनपद के गंगा घाटों पर भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। गंगा स्नान करके लोगों ने दान-पुण्य किया। जनपद के जमानिया, मुहम्मदाबाद, वीरपुर, सैदपुर, गहमर आदि स्थानों पर स्नानार्थियों की भीड़ उमड़ी। इसी तरह नगर के वीतनाथ और ददरीघाट पर काफी ज्यादा भीड़ देखने को मिली। भोर से ही लोग नदी तट की तरफ जाना शुरू कर दिए थे और यह सिलसिला पूर्वाह्न 11 बजे तक चलता रहा। श्रद्धालुओं में सबसे अधिक संख्या महिलाओं और युवतियों की देखी गई। गंगा तट हर-हर गंगे के उद्घोष से गूंज उठा। लोगों ने अपनी क्षमता अनुसार दान-पुण्य किया। हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है। कहा जाता है कि गंगा स्नान से 10 तरह के पापों से मुक्ति मिलती है। साथ ही मोक्ष की प्राप्ति होती है। जीवन में सुख, शांति का आगमन होता है। मान्यता है कि ज्येष्ठ शुक्ल दशमी के दिन हस्त नक्षत्र में मां गंगा स्वर्ग से धरती पर आई थीं। गंगा दशहरा पर दान और स्नान का अधिक महत्व है। इसको जेठ दशहरा भी कहा जाता है। गंगाजल के स्पर्श से स्वर्ग की प्राप्ति होती है। विशेष बात यह है कि इस बार के गंगा दशहरा पर रवि, सर्वार्थ और अमृत योग बन रहा है। ऐसे में इस बार का गंगा दशहरा खास रहा।

श्रद्धालुओं ने पश्चिम वाहिनीं तट पर किया स्नान-दान

चंदौली। बलुआ स्थित पश्चिम वाहिनी गंगा तट पर रविवार को गंगा दशहरा के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने रविवार को आस्था की डुबकी लगायी। स्नान के पश्चात भिक्षुओं को दान दिया। स्नान दान का सिलसिला भोर से ही चालू रहा। महात्म्य की दृष्टि से गंगा दशहरा का बहुत बड़ा महत्व है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस, गंगा सेवा समिति के लोग व गोताखोर लगे रहे। पुराणों के अनुसार गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व होता है। गंगा दशहरा के दिन सभी मंदिरों में लोग पूजन अर्चन किये । वहीं मोक्षदायिनी मां गंगा का पूजन अर्चन किया। गंगा दशहरा के दिन दान पुण्य का विशेष महत्व है । गंगा स्नान, पूजन अर्चन के बाद भिक्षुओं को दान पुण्य करते हैं । गंगा दशहरा का स्नान व ब्रत भगवान बिष्णु को खुश करने के लिए भी किया जाता है। इन्ही परम्पराओं का निर्वहन करते हुए हजारो श्रद्धालुओं ने बलुआ स्थित गंगा तट पर स्नान दान किया। भीड़ को देखते हुए पुलिस घाट पर व नाव से चक्रमण कर रस्सा के अंदर स्नान करने का हिदायत देते रहे। इसके अलावा गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष दीपक जायसवाल के नेतृत्व में वैलेंटियर व मार्कण्डेय माझी के नेतृत्व में गोताखोर लगे रहे। प्रशासन की मुस्तैदी के कारण किसी भी तरह की घटना नहीं हुई। समापन के बाद प्रशासन ने भी राहत की सांस ली।

रतनपुरा के पशु अस्पताल में डॉक्टर की नियुक्ति नहीं होने से पशु पालक परेशान

केटी न्यूज / मऊ

जनपद के रतनपुरा विकासखंड में एक पशु चिकित्सालय एवं तीन उपकेंद्र वर्षों से चिकित्सक विहीन चल रहे हैं। चिकित्सक विहीन चल रहे चिकित्सालयो से पशुपालकों में रोष एवं आक्रोश व्याप्त है। लोगो का कहना है कि इस संबंध में अनेकों बार शासन एवं प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया गया ,परंतु विभाग अब तक कान में तेल डाले सो रहा है। विभाग के इस लापरवाही पूर्ण कार्यप्रणाली से पशुपालक खासे परेशान हाल हैं ।रतनपुरा में विकासखंड मुख्यालय पर जो पशु चिकित्सालय है, लगभग एक वर्ष से कोई भी पशु चिकित्सक तैनात नहीं है ।सहायकों द्वारा ही एन केंन प्रकारेण कार्य संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा तीन उपकेंद्र जो ग्राम पंचायत देवदह, गहनी एवं जमीन सहरुल्ला में स्थित है। इन तीनों उप केंद्रों पर तो लगभग 3 वर्ष से कोई पशु चिकित्सक तैनात नहीं है। परंतु विभाग पूरी तरह गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाए हुए पशुपालकों की मूल समस्या से बेखबर है। रतनपुरा विकासखंड में गाय एवं भैंस के अलावा भेड़ ,बकरी पालन भी कई गांव में बड़े पैमाने पर होता है। परंतु पशुपालकों को परामर्श एवं दवा के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। पशु चिकित्सक के अभाव में पशुपालक एन केन प्रकारेण अपना कार्य चला रहे हैं, और ऐसे समय में जबकि भीषण गर्मी पड़ रही है। तापमान 45 के पार जा रहा है। पशु भी गर्मी की वजह से खासे परेशान हाल बीमार हैं ।परंतु पशुपालक करें तो क्या करें जाएं तो जाएं कहां। क्योंकि पुरा विकासखंड ही पशु चिकित्सक विहीन है। ऐसे में पशुपालक राम ज्ञानी पाल , मुन्ना पाल, रामविलास राजभर, राम सकल यादव, श्रीराम यादव समेत बड़ी संख्या में पशुपालक शासन प्रशासन से जनहित में रतनपुरा विकासखंड में रतनपुरा पशु चिकित्सालय एवं तीनों केंद्रों गहनी, जमीनसहरूला एवं देवदह में अविलंब पशु चिकित्सक नियुक्त किए जाने की आवाज उठाई है। इस अहम एवं गंभीर समस्या पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के मौन से भी पशुपालक काफी क्षुब्ध है।

नीलामी के तीन माह बाद भी लाइसेंस व वसूली का आदेश नहीं हुआ जारी

केटी न्यूज / मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने खैराबाद बाजार की नीलामी के 3 माह के उपरांत भी लाइसेंस तथा वसूली के संबंध में आदेश जारी न करने पर ग्राम पंचायत अधिकारी राकेश कुमार को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर आज तहसील मोहम्मदाबाद गोहना में जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता खैरुल बशर पुत्र स्व. अनवर अहमद सा.खैराबाद तहसील व ब्लाक मोहम्मदाबाद निवासी ने जिलाधिकारी के समक्ष खैराबाद बाजार की नीलामी,जो 14 मार्च 2024 को हुई थी तथा उसके उपरांत प्रार्थी द्वारा अंतिम बोली 276500 रुपए की लगाई गई। परंतु अभी तक प्रार्थी को वसूली हेतु लाइसेंस तथा वसूली आदेश भी संबंधित ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा जारी नहीं कराया गया।जबकि प्रार्थी ने प्रथम किस्त के रूप में 16 मार्च 2024 को 69125 रूपए ग्राम पंचायत के खाते में भी जमा कराया था।

प्रार्थी द्वारा इस संबंध में खंड विकास अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी महोदय को भी डाक द्वारा लाइसेंस जारी करने तथा वसूली के आदेश जारी करने हेतु आवेदन किया गया था, परंतु इस संबंध में अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई थी। आज जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने मामले को गंभीर मानते हुए आज ही प्रार्थी को लाइसेंस एवं वसूली आदेश जारी करने के निर्देश दिए।साथ ही खैराबाद ग्राम पंचायत के ग्राम पंचायत अधिकारी को प्रविष्टि जारी करने के भी निर्देश दिए।

एक नजर

भूमि विवाद : दो पक्षों में खूनी संघर्ष, महिला-पुरुष समेत 18 घायल, चार गंभीर

गाजीपुर। जनपद के दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के जलालाबाद गांव में काफी दिनों से चल रहे जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे

और ईंट-पत्थर चले। जिसमें दोनों पक्षों से महिला पुरुष ने समेत 18 लोग घायल हुए। पिटाई से दोनों पक्ष कराह रहे थे और 112 पीआरवी पुलिस से लेकर थाना पुलिस को फोन किया गया, लेकिन एक भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। दोनों पक्ष लहूलुहान स्थिति में थाने पर जाकर एक दूसरे के खिलाफ नामजद तहरीर दिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों तरफ से मुकदमा लिखकर मेडिकल के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखनियां भेजा, जहां से चार की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मालूम हो कि मुखलाल राम और दरशुराम में नवीन परती और आबादी को लेकर काफी दिनों से विवाद था। दोनों पक्ष दर्जनों बार थाने पहुंचे गए तहसील पर भी गए, लेकिन अधिकारियों ने इनके मामले का निर्णय करने में असफल साबित हुए। दरशुराम-65, सुरेंद्र राम -45, जितेंद्र राम- 40, विनोद राम -35, हरकेश विमल- 38, रामकृत दोनों आँख से अंधा- 60, किरण -34, सावित्री -37 तथा दूसरे पक्ष के मुखलाल राम की तरफ से गुड़िया- 30, किस्मतिया देवी- 55, नागेंद्र -25, जयश्री राम -33, नरेंद्र कुमार -29, धीरेंद्र -32, विवेक- 35, मोनिका- 20 व सावित्री -30 घायल हुए हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह ने बताया कि जमीनी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। दोनों पक्षों से मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

विद्युत कर्मचारी को मारपीट कर किया घायल

बिल्थरारोड। उभांव थाना क्षेत्र के नहर कॉलोनी के पास शनिवार को शाम कुछ लोगों ने विद्युत कर्मचारी व उनके मित्र को मारपीट कर घायल कर दिया। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति के चलते चिकित्सक ने विद्युत कर्मी को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस मामले में पुलिस ने एक नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। मऊ जिले के बहरीपुर थाना मधुबन निवासी प्रशांत कुमार 28 वर्ष अवायां विद्युत उपकेंद्र पर एसएसओ पद पर तैनात हैं। शनिवार को वह अपराह्न नहर कॉलोनी स्थित आवास से अपने मित्र दिलीप यादव 23 वर्ष के साथ बाइक से बाजार जाने के लिए निकले। इस दौरान वहां पहले से मौजूद लोगों ने एसएसओ और उनके मित्र को मारपीट कर घायल कर दिया। सीएचसी से एसएसओ को गंभीर स्थिति के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक उभांव विपिन सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर एक नामजद व कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई।

मारपीट कर युवक को किया घायल

बिल्थरारोड। नगर के चरण सिंह तिराहे के पास शनिवार को कुछ लोगों ने एक युवक को मारपीट कर घायल कर दिया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने गंभीर स्थिति के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस मामले में पुलिस ने पांच नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। बताया जाता है कि उभांव थाना क्षेत्र के मझवलिया ग्राम निवासी आशीष सिंह 28 वर्ष चरण सिंह त्रिमुहानी के पास एक दुकान पर बैठे थे। इस दौरान करीब आधा दर्जन युवक दुकान के पास आए और आशीष को मारने पीटने लगे। इस बीच कुछ लोगों ने बीच-बचाव कर झगड़ा समाप्त कराया। घायल आशीष को सीएचसी में इलाज करने के बाद गंभीरावस्था के चलते रेफर कर दिया। उसका इलाज मऊ के निजी चिकित्सालय में चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक उभांव विपिन सिंह ने बताया कि इस मामले में घायल की माता की तहरीर पर पांच नामजद व तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना में निजी चिकित्सक घायल

पकड़ी। शनिवार को देर शाम स्कूटी से घर जा रहे एक निजी चिकित्सक को अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया। जिसके कारण वह बुरी तरह से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पकड़ी पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजवाया। जानकारी के मुताबिक नगर पंचायत रतसर निवास डॉ. झल्लन सिंह पूर गांव स्थित अपने निजी क्लिनिक से शाम को स्कूटी से अपने घर लौट रहे थे।ज्योंहि वह पकड़ी चट्टी के समीप पहुंचे किसी अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया। वह स्कूटी से समेत सड़क पर गिर कर गम्भीर रूप से घायल हो गए।आसपास के लोगो ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजवाया।

शांति व्यवस्था हेतु पुलिस बल ने किया रूट मार्च, लोगो को सुरक्षा के प्रति किया आश्वस्त

मऊ । आगामी बकरीद त्योहर को लेकर शांति व सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने के लिए देर शाम पुलिस अधीक्षक इलामारन ने निर्देशन में थाना कोपागंज पहुंचकर अपर पुलिस अधीक्षक महेश सिंह अत्री ने कोपागंज थानाध्यक्ष एवं भारी संख्या में जनपदीय पुलिस बल के साथ मऊ जनपद के विभिन्न क्षेत्रों व संवेदनशील तथा मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, बाजार, भीड़-भाड़ वाले स्थानों एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आस-पास रूट मार्च कर आम जनमानस में शांति/सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया गया। इस दौरान विभिन्न मस्जिदों/नमाजस्थल के आस-पास शांति/सुरक्षा व्यवस्था आदि का जायजा लिया तथा कहा कि प्रतिबंधित जानवरों की नहीं होगी।

62 न्यू पीएचसी व स्वास्थ्य उपकेंद्र पर जन आरोग्य मेले का आयोजन

जन आरोग्य मेले में घट रहे मरीज, चिकित्सक नहीं ले रहे दिलचस्पी

केटी न्यूज/गाजीपुर

के 62 न्यू पीएचसी और स्वास्थ्य उपकेंद्र पर रविवार को जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। पूर्वाह्न दस बजे से संचालित मेले में सप्ताह दर सप्ताह मरीजों की संख्या घटती जा रही है। जबकि भदौरा ब्लॉक में मुख्यमंत्री आरोग्य मेला केवल दिखावा बनता जा रहा है। कोरम पूरा कर-के मरीजों को इलाज देने का दावा हो रहा है। हकीकत यह है कि न तो समय से चिकित्सक पहुंच रहे हैं, न ही दवाओं का पर्याप्त स्टॉक है।

भदौरा ब्लॉक के चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मेला लगा। मेले में होमियोपैथ, आयुर्वेदिक व एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक के बैठने के निर्देश हैं, लेकिन ब्लॉक के किसी भी केंद्र पर तीनों चिकित्सक नहीं मिले। इसके अलावा कई दवाओं की कमी बनी रही। इसके चलते मेले में मरीजों की संख्या भी कम होती जा रही है। गहमर और दिलदारनगर में तो कोई डॉक्टर ही नहीं पहुंचा। फार्मासिस्ट ने ही मरीजों को परामर्श दिया।

केस - 1

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बारा में रविवार को 12 बजे तक 22 मरीजों ने इलाज करवाया। यहां पर आंख की ड्रॉप सहित कई दवाओं की कमी मिली। तीनों पद्धतियों से जुड़े चिकित्सक नहीं आए थे। केवल होमियोपैथ के जरिए ही मरीजों का इलाज किया गया।

केस - 2

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवल में 45 मरीज पहुंचे। यहां आयुर्वेद चिकित्सक ने परामर्श दिया। अन्य कोई सुविधा नहीं थी। यहां साफ तौर पर कह दिया गया कि जांच करानी है तो सीएचसी भदौरा या फिर जिला अस्पताल जाना होगा। यहां कोई जांच की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में कई मरीजों को मायूस होकर वहां से जाना पड़ा।

केस - 3

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गहमर तथा दिलदारनगर में चिकित्सक की तैनाती ही नहीं है। ऐसे में दिलदारनगर में डॉक्टर की अनुपस्थिति में फार्मासिस्ट अजय कुमार ने ही 29 मरीजों को देखा और परामर्श दिया। यहां पर मरीजों की जांच भी नहीं हो सकी। ऐसे में मरीजों की संख्या कम पड़ती जा रही है। आमतौर पर यहां करीब 100 मरीज आते थे।

लेबरुआ गांव में जमीनी विवाद में हुआ खूनी संघर्ष, वृद्ध की मौत, कई घायल

- धर्मेंद्र यादव और पड़ोसी धर्मदेव गौड़ के बीच जमीन को लेकर चल रही थी पुरानी रंजिश
- धर्मदेव की जमीन पर रखी नाद को हटाने को लेकर हुआ विवाद

केटी न्यूज/ जौनपुर

जौनपुर जिले के थाना चंदवक क्षेत्र के लेबरुआ गांव में दो पक्षो में जमकर मारपीट हुई खूनी संघर्ष हुआ। जिसमें एक बृद्ध की मौत हो गयी कई लोग घायल हो गए। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए

भेज दिया तथा घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक चंदवक थाना क्षेत्र के गांव लेबरुआ में धर्मेंद्र यादव और पड़ोसी धर्मदेव गौड़ के बीच जमीन को लेकर पुरानी रंजिश चल रही थी। धर्मेंद्र ने धर्मदेव के जमीन पर नाद रख दिया जिसको हटाने को लेकर विवाद हो गया। विरोध करने पर धर्मेंद्र व उनके परिवार के लोगो ने लाठी डंडो से हमला बोल दिया। इस मारपीट में धर्मदेव (65 वर्ष) की जान चली गयी। तथा तीन अन्य घायल हो गए हैं। घटना के बाद गांव में तनाव कायम हो गया। बताया जाता है कि पहले भी इन दोनों परिवारों के बीच झगड़ा हो चुका है लेकिन इसकी कीमत धर्मदेव को जान देकर चुकानी पड़ी।

इस मामले में एसपी सिटी ब्रजेश कुमार गौतम ने बताया कि दो पड़ोसियों में जमीन पर नाद को हटाने को लेकर मारपीट हो गया। जिसमें एक पक्ष के धर्मदेव गौड़ की मौत हो गयी है। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

पुण्य की डुबकी: गंगा दशहरा पर वाराणसी के घाटों पर गूंजा हर-हर महादेव

♦ मान्यता है कि गंगा दशहरा पर गंगा में स्नान कर दान पुण्य करने से पापों से मिलता है मुक्ति और मोक्ष

केटी न्यूज / वाराणसी

पतित पावनी मां गंगा के अवतरण दिवस पर बना है महासंयोग। गंगा दशहरा पर रविवार को काशी के पवित्र गंगा के घाटों पर श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। इस दौरान सभी घाटों पर आस्था का नजारा देखने को मिला। काशी ही नहीं आसपास के जिलों से गंगा स्नान और दान करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ गंगा किनारे उमड़ी रही। भोर से ही मंदिरों में घंटे घड़ियाल की ध्वनि के बीच घाटों पर हर हर गंगे... गूंजने लगा। आस्थावानों ने गंगा में पुण्य की डुबकी लगाई। गंगा दशहरा पर दशाश्वमेध घाट, अस्सी घाट, तुलसीघाट, राजेंद्र प्रसाद घाट सहित अन्य घाटों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया है। दूर-दूर से काशी पहुंचे श्रद्धालुओं ने इस दौरान आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद काशी विश्वनाथ धाम, संकट मोचन, दुर्गाकुंड सहित अन्य मंदिरों में दर्शन पूजन किया। मान्यता है कि गंगा दशहरा पर गंगा में स्नान कर दान पुण्य करने से पापों से मुक्ति और मोक्ष मिलता है। उधर गंगा में स्नान करने वालों की भीड़ को देखते हुए घाटों पर पुलिस के जवान तैनात हैं। काशी में मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत 10 राज्यों से श्रद्धालु पहुंचे हैं। अस्सी घाट पर 11 नावों से मां गंगा को 5 हजार मीटर लंबी चुनरी चढ़ाई गई। 56 तरह के व्यंजनों का भोग लगाया गया। गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्र जानकारी देते हुए कहा कि गंगा दशहरा के अवसर पर 11 भूदेव मां गंगा का पूजन किये। वहीं 11 अर्चकों ने आरती उतारी। जबकि 22 कन्याएं चंवर डोला रही थी।

एक नजर

16 घंटे काशी में रहेंगे पीएम, एसपीजी दल पहुंचा

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब पांच घंटे की बजाय अपने संसदीय क्षेत्र काशी में 16 घंटे रहेंगे। पुलिस और प्रशासनिक अफसरों के अनुसार प्रधानमंत्री 18 जून की शाम चार बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। 19 जून की सुबह करीब आठ बजे वह बरेका स्थित हेलिपैड से एयरपोर्ट और फिर वहां से दिल्ली रवाना होंगे। प्रधानमंत्री मोदी बाबतपुर एयरपोर्ट से सेना के हेलिकॉप्टर से मेहंदीगंज स्थित जनसभा स्थल जाएंगे। वहां से लगभग छह बजे वह पुलिस लाइन ग्राउंड स्थित हेलीपैड आएंगे। फिर, सड़क मार्ग से श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन करने जाएंगे। दर्शन-पूजन के बाद वह दशाश्वमेध घाट पर गंगा पूजन करेंगे और गंगा आरती में शामिल होंगे। रात आठ बजे वह दशाश्वमेध घाट से सड़क मार्ग से रात्रि विश्राम के लिए बरेका स्थित ऑफिसर्स गेस्ट हाउस जाएंगे। रात्रि विश्राम के बाद बुधवार की सुबह वह बिहार के लिए रवाना हो जाएंगे।

चंदौली जनपद के प्रतिभाशाली युवा रोशन मिश्र कनाडा आमंत्रित, वर्कशॉप में लेंगे हिस्सा

चंदौली। जनपद में प्रतिभाग गाने की कमी नहीं है। इसी क्रम में चहनियां विकासखंड के डेवड़ा रोहन मिश्र को कनाडा में आमंत्रित किया गया। उक्त युवक ने जनपद ही नहीं पूरे देश का नाम अपने गांव के साथ रोशन किया है इसे लेकर गांव में काफी हर्ष है। बताते हैं कि सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शोध छात्र चहनिया विकासखंड के ग्राम डेवड़ा के निवासी रोहन मिश्र को कनाडियन सांख्यिकीय विज्ञान संस्थान, ओटावा द्वारा तीन दिवसीय सर्वे सैम्पलिंग में माडर्न मेथाड्स पर ओटावा विश्वविद्यालय में आयोजित वर्कशॉप में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। साथ ही राष्ट्रीय अनुसंधान शोध फाउंडेशन, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग शोध बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार रोहन मिश्र की यात्रा खर्च को वहन करने की संस्तुति भी दे दी है। रोहन मिश्र, गणित के प्रोफेसर शशि कान्त मिश्र के सुपुत्र एवं स्वर्गीय गौरी शंकर मिश्र के पौत्र हैं। रोशन ने कहा कि यह माता-पिता के साथ-साथ गुरुजनों का आशीर्वाद का फल है।

टाण्डा में पीपा का पांटून पुल हटा, समस्या बढ़ी

चंदौली। शासन के निर्देश पर टाण्डाकला घाट से पीपा का पांटून पुल शनिवार की रात 12 बजे हटा दिया गया । अब लोगो को उस पार आवागमन करने के लिए नाव का सहारा लेना होगा या फिर दूरी तय कर जानी होगी । व्यापारियों, राहगीरों, विद्यार्थियों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं । रविवार से नाव का संचालन शुरू हो गया है। बरसात से पूर्व शासन के निर्देश पर हर वर्ष 15 जून को पीपा का पांटून पुल हटा दिया जाता है । इस बार भी 15 जून की रात 12 बजे कर्मियों ने बीच से पीपा व शुरूआती में लोहे की पटरी को हटा दिया । पीपा पांटून पुल से इस पार के लोग उस पार पुल से मार्कण्डे महादेव धाम पर दर्शन पूजन के साथ साथ व्यापार भी करने जाते थे । अब दर्शन पूजन करने व व्यापार करने के लिए जान जोखिम में डालकर नाव से उस पार आना जाना होगा या फिर लम्बी दूरी तय करके जाना होगा । क्षेत्र व आसपास गांवो के लोग उस पार जाकर कैथी से वाराणसी कम दूरी तय करके आसानी से आते जाते थे । टाण्डा से उस पार मात्र डेढ़ किलोमीटर में गंगा पार कर जाते थे ,उन्हें अब चार पहिया वाहन से 32 किलोमीटर का सफर तय कर मार्कण्डे महादेव जाना होगा । पुल हटने से व्यापारियों, दर्शनार्थियों, विद्यार्थियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा । इसी के साथ रविवार से नाव का संचालन भी शुरू हो गया है ।

तृतीय बुधवार को आयोजित होगा किसान दिवस

चंदौली। जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे ने बताया कि शासन के निर्देश क्रम में प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन निर्धारित है।17 वीं लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता के समाप्त होने के फलस्वरूप किसान दिवस एवं सिंचाई बंधु का आयोजन दिनांक 19 जून को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत

खबरें फटाफट

खड़े ट्रक में श्रद्धालुओं की बस ने मारी टक्कर, एक दर्जन श्रद्धालु घायल

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के झांसी गांव समीप नेशनल हाइवे पर भीषण हादसा हुआ है ।यहां अलसुबह श्रद्धालुओं से भरी बस अनियंत्रित होकर खड़ी ट्रक जा घुसी। इस दुर्घटना में एक दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए .जिसमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है,फिलहाल सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। गौरतलब है कि टूरिस्ट बस 30 से ज्यादा श्रद्धालुओं को लेकर झारखंड से केदारनाथ धाम जा रही थी। इस दौरान झांसी गांव के समीप हाईवे पर सड़क किनारे खड़ी ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है. जिसमें उज्जवल गोस्वामी 63 वर्ष निवासी जामताड़ा झारखंड, गोदावर घोष 74 वर्ष वर्धमान, उत्तम गोलमारा जिला धनबाद, सिंटू पंडेसर जिला वर्धमान गंभीर रूप से घायल हैं। घायल श्रद्धालु प्रेम कुमार शर्मा ने बताया कि झारखंड से केदारनाथ धाम के लिए निकले थे। गया में हाल्ट किए थे, फिर वहां से हम लोग केदारनाथ धाम के लिए जा रहे थे, तभी खड़ी ट्रक में पीछे से बस चालक ने टक्कर मार दी। बस चालक को नींद आने के चलते यह हादसा हुआ। जिला अस्पताल के ईएमओ अजय वर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं की बस से दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें एक दर्जन से अधिक श्रद्धालु जिला अस्पताल में लाए गए हैं, 3 लोगों को गंभीर चोटें आई है. बाकी अन्य हल्की चोटें आई है. सभी को भर्ती कर इलाज जारी है।

रंगदारी मांगने वाले बदमाशों की पुलिस से हुई मुठभेड़, दो बदमाश गिरफ्तार, एक फरार

जौनपुर। थाना सरपतहां पुलिस टीम ने मेडिकल स्टोर संचालक से रंगदारी मांगने वाले दो शातिर बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है ।उनके कब्जे से एक अवैध तमंचा,एक कारतूस तथा बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल बरामद किया है ।दोनो की बदमाश शातिर बदमाश है इनके ऊपर जौनपुर सहित विभिन्न जनपदों में दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज है।

सैलानियों को भाया उत्तर प्रदेश : 2023-24 में टाइगर रिजर्व में बढ़ी पर्यटकों की संख्या

लोगों की भीड़ देख 10 दिन और बढ़ा पर्यटन सत्र, अब 25 जून तक खुलेंगे टाइगर रिजर्व

♦ पिछले सत्र की अपेक्षा इस वर्ष भारतीय और विदेशी पर्यटकों की भी बढ़ी आमद

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश सैलानियों को खूब भा रहा है। पर्यटन सत्र 2023-24 में उत्तर प्रदेश के टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष भारतीयों के साथ ही बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भी उत्तर प्रदेश पहुंचे। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष 36 हजार से अधिक पर्यटक उत्तर प्रदेश के टाइगर रिजर्व में आनंद लेने पहुंचे। पर्यटकों की आमद देखते हुए पर्यटन सत्र 10 दिन और बढ़ा दिया गया। 15 नवंबर से प्रारंभ हुए पर्यटन सत्र को पहले 15 जून तक चलाने की घोषणा हुई थी पर अब इसकी समायवधि बढ़ाकर 25 जून तक कर दिया गया है।

15 नवंबर 2023 से शुरू हुआ था पर्यटन सत्र

मौसम को देखते हुए वन विभाग की ओर से इस वर्ष टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र 10 दिन और बढ़ा दिया गया। 15 नवंबर 2023 से पर्यटन सत्र प्रारंभ हुआ था। पहले यह सत्र 15 जून तक ही चलना था पर अब 25 जून तक इसे बढ़ा दिया गया है। इससे पर्यटन उद्योग से जुड़े समस्त लोगों को रोजगार के और अधिक अवसर प्राप्त होंगे। प्रदेश के चारों टाइगर रिजर्व पीलीभीत, अमानगढ़, दुधवा व रानीपुर टाइगर रिजर्व अब 25 जून तक खुलेगा।

इस वर्ष 36 हजार से अधिक पर्यटकों की बढ़ी संख्या

योगी सरकार ने यूपी को पर्यटन के नए केंद्र के रूप में स्थापित किया है। योगी सरकार के कुशल मार्गदर्शन में यह देश के सर्वश्रेष्ठ वन क्षेत्रों में शामिल हैं। इस कारण यहां सैलानियों का आकर्षण बढ़ा है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 2022-23 की अपेक्षा 2023-24 में अब तक लगभग 36 हजार पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। दुधवा टाइगर रिजर्व में इस वर्ष 15110 पर्यटक बढ़े हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में 14,768 पर्यटकों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में 1022 और रानीपुर टाइगर रिजर्व में 4990 पर्यटक बढ़े हैं।

उत्तर प्रदेश वन निगम स्तर से प्रदेश के विभिन्न टाइगर रिजर्व दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी एवं पीलीभीत टाइगर रिजर्व, पीलीभीत में पर्यटकों के स्थगन लग्जरी टाटा जीनॉन सफारी बोट सफारी इत्यादि सुविधाएं कई वर्षों से लगातार उपलब्ध कराई जा रही है। पर्यटकों की सुविधा के दृष्टिगत प्रकृति से रुबरु होने तथा जंगल भ्रमण का आनंद लेने हेतु उत्तर प्रदेश वन निगम, ईकोटूरिज्म की वेबसाइट (www.upecotourism.in) के माध्यम से भी आनलाइन बुकिंग सुविधा उपलब्ध है। पर्यटकों में वन्य जीवों के प्रति आकर्षण तथा जागरूकता बढ़ाने तथा इकोटूरिज्म को बढ़ावा देने के उददेश्य से इस वर्ष पर्यटकों के स्थगन की दरों में काफी कमी की गयी है।

टाइगर रिजर्व में बढ़ी पर्यटकों की संख्या

2022-23 की अपेक्षा 2023-24 (14 जून) तक उत्तर प्रदेश के टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई। दुधवा टाइगर रिजर्व में 2022-23 में 41815 भारतीय और 137 विदेशी पर्यटक आए थे। 2023-24 में यह संख्या बढ़कर क्रमशः 56770 और 292 हो गई। पीलीभीत में 2022-23 में 23525 और 54 विदेशी पर्यटक पहुंचे थे। 2023-24 में यहां 38183 भारतीय और 164 विदेशी पर्यटकों ने वन्यजीवों व क्षेत्रों का आनंद उठाया। अमानगढ़ में पिछले वर्ष 3066 भारतीय और दो विदेशियों की अपेक्षा इस वर्ष 4084 भारतीय और छह विदेशी पर्यटकों की संख्या दर्शाई गई। रानीपुर टाइगर रिजर्व में 2022-23 में 4180 भारतीय पर्यटक पहुंचे थे। 2023-24 में यहां आने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या 9170 रही।

बड़ी कार्रवाईः पूर्वांचल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड लंका का लाइसेंस निरस्त

♦ घोटालों के लिए चर्चित बैंक के खिलाफ भारतीय रिजर्व बैंक ने की कठोर कार्रवाई

केटी न्यूज/गाजीपुर

भारतीय रिजर्व बैंक ने जनपद में घोटालों के लिए चर्चित पूर्वांचल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड लंका का लाइसेंस 15 जून को निरस्त कर दिया। साथ ही रिजर्व बैंक ने यह निर्देश भी जारी किया है कि प्रशासनिक रिसिवर के जरिए पूर्वांचल को-आपरेटिव बैंक गाजीपुर के सभी बकायेदारों से ऋण वसूली का कार्य किया जाएगा। रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार पांच लाख तक के जमा सभी खाताधारकों का प्रथम किश्त जारी कर दी गई है। शेष धनराशि डीआईसीजीसी के माध्यम से भुगतान हो जाएगी। बताते चलें कि पिछले वर्ष पूर्वांचल को-आपरेटिव बैंक लंका गाजीपुर दिवालिया घोषित हो गया था। सभी बैंक के खातेदार अपने पैसे के लिए बैंक पर हंगामा करने लगे। भारतीय रिजर्व बैंक आफ इंडिया के अधिकारियों ने प्रबंध तंत्र को बर्खास्त कर एआर को-आपरेटिव गाजीपुर को प्रशासक बनाया था। एआर को-आपरेटिव ने बैंक के राम बाबू शाण्डिल्य, विवेक पांडेय सहित पांच लोगों के खिलाफ थाना कोतवाली में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया था। एआर को-आपरेटिव ने सभी खाताधारकों को सूचित किया कि पांच लाख तक सभी जमा खाताधारकों का पैसा लौटाया जाएगा। वह अपना बैंक में डिटेल दे दें। इस क्रम में हजारों लोगों ने अपना फार्म भर कर पूर्वांचल को-आपरेटिव बैंक के मुख्यालय में जमा किया और इसमें से प्रथम किस्त के रुप में अधिकांश लोगों को भुगतान भी हो गया है। उधर लोकसभा चुनाव के बाद एआर को-आपरेटिव ने बैंक के बकाएदारों को वसूली के लिए नोटिस भेजा। लेकिन जबतक आगे की कार्रवाई की जाएगी तबतक रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने पूर्वांचल को-आपरेटिव बैंक का लाइसेंस निरस्त कर दिया और रिसिवर के जरिए ऋण वसूली का आदेश जारी किया है।

गाजीपुर में तीन थानों के 4 सिपाही को किया गया लाइन हाजिर

केटी न्यूज/ गाजीपुर

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने शासकीय कार्यों में शिथिलता व लापरवाही बरतने के कारण तीन थानों के चार सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस अधीक्षक की इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

लाइन हाजिर होने वाले पुलिसकर्मियों में थाना करंडा में तैनात मुख्य आरक्षी आशुतोष पांडेय, थाना शादियाबाद के आरक्षी पियूष प्रताप राव व आरक्षी शक्ति सिंह तथा थाना सैदपुर के आरक्षी विनीत कुमार गौतम शामिल हैं। बताते चलें कि इसके पूर्व भी पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने थाना मुहम्मदाबाद के मुख्य आरक्षी महेंद्र तिवारी को बीते 09 जून को जनता से दुर्व्यवहार के कारण तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया था।

कांटा गांव में अर्द्ध विक्षिप्त महिला ने फांसी लगा दे दी जान

चंदौली। सदर ब्लाक अंतर्गत ग्राम सभा कांटा में एक अर्द्ध विक्षिप्त महिला ने गले में साड़ी के फंदे से फांसी लगाकर की ईह लीला समाप्त कर ली। आपको बता दे कि मनसा देवी पत्नी मंजय कुमार मौर्य 35 वर्ष ने फांसी लगाकर ने आज फांसी लगाकर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली।जैसे ही सूचना मिली, मौके पर धरौली चौकी इंचार्ज आलोक कुमार सिंह मय फोर्स पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई।

योग के लिए शपथ में पूर्वांचल विश्वविद्यालय का प्रदेश में बने सर्वोच्च स्थान

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को ऐतिहासिक बनाने को लें शपथ : कुलपति

♦ गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में उत्तर प्रदेश का नाम दर्ज कराने के लिए की अपील

केटी न्यूज/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि विश्व योग दिवस को ऐतिहासिक बनाने हेतु विश्वविद्यालय के माध्यम से विद्यार्थियों,शिक्षकों एवं अभिभावकों सहित आमजन को योग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। राजभवन द्वारा नियमित योग करने और उत्तर प्रदेश का नाम योग के क्षेत्र में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सम्मिलित करने हेतु ऑनलाइन शपथ दिलाई जा रही है। इसके लिए राजभवन ने ऑनलाइन एक लिंक जनरेट किया है तथा क्यूआर कोड भी दिया है दोनों में से किसी भी माध्यम से शपथ ली जा सकती है। यह ऑनलाइन लिंक 18 जून तक सक्रिय रहेगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य , शिक्षक संघ के प्रतिनिधिगण, कर्मचारी संघ के पदाधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक व कार्यक्रम अधिकारी, रोवर्स/ रेंजर्स से जुड़े संयोजक व शिक्षक तथा एनसीसी के संयोजक, सामाजिक कार्यकताओं के सहयोग से जौनपुर और गाजीपुर के सभी नागरिकों को ऑनलाइन योग की शपथ दिलाई जा रही है।

इसी क्रम में उन्होंने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में उत्तर प्रदेश का नाम दर्ज कराने के लिए अपील की है कि सभी नागरिक, शिक्षक, कर्मचारी , विद्यार्थी,पुरातन छात्र ,अधिवक्ता, व्यापारी एवं जनपद के आमजन ऑनलाइन शपथ लें और इस पूरी मुहिम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के योगदान को बढ़ाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को ऐतिहासिक बनाने के लिए उत्तरप्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लगातार सक्रिय है। इसके लिए राजभवन द्वारा प्रदेश के 34 राज्य विश्वविद्यालयों के माध्यम से विद्यार्थियों,शिक्षकों एवं अभिभावकों सहित आम जन को प्रदेश में योग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

ऐसे ले सकते हैं ऑनलाइन शपथ : इसके लिये नीचे दिये गये लिंक को क्लिक कर विश्वद्यालय के नाम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर सेलेक्ट कर शपथ ग्रहण कर सकते हैं।

https://rajbhawanyogapledge.in/ कुलपति प्रो.वंदना सिंह ने जौनपुर और गाजीपुर के लोगों से अपील है कि अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए अपना शपथ लें और प्रदेश में अपने जनपद के विश्वविद्यालय को प्रथम आने में अपना अमूल्य योगदान अवश्य दें ।

सुभाषितम्

अपने विषय में कुछ कहना प्रायः बहुत कठिन हो जाता है क्यों कि अपने दोष देखना आपको अप्रिय लगता है और उनको अनदेखा करना औरों को। - महादेवी वर्मा

क्या सत्ता में बैठे व्यक्ति को अहंकारी होना चाहिये

लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर

नीट 2024 की परीक्षा में लगभग 24 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए। चिकित्सा शिक्षा को लेकर पिछले कई वर्षों से युवाओं में क्रेज बना हुआ है। दसवीं पास करने के बाद युवा अपने करियर बनाने को लेकर नीट और जेईई मेंस जैसे प्रोफेशनल कोर्स की परीक्षा देने की तैयारी शुरू कर देते हैं। इसके लिए 16 वर्ष से लेकर 20 वर्ष तक के बच्चे कोचिंग ज्वाइन करते हैं। बच्चों के माता-पिता कोचिंग संस्थानों को लाखों रुपया प्रतिवर्ष फीस के रूप में देते हैं। जो बच्चे उपरोक्त कोर्स की तैयारी करते हैं, वो दिन-रात पढ़ाई करते हैं। उनका लक्ष्य बड़ा होता है। वह इस प्रतिस्पर्धा के युग में सीमित सीटों पर अपना स्थान बनाकर प्रवेश ले पाएं, इसके लिए जी-जान लगाकर मेहनत करते हैं। अपना परिवार छोड़कर अन्य शहरों में जाकर कोचिंग लेते हैं। पिछले तीन दशक से डिग्री से रोजगार और करियर का जो नया कांसेप्ट सामने आया है, उसके बाद लाखों की संख्या में बच्चे परीक्षा की वर्षों तक तैयारी करते हैं। मांग और आपूर्ति के सिद्धांत में बहुत ज्यादा अंतर होने के कारण, लाखों करोड़ों रुपए की कमाई का जरिया, इस तरह की प्रवेश परीक्षा बन गई है। नीट वर्ष 2024 में 23 लाख 33297 परीक्षार्थी शामिल हुए। 58263 परीक्षार्थियों ने 620 से लेकर 720 अंक प्राप्त किये। 520 से 620 अंक लाने वाले परीक्षार्थियों की संख्या 1,02,640 है। पिछले 5 वर्षों में 620 से 720 अंक वाले परीक्षार्थियों की संख्या मात्र 13 से 15000 के बीच रही है। इस बार यह संख्या बढ़कर 58263 हो गई है। देशभर में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में लगभग 55000 सीट हैं। इसमें एम्स की सीटें भी शामिल हैं। एम्स एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों में सबसे ज्यादा नंबर पाने वालों को प्राथमिकता से नेशनल काउंसलिंग में प्रवेश मिल जाता है। यहां पढ़ने वाले छात्रों की फीस बहुत कम होती है। उसके बाद राज्यों के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में राज्यों के प्रतियोगियों को प्रवेश मिलता है। इस साल नीट के जो परिणाम आए हैं, उसमें नामांकन से लेकर प्रवेश परीक्षा में कई विसंगतियां सामने आई हैं। रजिस्ट्रेशन विंडो 16 मार्च को बंद कर दी गई थी। इसके बाद रजिस्ट्रेशन विंडो को अप्रैल माह में 1 दिन के लिए खोल दिया गया। इस 1 दिन में करीब 24240 बच्चों ने अपना पंजीयन कराया। इसकी जानकारी छात्रों को नहीं थी। इसका फायदा कुछ कोचिंग सेंटरों के द्वारा उठाया गया। यह कार्य प्रक्रिया पहली बार नेशनल टेस्ट एजेंसी द्वारा अपनाई गई। इस वर्ष एजेंसी द्वारा जो छात्र लेट प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए थे। उन्हें ग्रेस मार्क्स देने का नया नियम बनाया गया। छात्रों को मनपसंद सेंटर चुनने का प्रावधान किया गया। हरियाणा के परीक्षार्थियों ने बिहार के सेंटर चुने। इसी तरह अन्य राज्यों के हजारों परीक्षार्थियों ने दूसरे राज्यों के हजारों किलोमीटर दूर परीक्षा सेंटर में जाकर परीक्षा दी। नीट की परीक्षा में पहली बार 67 छात्रों को 100 फीसदी 720 अंक प्राप्त हुए। वहीं 58263 परीक्षार्थी 620 अंक से लेकर 720 अंक लेकर सफल हुए। सरकारी मेडिकल कॉलेज में इनका एडमिशन नीट के परीक्षा परिणाम के कारण होना तय हो गया। 2023 में 620 से लेकर 720 अंक पाने वालों की संख्या मात्र 13291 थी। परीक्षा परिणाम निर्धारित तिथि के पहले घोषित होने के बाद, बिहार में पेपर लीक करने का मामला तूल पकड़ गया। बिहार में जांच एजेंसी ने 13 आरोपी गिरफ्तार किए, जिन्होंने स्वीकार किया कि पेपर लीक हुआ था। उन्हें पेपर के संबंध में जानकारी देने एक अलग स्थान पर ले जाकर प्रश्नों के उत्तर को याद कराया गया। इसके बाद गुजरात के गोधरा में भी इसी तरह का एक मामला सामने आया। धीरे-धीरे प्याज की परतों की तरह एक-एक परत खुलती गई। बिहार में जो आरोपी गिरफ्तार हुए, उन्होंने 30 से 40 लाख रुपए देने का पुलिस को बयान दिया। जिससे यह प्रमाणित हुआ कि परीक्षा के पहले पेपर लीक हुआ है। कोचिंग चलाने वाले सेंटर एवं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के बीच कोई ना कोई संबंध जरूर है। जिसके कारण कोचिंग सेंटर के परीक्षार्थियों ने 30 से 40 लाख रुपया देकर, प्रवेश परीक्षा परिणाम में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। नीट की परीक्षा के जो परिणाम सामने आए हैं, उसके अनुसार देश में करीब 100000 सीटों पर एमबीबीएस के लिए प्रवेश होना है। उसमें से 55000 सरकारी मेडिकल कॉलेजों की सीट हैं। लगभग 45000 सीटों पर निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस के लिए प्रवेश होना है।

- एल.एस. हरदेनिया

इस समय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व पर जबरदस्त हमला हो हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व अत्यधिक आत्मविश्वासी और अहंकारी हो गया है। यह आरोप राष्ट्रीय स्वयं संघ के मुखपत्र आर्गनाइजर में संघ के प्रमुख चिंतक श्री रतन शारदा द्वारा लगाया गया है। उनका आरोप है कि यदि नेतृत्व अहंकारी नहीं होता और अति आत्मविश्वासी नहीं होता तो भाजपा की झोली में लोकसभा की 400 सीटें आ जातीं।

यद्यपि नाम नहीं लिया जा रहा है परंतु बहुत साफ है कि यह हमला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर है। इसमें कोई संदेह नहीं कि श्री मोदी अपने व्यवहार और अपने नीतिगत निर्णयों को लेने में बहुत कम अपने सहयोगियों से परामर्श करते हैं। जहां भाजपा का सवाल है वह राष्ट्रीय स्वयं संघ की एक शाखा है। संघ द्वारा 1950 में जनसंघ का गठन किया था। उसके बाद कुछ कारणों से जनसंघ को भंग करना पड़ा और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ। चाहे जनसंघ का समय हो चाहे भारतीय जनता पार्टी का, दोनों संस्थाओं के गठन के समय यह तय हो गया था कि जनसंघ और भाजपा कोई भी निर्णय आपसी परामर्श से ही करेंगे। इस तरह का मैकेनिजम चलता रहे इसलिए यह तय किया गया था कि राष्ट्रीय स्वयं संघ की ओर से एक प्रमुख नेता जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी में डेपुटेशन के रूप में भेजा जाता था और इस व्यक्ति को आर्गनाइजर कहा जाता था। इस समय यह व्यवस्था है कि नहीं ज्ञात नहीं है।

इस बात पर कोई संदेह नहीं कि किसी व्यक्ति का पद जितना ऊँचा हो उतना ही उससे यह अपेक्षा होती है कि वह उतना विनम्र और सोम्य हो। भारतीय जनता पार्टी में अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे ही नेता थे। वे जब तक प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने संघ से संपर्क बनाए रखा। वे नागपुर जाकर संघ के प्रमुख से मिलते रहे। वे जब भी बंबई जाते थे शिवसेना के प्रमुख बाल ठाकरे के निवास पर जाकर उनसे मिलते थे।

अब हम कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों की चर्चा करें तो प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी कहीं से अहंकारी नजर नहीं आते थे। बड़े नेताओं से लेकर आम जनता तक उनका सतर्क सम्पर्क रहता था। वे जब दिल्ली में रहते थे तो रोज कम से कम 500-600 लोगों से अपने निवास-तीन मूर्ति मार्ग पर मिलते थे। वे ठीक 9 बजे जनता के बीच में पहुँच जाते थे और जब तक आखिरी व्यक्ति से नहीं मिल लेते थे वे सचिवालय के लिए रवाना नहीं होते थे। उनके उत्तराधिकारी लालबहादुर शास्त्री तो दिखने में कतई प्रधानमंत्री नहीं लगते थे। उनकी इमेज लगभग एक किसान नेता की थी। शास्त्री जी के बाद इन्दिरा जी प्रधानमंत्री बनीं। इन्दिरा जी का स्वभाव कुछ हद तक अहंकारी था परंतु राष्ट्र के हित में वे अपने अहंकार का चोला उतार फेंक देती थीं। इस संबंध में दो घटनाएँ मुझे याद आ रही हैं-उत्तरप्रदेश में चुनाव होने वाले थे। उत्तरप्रदेश की राजनीति में हेमवती बहुगुणा का काफी महत्व था। चुनाव के पूर्व इन्दिरा जी और बहुगुणा में कुछ मतभेद थे। परंतु चुनाव की खातिर वे बहुगुणा से मिलने गई और उस मुलाकात के बाद दोनों के मतभेद दूर हो गये। इस घटना की टाईम्स ऑफ इण्डिया ने जैसे रिपोर्ट की थी वह मुझे आज भी याद है। टाईम्स ऑफ इण्डिया ने लिखा कि ह्वाइप्राईम मिनिस्टर इंदिरा गांधी इन ऑर्डर टू ओवरकम। द एंगरी फीलिंग्स ऑफ बहुगुणा वेंट टू मीट हर अलांग विथ हिज सन राजीव गांधी, डॉटर इन-लॉ सोनिया गांधी, सन संजय गांधी, डॉटर इन-लॉ मेनका गांधी एण्ड देयर सन एण्ड डाटर्स सी ऑलसो टूक अलांग विथ हर देयर पेटी डॉग। द रिजल्ट वॉज पॉजिटिव।

जब बंगलादेश का युद्ध चल रहा था तो यह आवश्यक समझा गया कि देश में सांप्रदायिक सौहार्द्र बना रहे। इस काम में वे जानती थीं कि राष्ट्रीय स्वयं संघ के प्रमुख गोलवलकर की प्रमुख भूमिका हो सकती है। गोलवलकर से इन्दिरा जी के संबंध कभी मधुर नहीं थे। परंतु राष्ट्र के हितों को देखते हुए उन्होंने गुरू गोलवलकर से मधुर संबंध बनाना आवश्यक समझा। इसमें उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी का उपयोग किया। उन्होंने वाजपेयी जी ने अनुरोध किया कि वे नागपुर जायें और गुरू जी को मेरा संदेश दें कि इस दरम्यान यदि देश में एक भी मुसलमान का एक बूंद भी खून बहा तो मेरी नाक कट जायेगी। यह काम गुरू जी ही सुनिश्चित कर सकते हैं। मैं चाहती हूँ कि वे यह जिम्मेदारी पूरी संजीदगी से निभा सकते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी नागपुर गये और इन्दिरा का यह संदेश गुरू गोलवकर को दिया। गोलवलकर जी यह संदेश पढ़कर बहुत प्रसन्न हुये और उन्होंने इन्दिरा जी से फोन पर कहा कि वह इतना ऐतिहासिक काम कर रही हैं कि उसके लिए मेरे शरीर के खून का एक-एक कतरा हाजिर है। इन संदेशों के आदान-प्रदान से हिन्दुस्तान के एक-एक नागरिक ने इन्दिरा जी के प्रति अपनी वफादारी दिखाई और भारत में पाकिस्तान के दो टुकड़े करने का ऐतिहासिक काम हासिल किया। और भी कई मौके हैं जब इन्दिरा जी ने अपने अहंकार को त्यागकर देश के हित में कई निर्णय लिये।

राजनीतिज्ञ का अंहकार उसका कैसा नुकसान करता है उसका एक उदाहरण मध्यप्रदेश का है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पंडित डी.पी. मिश्रा थे। स्वभाव से हठनिश्चयी। जो निर्णय ले लिया उस पर वे हर हालत में कायम रहते थे। उनके पद पर रहते हुए कांग्रेस के 36 विधायक पार्टी छोड़कर चले गये और वे गोविन्द नारायण सिंह और राजमाता के नेतृत्व में सरकार में शामिल हो गये। दल-बदल की खबरें आने लगीं। अनेक लोगों ने पंडित मिश्र से अनुरोध किया यदि वे इन लोगों से बात करके उनको मनाने की कोशिश करें तो सरकार बच जायेगी। मिश्र जी से यहां तक कहा गया कि यदि वह विधायक विश्राम गृह की गैलरी से पैदल निकल जायेंगे तो सारे विधायक उनसे मिलने के लिए आ जायेंगे और इतना करने से ही सरकार बच जायेगी। पंडित मिश्र ने कहा कि मैं कदापि इन भगोड़ों के सामने हाथ नहीं जोड़ूंगा। यदि मेरे कहने पर ये दलबदल नहीं करते हैं तो वे मुख्यमंत्री हो जायेंगे और मैं सड़क पर आ जाउंगा। वे आखिर तक अपने निर्णय पर कायम रहे और विधानसभा में उनकी सरकार गिर गई।

इसी तरह का मोदी जी के स्वभाव में भी अहंकार है। आर्गनाइजर में लिखते हुए श्री शारदा लिखते हैं कि नरेन्द्र मोदी आभामंडल के आनंद में डूबे रह गये और आमजन की आवाज को अनदेखा कर दिया। तो इसी तरह के स्वभाव के नतीजे में भाजपा 400 सीटों की मंजिल को प्राप्त नहीं कर सकी। यह भाजपा और खासकर मोदी जी के अति-आत्मविश्वासी निर्णय का परिणाम था। सबसे आश्चर्य की बात है कि एक समय ऐसा था जब अखबारों में मोदी की आलोचना के बारे में एक शब्द भी नहीं छपता था। परंतु इस समय अखबारों में धड़ाधड़ मोदी की आलोचना की जा रही है। न सिर्फ श्री शारदा बल्कि संघ के प्रमुख श्री भागवत भी इसी तरह की भाषा में बोल रहे हैं और उनके अ-निर्णय की आलोचना कर रहे हैं। भागवत विशेषकर मणिपुर के संबंध में अपनाये गये रवैये से सख्त नाराज हैं। देखना अब यह है कि भाजपा और संघ के बीच में पैदा हुई यह कड़वाहट सरकार के स्थायित्व पर कितना असर डालती है।

चिंतन-मनन

बल और बुद्धि में संतुलन जरूरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा। वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा-हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका। बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया।

श्रीमद मोहन भागवत कथा की अंतर्कथा

-राकेश अचल

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ इन दिनों सुर्खियों में अचानक नहीं आ गया। संघ को सुर्खियों में लाया गया है और संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने अपनी भागवत में जो नए अहंकार तथा मणिपुर के अध्याय जोड़े हैं उनके पीछे भी रोचक किस्से हैं। आपको बता दूँ कि मै आज से कोई 40 साल पहले अपने एक संघी मित्र स्वर्गीय कन्हैया लाल बजाज लालकवि के साथ संघ की एक शाखा में गया था। वे मेरे ससुर के मित्र थे और आग्रहपूर्वक मुझे संघ की शाखा में ले गए थे। तब संघ की अपनी कोई भागवत नहीं थी।

दरअसल संघ की मौजूदा करवट के पीछे अयोध्या से भाजपा की पराजय का दुःख किसी को नहीं है, डॉ मोहन भागवत और इंद्रेश कुमार जैसे संघियों को दुख इस बात का है कि वहाँ से एक दलित कैसे जीत गया आपको याद रखना चाहिए, कि भारत का दलित समाज विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम के बजाय नवें अवतार भगवान बुद्ध की पूजा करता है। हकीकत ये है कि संघ अयोध्या में अवधेश प्रसाद की जीत सनातन धर्म परंपरा की जीत है और जातीय राजनीति धार्मिक राजनीति की करारी हार। अयोध्या में भाजपा की हार से आहत परमपूज्य मोहन भागवत हार के इस मुद्दे से देश का ध्यान भटकाने के लिए नये नये बयान देने में लगे हैं मुझे लगता है कि ये सिलसिला अभी लम्बे समय तक चलेगा।

एक कटु सत्य ये भी है कि मणिपुर की दोनों सीटें पर बड़ी पराजय के साथ पूर्वोत्तर भारत कमजोर हो रही भाजपा के कारण श्रीमद मोहन भागवत कथा शुरू हुई है। संविधान बचाओ का मुद्दा भाजपा को कम, संघ को ज्यादा परेशान कर रहा है। क्योंकि भाजपा संघ का राजनीतिक विंग है। एक कटु सत्य ये भी है कि भाजपा के लगातार सत्ता में रहने के बावजूद संघ का प्रसार देश में नहीं हो पाया है। संघ दस साल से स्वयंसेवकों का भूखा बना रहा है। कागजों पर शाखाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है, परंतु गाँव मोहल्ले से गायब हो रही है

आपको याद रखना होगा कि भाजपा एक स्वतंत्र राजनीतिक दल नहीं है, अपितु संघ का एक आनुषंगिक संगठन है। मातृ संगठन होने के कारण संघ, भाजपा को बचाने के लिये पहले से ही तमाम कोशिशें करता रहा है और आगे भी रहेगा। देशभक्त संगठन होने का दावा करने वाले संघ और उसके समस्त आनुषंगिक संगठनों का

भाजपा एक स्वतंत्र राजनीतिक दल नहीं है, अपितु संघ का एक आनुषंगिक संगठन है। मातृ संगठन होने के कारण संघ, भाजपा को बचाने के लिये पहले से ही तमाम कोशिशें करता रहा है और आगे भी रहेगा। देशभक्त संगठन होने का दावा करने वाले संघ और उसके समस्त आनुषंगिक संगठनों का अग्निवीर योजना पर मोहन भागवत नेकभी नहीं बोले

अग्निवीर योजना पर मोहन भागवत ने कभी नहीं बोले। संघ की श्रीमद मोहनभागवत में जो भी तब्दीली आप देख रहे हैं उसके पीछे आम चुनाव में भाजपा के कमजोर होकर उभरना है। संघ नहीं चाहता कि इस पराजय से भाजपा के प्रति जनता में अनास्था और बढ़े, इसलिए संघ ने अपना पैंतरा बदलते हुए न सिर्फ मणिपुर का राग अलापा बल्कि अहंकार को भी मुद्दा बनाया। संघ लगातार भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहा है। संविधान को आसन्न खतरे के मुद्दे पर चूंकि संघ स्वयं आरोपित है, इसलिए इस मुद्दे पर कुछ न कहते हुए चुप्पी साध रखी है। भाजपा के नेतृत्व को अहंकारी कहने वाला संघ चीन के मामले में भी खतरनाक रूप से सरकार के साथ है। इस मामले पर न तो राहुल गांधी के आरोप पर सरकार कुछ बोल रही है न संघ। उल्टा संघ सरकार की पीठ थपथपा रहा है। [मणिपुर का मामला अपवाद है] मोशा जोड़ी की आलोचना करने वाला संघ बढ़ती बेरोजगारी और तीस लाख खाली पद भरने के लिए कुछ भी कहने बोलने को तैयार नहीं हैइसीलिए मै कहता हूँ कि- सुनो इंडिया गठबंधन ! मोहन भागवत जी ने जो कहा उसकी अनदेखी करिए। बिल्कुल अनदेखी करिए। उस पर बात ही मत करिए। संघ आईएनडीआईए गठबंधन कि अपने एजेंडा में फंसा रहा है। यदि इंडिया गठबंधन संघ के झांसे में आ गया तो अपना एजेंडा भूल जाएगा। अपने घोषणा पत्र पर अमल के लिए केंद्र और राज्य सरकारों पर दबाव बनाना भूल जाएगा संघ और भाजपा के गठजोड़ का सबसे बड़ा प्रमाण ये है कि डॉ भागवत एयर इंद्रेश कुमार के आरोपों के बारे में न प्रधानमंत्री कुछ बोले हैं और न भाजपा के कामचलाऊ अध्यक्ष जेपी नड्डा। ये लोग बोलेंगे भी नहीं ,क्योंकि हैं तो दोनों एक ही थैली के चट्टे-बट्टे। संघ नए-नए विवादों के जरिये लोकसभा में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनावों को लेकर भी विपक्ष कि एकजुटता को प्रभावित करने कि कोशिश कर रहा है। एक बात और कि यदि भागवत जी भाजपा सरकार से नाराज होते तो जेड प्लस सुरक्षा लेकर देशाटन न कर रहे होते। यदि वे सचमुच सरकार से नाराज हैं तो सबसे पहले जेड प्लस सुरक्षा वापस करें। अपने स्वयं सेवकों की अभिरक्षा में रहें।आगे क्या होगा वो भगवान ही जाने।

चेतना का वैज्ञानिक दृष्टिकोण

-संजय गोस्वामी

मानव या सजीव प्राणियों में चेतना का वर्णन करने के विविध एवं विभिन्न विधियाँ हैं तथा ये समस्त विधियाँ विभिन्न शोधकर्ताओं के हितों पर आधारित होती हैं अर्थात, मनोवैज्ञानिक, न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट, कंप्यूटर वैज्ञानिक, तत्वमीमांसा दार्शनिक तथा भौतिक विज्ञानी इत्यादि। चेतना को व्यक्तिपरक, तत्काल या दूरस्थ ज्ञान के समुच्चय रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो प्रत्येक व्यक्ति के पास दुनिया व उसके स्वयं के बारे में है। मन, चेतना एवं मानव मस्तिष्क के मध्य समन्वय को जानने हेतु यह आलेख प्रकाश डालता है कि मनुष्य में अंतर्निहित क्वाण्टम आधारित तंत्र किस प्रकार कार्य करते हैं तथा यह भी प्रदर्शित करता है कि मानव में न्यूरोफिजियोलॉजी के समुचित सिद्धांत को विकसित करने हेतु क्वाण्टम स्तर पर आगे बढ़ना क्यों आवश्यक हो गया है। वास्तव में, मस्तिष्क व चेतना के मध्य, संबंधों को प्रमाणित करनेवाले और भी अधिक परिष्कृत परीक्षण के साधन उपलब्ध हैं। स्पष्ट रूप से, पिछली शताब्दी के समय चेतना के समस्त सिद्धांतों को उन मनोवैज्ञानिकों द्वारा समर्थित किया गया जो न्यूटन के शास्त्रीय यांत्रिकी पर आधारित, उन्नीसवीं शताब्दी के भौतिक विज्ञान की विशेषता लिए भौतिकवाद की ओर बढ़ रहे थे। ये आकलन इस बात को इंगित करने का प्रयास कर रहे हैं कि चेतना केवल भौतिक मस्तिष्क का कार्य है। यह भौतिकवादी मनोविज्ञान, जॉन वॉटसन (1916) द्वारा समर्थित था, जिन्होंने यह समझाने का प्रयास किया कि मनोविज्ञान, विज्ञान की एक विशुद्ध रूप से उद्देश्यपूर्ण प्रयोगात्मक शाखा है जिसके लिए कोई चेतना की आवश्यकता नहीं है। एक सैद्धांतिक दृष्टिकोण से, संभवतः अनुसंधान के इस क्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह मन, चेतना व मस्तिष्क के मध्य समन्वय को प्रमाणित करने के एक नए विज्ञान-आधारित मार्ग हेतु प्रयोगसिद्ध समर्थन प्रदान करता है। मस्तिष्क की कार्यात्मक गतिविधियों को समझने हेतु हाल ही में सभी प्रयास, शास्त्रीय भौतिकी के कुछ सिद्धांतों पर, वस्तुतः कम से कम प्रच्छन्न रूप से आधारित हो गए हैं, जिन्हें लगभग तीन दशकों से मौलिक रूप से असत्य माना जाता रहा था। भौतिक विज्ञान की उत्कृष्ट अवधारणा के अनुसार, समग्र अनियत संबद्धताओं व भौतिक अवलोकनीय मापदंडों के मध्य विवेचनाओं के भौतिक यथार्थ को यांत्रिक अंतःक्रियाओं के संदर्भ में व्याख्यायित अथवा विश्लेषित किया जा सकता है। परंतु यह भी सत्य है कि कार्यकारण की विधि पर यह प्रतिबंध, क्वाण्टम भौतिकी के वर्तमान में लागू सिद्धांतों द्वारा पूर्ण रूप से प्रबंधित नहीं किया गया है, जो परिणामतः वैज्ञानिक विवरण हेतु वैकल्पिक वैचारिक आधार प्रदान करता है तथा स्व-निर्देशित न्यूरोप्लास्टिसिटी की संरचना के प्रतिमान भी स्थापित करता है। न्यूरोप्लास्टिसिटी का मतलब है मस्तिष्क की अनुकूलन क्षमता। या, जैसा कि डॉ. कैंपबेल कहते हैं। यह मस्तिष्क में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों को संदर्भित करता है जो हमारे पर्यावरण के साथ हमारी अंतःक्रियाओं के परिणामस्वरूप होते हैं। जब से मस्तिष्क गर्भ में विकसित होना शुरू होता है, तब से लेकर हमारे मरने तक, हमारे मस्तिष्क में कोशिकाओं के बीच संबंध हमारी बदलती जरूरतों के जवाब में पुनर्गठित होते हैं।

दैनिक पंचांग

17 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2024 वर्ष का 169 वां दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि एकादशी अहोरात्र।
नक्षत्र चित्रा 13.51 बजे को समाप्त।
योग परिघ 21.34 बजे को समाप्त।
करण वणिज 17.39 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 23'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872013
जूलियन दिन 2460478.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्हेज
तारीख 10
विशेष गायत्री जयंती, ईद अल-अधा, बकरीद।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.05 बजे से
चंद्र	तुला में	कर्क	07.23 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.39 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.51 बजे से
गुरु	वृष में	तुला	14.01 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	16.16 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	18.32 बजे से
राहु	मीन में	मकर	20.37 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	22.24 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मीन	23.57 बजे से
		मेष	01.27 बजे से
		वृष	03.07 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	05.53 से	07.22	बजे तक	चर	05.43 से	07.14	बजे तक
काल	07.22 से	08.50	बजे तक	रोग	07.14 से	08.45	बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19	बजे तक	काल	08.45 से	10.17	बजे तक
रोग	10.19 से	11.48	बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48	बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17	बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19	बजे तक
चर	01.17 से	02.45	बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51	बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14	बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2	बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43	बजे तक	चर	04.22 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभस्य श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

विशेष

यूं ही नरम नहीं हुए ट्रुडो

यह कौन नहीं जानता कि खालिस्तानी आंतकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले को बार बार उठाने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रुडो के खालिस्तानियों को समर्थन को देखते हुए भारत ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया था। इसके बाद भारत और कनाडा के रिश्तों में कड़वाहट आ गई। दोनों देशों ने विभिन्न मंचों पर इस बारे में चिंता भी व्यक्त की है,लेकिन अब सब सामान्य लग रहा है क्योंकि इटली में हाल ही में हुए जी7 समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो की मुलाकात हुई है। पीएम मोदी से मिलने के बाद जस्टिन ट्रुडो के तेवर नरम पड़ते दिखे हैं। यही नहीं बल्कि कनाडा के पीएम ने भारत के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर साथ काम करने की इच्छा भी जाहिर कर दी है। ऐसे में देखने और सुनने वाले तो यही कह रहे हैं कि ट्रुडो यूं ही नहीं नरम पड़े हैं, बल्कि पीएम मोदी के कद के आगे वो अपने आप को इतना बौना पाए कि अब उनके सामने सब सही करने के सिवा कोई चारा ही नहीं बचा होगा।

जल संकट का सियासी हल

इस गर्मी में दिल्ली के रहवासी चुल्लू भर पानी के लिए परेशान हैं, लेकिन सियासत करने से बाज नहीं आ रहे नेताओं को इससे मानों कोई फर्क नहीं पड़ता है। इसलिए जल संकट दूर करने माकूल इंतजाम करने की बजाय ये सियासी बयान जारी करने में मस्त हैं। यही वजह है कि पहले कांग्रेस मटका फोड़ प्रदर्शन करती है उसके बाद भाजपा जो खुद केंद्र में बिराजमान है, मटका फोड़कर लोगों को अपनी जिम्मेदारी दिखाने का उपक्रम करती है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1756 : नवाब सिराजुद्दौला ने पचास हजार सैनिकों के साथ कलकत्ता पर हमला किया. 1977 : महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम में हृदयकुंज को अपना आवास बनाया. 1925: युद्ध में जहरीली गैसों के प्रयोग के निषेध पर देशों ने समझौते पर हस्ताक्षर किए. 1928 : आधुनिक उड़ीसा के निमार्ता पंडित गोपबंधु दास का निधन हुआ था. 1944 : आइसलैंड स्वतंत्र गणराज्य बना. 1950 : शिकागो के डाक्टर रिचर्ड लालर ने गुर्दे के प्रत्यारोपण का पहला सफल ऑपरेशन किया. 1967 : चीन ने हाइड्रोजन बम का पहला विस्फोट किया. 1972 : वाटरगेट इमारत स्थित डेमोक्रैटिक पार्टी के कार्यालय में जासूसों का उपकरण लगाते हुए पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया. 1991: दक्षिण अफ्रीका श्वेत बहुमत वाली संसद ने नस्ली वर्गीकरण संबंधी कानून को सम्मत किया.

आज का राशिफल

मेष आज का दिन करियर के मामले में खास लाभ देने वाला रहेगा। आज आपका दिन परोपकार में बीतेगा।

तुला आज लाभ से भरा दिन है और आज आपको विशेष उपलब्धि प्राप्त होगी और आय के नए स्रोत बनेंगे।

वृषभ आज शुभ योग बन रहे हैं। भाग्यवश दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा।

वृश्चिक आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा। आपके धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होगी।

मिथुन पिता व उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु या फिर संपत्ति की प्राप्ति होगी।

धनु आज दिन काफी खर्चीला होगा। धन का खर्च होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

कर्क आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होने से मन में संतुष्टि रहेगी।

मकर मन के अनुकूल लाभ होने से हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में अधिक सुदृढ़ होगी।

सिंह आज राजनीतिक क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व पूरे होंगे।

कुंभ आज लाभ का दिन है। अकस्मात भागदौड़ और अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है।

कन्या आज भाग्य में वृद्धि के योग हैं और आपको हर मामले में सफलता प्राप्त होगी।

मीन आज जीवन आनन्ददायक बीतेगा। आज आपको पास और दूर की यात्रा करनी पड़ सकती है।

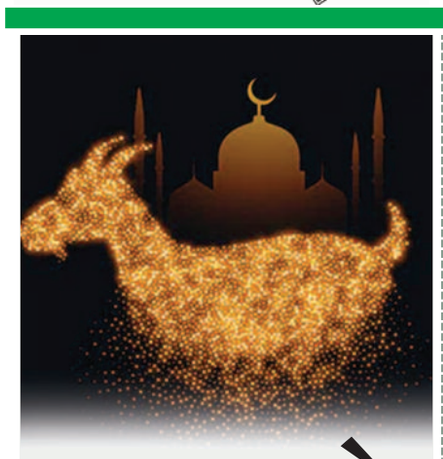

17 जून को मनाया जाएगा कुर्बानी का त्योहार ईद-उल-अजहा

जून का महीना मुस्लिम समुदाय के लिए कुर्बानी का महीना माना जाता है. इसे बकरीद भी कहते हैं. इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक, बकरीद यानी ईद-उल-अजहा जिलहिज्जा के 12वें यानी आखिरी महीने का चांद दिखने के 10वें दिन मनाई जाती है. जो इस बार 17 जून को मनाई जाएगी. इस दिन बड़ी ईदगाह में सुबह 7.45 पर ईद की नमाज अदा की जाएगी. ईद की नमाज अदा करने के बाद सभी मुस्लिम भाई एक-दूसरे के गले मिलेंगे और ईद की मुबारकबाद देंगे.

ईद-उल-अजहा का महत्व

ईद-उल-अज़हा पैगम्बर इब्राहिम की अल्लाह पर विश्वास की याद में मनाया जाता है. इस दिन अल्लाह ने इब्राहिम को अपने बेटे की कुर्बानी देने का आदेश दिया था. इब्राहिम ने अल्लाह की आज्ञा का पालन किया और चेहरे पर किसी भी तरह की चिंता के बिना कुर्बानी देने के लिए आगे बढ़ चला. यह देखकर अल्लाह बहुत खुश हुए. उन्होंने इब्राहिम को अपने जान से भी प्यारे बेटे की कुर्रबानी से रोकते हुए उन्हें एक भेड़ की कुर्बानी देने का आदेश दिया. जिसके बाद से अपनी सबसे खास चीज की कुर्बानी देने का रिवाज बन गया. माना जाता है कि इससे अल्लाह के प्रति और भी एतबार कायम होता है.

ईद-उल-अजहा कैसे मनाया जाता है

ईद-उल-अजहा के दिन, मुस्लिम समुदाय के लोग सुबह जल्दी उठकर नहाते हैं और नए कपड़े पहनते हैं. फिर वे ईद की नमाज़ पढ़ने के लिए ईदगाह या मस्जिद जाते हैं. नमाज़ के बाद, भेड़ या बकरे की कुर्बानी दी जाती है. कुर्बानी का मांस तीन भागों में बांटा जाता है- एक भाग गरीबों और जरूरतमंदों में बांटा जाता है, दूसरा रिश्तेदारों और दोस्तों को दिया जाता है, और तीसरा परिवार के लिए रखा जाता है. अपनों में प्यार बांटने का है ये त्योहार जाहिर है इस दिन का मुस्लिम समदाय में बेसब्री के साथ इतजार किया जाता है. ईद-उल-अजहा के दिन सभी, रिश्तेदारों से मिलने, दावत खाने और एक-दूसरे को उपहार देने का भी होता है. बच्चे नए कपड़े पहनकर और ईदी (ईद की राशि) लेकर बहुत खुश होते हैं.

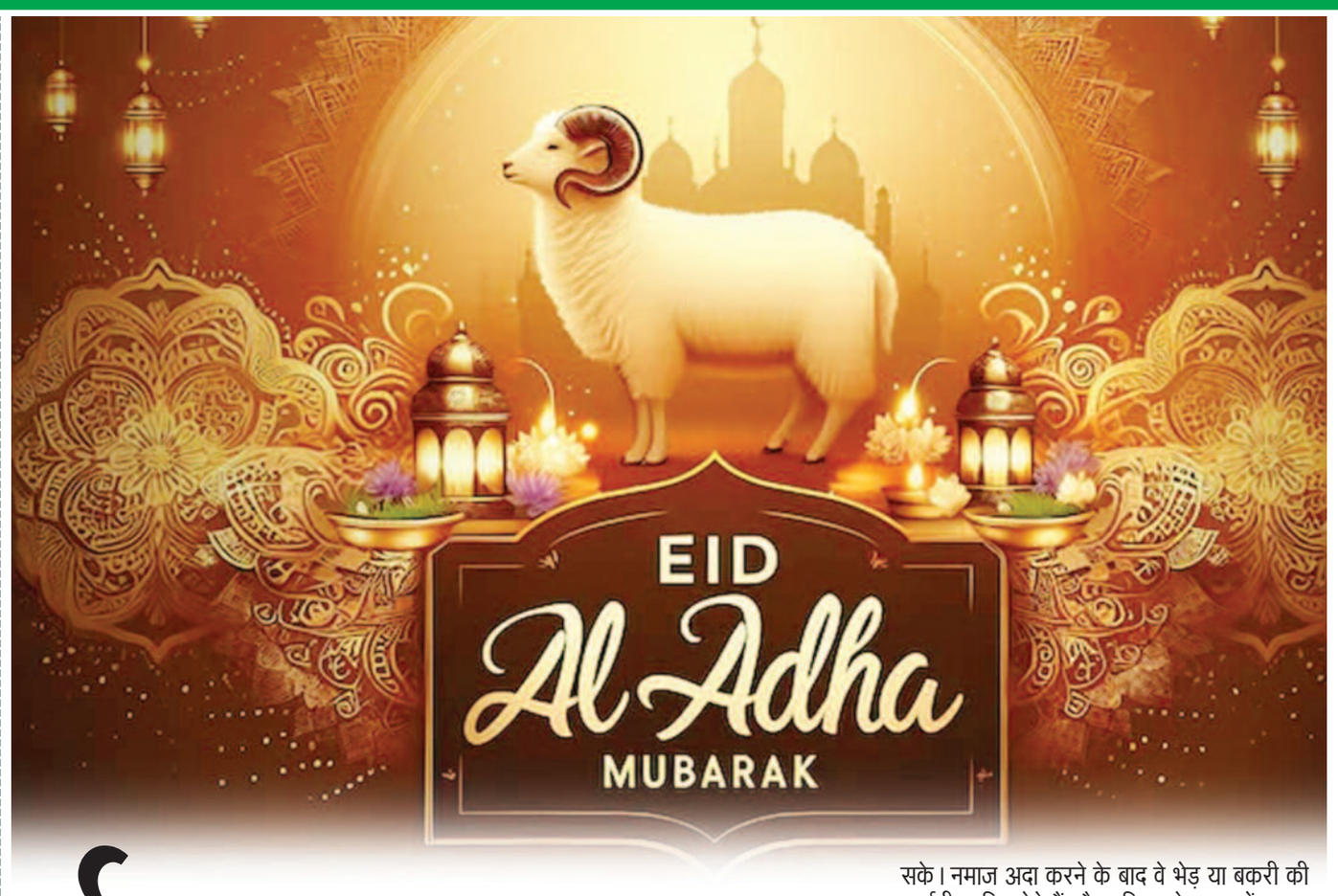

ईद-उल-अजहा क्यों माना गया है खास?

हर साल भारत में अलग- अलग त्योहार मनाएं जाते हैं। त्योहार हमारे जीवन का अनमोल हिस्सा है ये हमारे जीवन को खुशियों , अभिलाषाओं और उमंग से भर देते है। भारत एक सांस्कृतिक देश है जहाँ अनेक धर्मो के लोग रहते हैं । हर धर्म के त्यौहारों को बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता हैं। चाहे हिन्दुओं की दिवाली हो , सिखों की लोहड़ी, ईसाइयों का क्रिसमस हो या मुसलमानों की ईद। जैसा ईद को ईद-उल-अजहा या ईद-उल-जुहा भी कहा जाता है। दुनिया भर में उत्साह के साथ मनाया जाता है।

ईद उल जुहा क्या है?

ईद उल जुहा जिसे हम कुर्बानी ईद भी कहते है ये रमजान या ईद उल फितर या मीठी ईद के 70 दिनों के बाद मनाई जाती है। ईद की तारीख चाँद दिखाने के बाद की मुकरर की जाती है । ये इस्लाम का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जिसका जिक्र कुरान में भी है।

कब मनाया जाएगा

भारत में बकरीद 17 जून 2024 को मनाया जाएगा। लेकिन ये संभावित तारीख है। ईद उल जुहा का चांद दिखने के बाद ही इसकी तारीख का ऐलान होगा। इसलिए बकरीद की तारीख एक दिन आगे या पीछे हो सकती है। ईद उल अजहा इस्लामी कैलेंडर का 12वां और आखिरी महीना होता है।

क्यों मनाई जाती है ईद उल जुहा

मुस्लिम मान्यताओं के अनुसार पैगंबर हजरत इब्राहिम के सपने में अल्लाह ने उनकी सबसे प्यारी चीज की कुर्बानी मांगी थी । वो अपने बेटे से बहुत प्यार करते थे उनके लिए धर्म संकट की परिस्तिथिति पैदा हो गयी। एक तरफ अल्लाह का फरमान दूसरी तरफ उनका लख्ते जिगर बेटा। उन्होंने अपनी भावनाओं को परे रखते हुए अल्लाह के फरमान का पालन करने की बात मान और बेटे की कुर्बानी देने का फैसला किया। पैगंबर हजरत इब्राहिम ने अपने बेटे को गले लगाया और बेटे ने गर्दन झुकाई जैसे ही इब्राहिम ने गर्दन पर छुरी फेरी अल्लाह ने इस्माइल को हटा कर बकरे को को रख दिया।

किसकी कुर्बानी दी जाती है?

ईद उल जुहा ईद के दिन बकरा, भेड़, ऊट इनमें से किसी की भी कुर्बानी देनी पड़ती है। अगर किसी जानवर के शरीर का कोई टूटता तो उसकी कुर्बानी नहीं दी जाती है। ईद उल जुहा के दिन कुर्बानी के गोश्त को तीन हिस्सों में बांटा जाता है। एक खुद के लिए, दूसरा सगे-संबंधियों के लिए और तीसरे हिस्से को गरीब लोगों में बांटने का रिवाज है। पहले अपना कर्ज उतारें, फिर हज पर जाएं। तब बकरीद मनाएं। इसका मतलब यह है कि इस्लाम व्यक्ति को अपने परिवार, अपने समाज की पूरी जिम्मेदारी निभाने पर जोर देता है।

ईद उल जुहा और ईद उल फितर में अंतर

ईद उल जुहा और ईद-उल-फितर में फर्क इतना है कि ईद-उल-फितर खुशी के तौर पर देखा जाता है रमजान के तौर पर मनाई जाती है और ईद उल जुहा यानी की बकरीद गरीब और मुस्लिमों के लिए उनके साथ मिलकर मनाई जाती है । कुर्बानी का जो सिधांत है उसका यही मतलब है कि वह गोश्त गरीबों में बाटे ताकि गरीबों को एक वक्त का खाना मिल सके। नमाज अदा करने के बाद वे भेड़ या बकरी की कुर्बानी (बलि) देते हैं और परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों और गरीबों के उसे बाटते है ।

नमाज

मस्जिद में लोग सूरज उदय होने के बाद नमाज अदा कर सकते है। प्रार्थना और सीख के बाद लोग गले लग कर एक दूसरे को ईद मुबारक बोलते हैं । लोगों को आमंत्रित करते हैंऔर सभी जगह हर्ष और उल्लास का माहौल देखने को मिलता है।

ईद उल जुहा की परंपराएँ

बच्चें ,महिलाएं और पुरुष के खुले मैदान में नमाज अदा करते हैं नमाज अदा करने के लिए नए कपड़ो में तैयार होते हैं। अपने सबसे अच्छे घरेलू पशु जैसे गाये , ऊट , बकरी , भेड़ को पैगंबर हजरत इब्राहिम के बेटे की बलि के प्रतिक के ररूप में मनाया जाता है । महिलाएं पकवान बनाती हैं। सभी एक दूसरे को बाटते हैं, गिफ्ट देते हैं और बच्चों को ईदी भी दी जाती है। सभी यह त्योहार हिजरी के आखिरी महीने जल हिज्ज में मनाया जाता है। इस महीने में दुनिया भर के मुस्लिम हज की यात्रा में जाते हैं। हजरत इब्राहिम के सपने और कुर्बानी की घटना के बाद अपने बेटे और पत्नी हाजरा को मक्का में लाने का निर्णय लिया था। उस समय मक्का सिर्फ एक रेगिस्तान था। हजरत इब्राहिम ने अपने बेटे और पत्नी को वहां बसाया औड़े। उस समय रेगिस्तान में अपने परिवार को बसाना इब्राहिम के लिए कुर्बानी के समान था इस्माइल बड़े हुए तो एक काफिला गुजर रहा था उसमें एक लड़की थी। उस लड़की से इस्माइल का विवाह करवा दिया गया। एक वंश की रचना हुई जिसे इश्माइलिट्स, या वनु इस्माइल कहा जाता है। इसी वंश में हजरत मुहम्मद साहब का जन्म हुआ था। सही मायने में ईद उल जुहा (बकरीद) त्योहार त्याग का प्रतीक है मुस्लिमों के मुख्य त्योहारों में से यह त्योहार लोगों की सेवा करने की तरफ प्रभावित करता है।

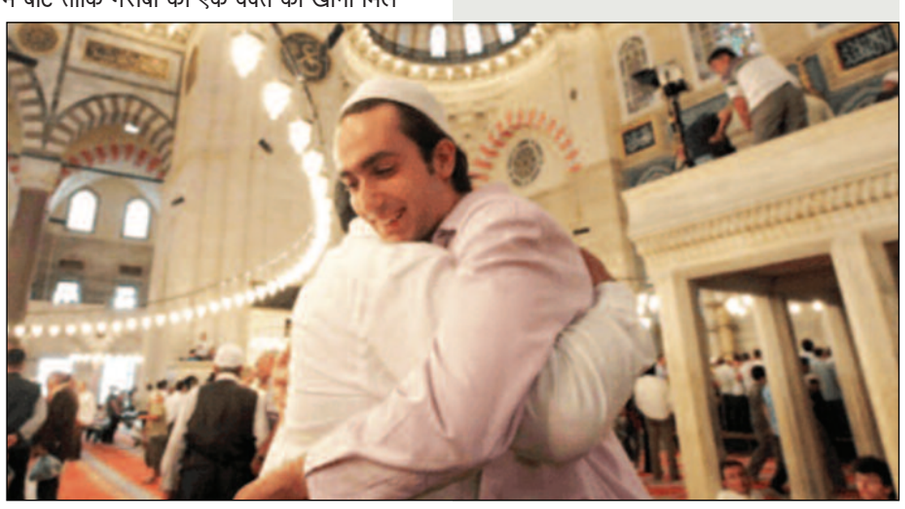

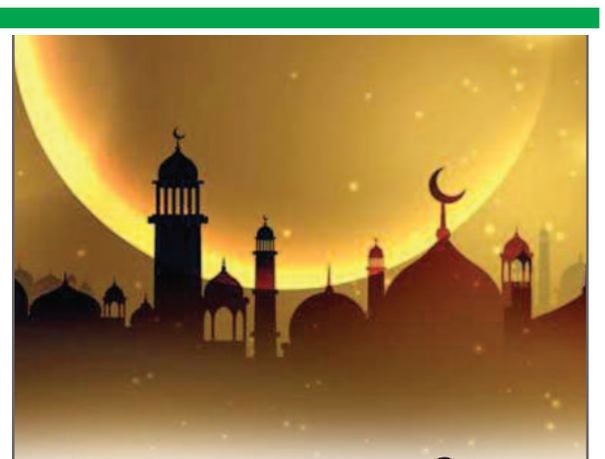

इस्लाम धर्म का दूसरा प्रमुख त्योहार है ईद-उल-जुहा

ईद-इल-फित्र के दो तीन महीने बाद ईद-उल-जुहा का त्योहार मनाया जाता है. इस्लाम धर्म का यह दूसरा प्रमुख त्योहार है.इसे बकरीद के नाम से भी जाना जाता है. ईद-उल-जुहा हजरत इब्राहिम की कुर्बानी की याद के तौर पर मनाया जाता है. इस दिन हजरत इब्राहिम अल्लाह के हुक्म पर अल्लाह के प्रति अपनी वफादारी दिखाने के लिए अपने बेटे हजरत इस्माइल को कुर्बान करने पर राजी हुए थे.इस पर्व का मुख्य लक्ष्य लोगों में जनसेवा और अल्लाह की सेवा के भाव को जगाना है. ईद-उल-जुहा का यह पर्व इस्लाम के पांचवें सिद्धान्त हज की भी पूर्ति करता है. ईद-उल-जुहा को कैसे मनाया जाता है?

- ईद-उल-जुहा के दिन मुसलमान किसी जानवर जैसे बकरा, भेड़, ऊंट आदि की कुर्बानी देते हैं.इस कुर्बानी के गोश्त को तीन हिस्सों में बांटा जाता है: एक खुद के लिए, एक सगे-संबंधियों के लिए और एक गरीबों के लिए.
- इस दिन सभी लोग साफ-पाक होकर नए कपड़े पहनकर नमाज पढ़ते हैं.मर्दों को मस्जिद व ईदगाह और औरतों को घरों में ही पढ़ने का हुक्म है. नमाज पढ़कर आने के बाद ही कुर्बानी की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है.
- ईद उल फित्र की तरह ईद उल जुहा में भी जकात देना अनिवार्य होता है ताकि खुशी के इस मौके पर कोई गरीब महरूम ना रह जाए.

कुरआन में बताया गया है कि एक दिन अल्लाह ने हजरत इब्राहिम से सपने में उनकी सबसे प्रिय चीज की कुर्बानी मांगी.हजरत इब्राहिम को सबसे प्रिय अपना बेटा लगता था.उन्होंने अपने बेटे की कुर्बानी देने का निर्णय किया.लेकिन जैसे ही हजरत इब्राहिम ने अपने बेटे की बलि लेने के लिए उसकी गर्दन पर वार किया, अल्लाह चाकू की धार से हजरत इब्राहिम के पुत्र को बचाकर एक भेड़ की कुर्बानी दिलवा दी.इसी कारण इस पर्व को बकरीद के नाम से भी जाना जाता है.

विशेष प्रार्थनाओं और अभिवादन करने का त्यौहार

ईद-उल-जुहा (बकर-ईद) अत्यधिक खुशी, विशेष प्रार्थनाओं और अभिवादन करने का त्यौहार है और इस मुसलिम त्यौहार पर उपहार दिए जाते हैं। ईद-उल-जुहा, कुर्बानी का त्यौहार, भारत व विश्व में परंपरागत धर्मोत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इसे, अरबी भाषा में ईद-उल-जुहा और भारतीय उप महाद्वीप में उर्दू में बकर-ईद कहा जाता है, क्योंकि इस दिन बकरे की कुर्बानी दी जाती है। इस्लामी विश्वास के अनुसार, इब्राहिम की परीक्षा लेने के लिए अल्लाह ने उसे अपने बेटे की कुर्बानी देने का हुक्म दिया। अतः मक्का के नजदीक मीना के पहाड़ पर इस्माइल को वेदी पर चढ़ाने से पहले, उसने अपनी आंखों पर पट्टी बांध ली। जब अपना काम पूरा करने के बाद पट्टी हटाई तो उसने अपने पुत्र को अपने सामने जिन्दा खड़ा हुआ देखा। बेदी पर कटा हुआ मेमना पड़ा हुआ था। इस अवसर पर आनन्दपूर्ण उत्सव व संतुलित धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। इस त्यौहार के तीन दिनों में से एक दिन, प्रत्येक ऐसे मुसलमान द्वारा जिसके पास 400 ग्राम या इससे अधिक सोना है, बकरा, भेड़ अथवा कोई भी चौपाया पशु कुर्बान किया जाना अपेक्षित है। यह अल्लाह व उसके हुक्म के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। ईद की नमाज के बाद कुर्बानी का गोश्त वितरित किया जाता है व मिलकर खाया जाता है। यह त्यौहार हज (सऊदी अरब के मक्का की धार्मिक यात्रा) के पूरा होने का भी प्रमाण है।

ईद-उल-अजहा कुर्बानी का फर्ज

इस्लामी साल में दो ईदें मनाई जाती हैं- ईद-उल-जुहा और ईद-उल-फितर.ईद-उल-फितर को मीठी ईद कहते हैं.जबकि ईद-उल-जुहा को बकरीद या फिर इसे बड़ी ईद भी कहा जाता है.वैसे तो हर पर्व त्योहार से जीवन की सुखद यादें जुड़ी होती हैं लेकिन ई-उल-फितर और ईद-उल-जुहा से मुसलमानों यानी इस्लाम धर्म के मानने वालों का खास रिश्ता है.

दुनिया में कोई भी कौम आपको ऐसी नहीं मिलेगी जो कोई एक खास दिन त्योहार के रूप में न मनाती हो.इन त्योहारों से एक तो धर्म का विशेष रूप देखने को मिलता है और अन्य सम्प्रदायों व तबकों के लोगों को उसे समझने और जानने का.इस्लाम का मतलब होता है ईश्वर के समक्ष, मनुष्यों का पूर्ण आत्मसमर्पण और इस आत्मसमर्पण के द्वारा व्यक्ति, समाज तथा मानवजाति की 'शान्ति व सुरक्षा' की उपलब्धि.यह अवस्था आरंभ काल से तथा मानवता के इतिहास हजारों वर्ष के लंबे सफर तक हमेशा से मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता रही है.इस्लाम धर्म में पांच ऐसे अरकान हैं जिन्हें हर मुसलमान को पूरा करना है.हज उनमें से आखिरी फर्ज माना जाता है.मुसलमानों के लिए जिंदगी में एक बार हज करना जरूरी है अगर उसके पास हज पर जाने लायक धन है.हज पूरा होने की खुशी में ईद-उल-जुहा का त्योहार मनाया जाता है.

यह कुर्बानी या बलिदान का त्योहार भी है. इस्लाम में बलिदान का बहुत अधिक महत्व है. कहा गया है कि अपनी सबसे प्यारी चीज अल्लाह की राह में खर्च करो.अल्लाह की राह में खर्च करने का मतलब नेकी और भलाई के कामों में खर्च करना है.यहूदी, ईसाई और इस्लाम तीनों ही धर्म के पैगंबर हजरत इब्राहीम ने कुर्बानी का जो उदाहरण दुनिया के सामने रखा था, उसे आज भी परंपरागत रूप से याद किया जाता है.हजरत मोहम्मद साहब का आदेश है कि कोई व्यक्ति जिस भी परिवार,समाज, शहर या मुल्क में रहने वाला है, उस व्यक्ति का फर्ज है कि वह उस देश, समाज, परिवार की हिफाजत के लिए हर कुर्बानी देने को तैयार रहे.इसका मतलब यह है कि इस्लाम व्यक्ति को अपने परिवार, अपने समाज के दायित्वों को पूरी तरह निभाने पर जोर देता है.ईद-उल-फितर की तरह ईद-उल-जुहा में भी गरीबों और मजलूमों का खास ख्याल रखा जाता है.इसी मकसद से ईद-दल-जुहा के समान यानी कि कुर्बानी के समान के तीन हिस्से किए जाते हैं. एक हिस्सा खुद के लिए रखा जाता है, बाकी दो हिस्से समाज में जरूरतमंदों में बांटने के लिए होते हैं, जिसे तुरंत बांट दिया जाता है. ईद-उल-जुहा का इतिहास काफी पुराना है. भारत में भी ईद-उल-जुहा का त्योहार मनाने का रिवाज बहुत पुराना है.मुगल बादशाह जहांगीर अपनी प्रजा के साथ मिलकर ईद-उल-जुहा मनाते थे.गैर मुस्लिमों के सम्मान में ईद वाले दिन शाम को दरबार में उनके लिए विशेष शुद्ध शाकाहारी भोजन हिंदू बावर्चियों द्वारा ही बनाए जाते थे.बड़ी चहल-पहल रहती थी.बादशाह दरबारियों और आम प्रजा के बीच इनाम-इकराम भी खूब बांटते थे. इस्लाम धर्म के अनुसार हर व्यक्ति को ईदुल अजहा के दिन सुबह सवेरे गुस्ल करना चाहिए.हैसियत के मुताबिक अच्छे कपडे पहनना और खुशबू लगाना चाहिए जो की सुन्नत है.नमाज ईदुल अजहा से पहले कुछ नहीं खाना चाहिए.नमाज खुले मैदान में अदा करनी चाहिये.नमाज के लिये निहायत सुकून के साथ ऊंची आवाज से तकबीरात पढ़ते हुए जाना चाहिये.इस बात का ख्याल रखना चाहिये कि जिन इलाकों में हैसियत वाले लोग ज्यादा हों वहां तो जितने दिन चाहें कुर्बानी का गोश्त रखकर खायें लेकिन जहां फकीर, गरीब, और मोहताज वगैरा ज्यादा हों जो कुर्बानी नहीं कर सकते, वहां कुर्बानी करने वालों को गोश्त जमा करने की बजाये यह कोशिश करनी चाहिये कि कुर्बानी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे.ईदुल अजहा में छुपे हुऐ कुर्बानी के जज्बे का मकसद तो यह है कि इसका फायदा गरीबों तक पंहुचें, उनको अपनी खुशी में शामिल करने का खास इंतजाम किया जायें.ताकि उस एक दिन तो कम से कम उनको अपने नजर अंदाज किये जाने का एहसास न हो और वह कुर्बानी के गोश्त के इंतजार में दाल-चावल खाने पर मजबूर न हों.

ईद-उल-अजहा का त्योहार हजरत इब्राहिम (अ.) और उनके पुत्र हजरत इस्माईल (अ.) की याद में मनाया जाता है, जो खुदा के हुक्म पर बिना किसी हिचक के अपने प्यारे बेटे इस्माइल की कुर्बानी देने के लिए तैयार हो गए थे.अल्लाह का हुक्म होते ही हजरत इब्राहिम अपने पुत्र को कुर्बान करने के लिये आबादी से बहुत दूर ले गये और आंख पर पट्टी बांधकर गले पर छुरी चला दी.लेकिन अल्लाह के हुक्म से छुरी नहीं चली और हजरत इब्राहिम अल्लाह के इम्तहान में कामयाब हो गए.अल्लाह तआला को ये अदा इतनी पसंद आयी कि कयामत तक आने वाले मुसलमानों के लिये यादगार की चीज इबादत के शक्ल में करार दिया.दस जिलहिज्जा से बाहर जिल हिज्जा तक मुसलमान कुर्बानी कर सकते हैं.अल्लाह के पास कुर्बानी से बढ़कर कोई पसंदीदा अमल नहीं हो सकता. मुसलमान यह त्योहार हर साल बड़े ही मुर्सरत और सौहार्द से मनाते हैं.

सुकन्या समृद्धि, पीपीएफ पर बड़ा अपडेट, सरकार के ताजा फैसले के बाद ज्यादा मिलेगा ब्याज

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने छोटी बचत स्कीमों की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही यानी 30 जून, 2024 तक ब्याज दरें जस की तस रहेंगी। वित्त मंत्रालय ने 8 मार्च, 2024 को एक सर्कुलर जारी करके यह जानकारी दी है। इस फैसले का मतलब यह है कि सुकन्या समृद्धि, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम समेत छोटी बचत स्कीमों की ब्याज दरों पर पहले जितना ब्याज मिलता रहेगा। सरकार हर तिमाही में छोटी बचत स्कीमों पर ब्याज दरें तय करती है।

नए सर्कुलर के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही यानी 1 अप्रैल, 2024 से 30 जून, 2024 तक तमाम छोटी बचत स्कीमों पर ब्याज की दरें वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (1 जनवरी, 2024 से 31 मार्च, 2024) के लिए अधिसूचित दरों के समान रहेंगी।

1. रिकरिंग डिपॉजिट

पहले बात करते हैं रिकरिंग डिपॉजिट की। छोटे निवेशकों के लिए बनाई गई इस स्कीम में आपको 6.7 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। खास बात यह है कि इसमें आप कम से कम

100 रुपये जमा कर सकते हैं। यानी कम पैसे में भी बचत का मौका!

2. टाइम डिपॉजिट

इसमें आपको एक साल, दो साल, तीन साल और पांच साल के हिसाब से ब्याज मिलता है। कम से कम 1,000 रुपये जमा करने होते हैं। हां, एक और जरूरी बात - पांच साल वाले खाते पर आपको इनकम टैक्स की धारा 80ष्ट के तहत टैक्स में छूट भी मिलती है।

3. पीपीएफ

अब बात करते हैं पब्लिक प्रोविडेंट फंड की। इसमें आप हर साल कम से कम 500 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। इस पर आपको 7.1 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। पीपीएफ में निवेश करने पर भी आपको इनकम टैक्स में छूट मिलती है।

4. सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

बुजुर्गों के लिए सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें 8.2 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। कम से कम 1,000 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 30 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। हां, एक बात का ध्यान रखें - अगर ब्याज 50,000 रुपये से ज्यादा हुआ तो उस पर टैक्स देना होगा।

5. पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम

अगर आप हर महीने एक तय रकम चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम आपके लिए है। इसमें आपको 7.4 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। कम से कम 1,000 रुपये से खाता खुलवा सकते हैं। अगर अकेले खाता खुलवा रहे हैं तो ज्यादा से ज्यादा 9 लाख रुपये और दोनों लोग मिलकर खुलवा रहे हैं तो 15 लाख रुपये जमा कर सकते हैं।

6. नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट पांच साल के लिए होता है। इस पर आपको 7.7 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। कम से कम 1,000 रुपये जमा करने होते हैं। इसमें कोई ऊपरी सीमा नहीं है। ह्रस्ष्ट में निवेश करने पर भी आपको इनकम टैक्स में छूट मिलती है।

7. किसान विकास पत्र

किसान विकास पत्र में निवेश करने पर आपका पैसा लगभग 9 साल 7 महीने में दोगुना हो जाता है। इस पर आपको 7.5 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है।

8. महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र

महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र महिलाओं और बच्चियों के लिए एक खास योजना है। इसमें आपको 7.5 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। यह योजना महिलाओं और बच्चियों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करती है।

9. सुकन्या समृद्धि योजना

बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सुकन्या समृद्धि योजना एक बेहतरीन योजना है। इसमें आपको 8.2 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। बेटी के 10 साल का होने से पहले यह खाता खुलवाया जा सकता है। इसमें आप कम से कम 250 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रुपये हर साल जमा कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

टाटा मोटर्स को पछाड़कर महिंद्रा एंड महिंद्रा बनी दूसरी बड़ी वैल्यूबल ऑटो कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। थार और स्कॉर्पियो जैसी पॉपुलर गाड़ियां बनाने वाली महिंद्रा एंड महिंद्रा देश की दूसरी सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी बन गई है। उसने टाटा मोटर्स को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। महिंद्रा एंड महिंद्रा का मार्केट कैप 3,65,193 करोड़ रुपए पहुंच गया है जबकि टाटा मोटर्स की बाजार वैल्यू 3,29,041 करोड़ रुपए है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर की कीमत आज 3 प्रतिशत बढ़कर 52-सप्ताह के नए उच्च स्तर 2,946 रुपए पर पहुंच गई। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 112 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। तीन बजे कंपनी का शेयर 1.96 फीसदी तेजी के साथ 2920.15 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। मारुति सुजुकी 4,04,436.47 करोड़ रुपए के मार्केट कैप के साथ देश की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में इस साल सेक्टोरल इंडेक्स और निफ्टी 50 दोनों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 72 प्रतिशत का प्रभावशाली रिटर्न दिया है। निफ्टी ऑटो इंडेक्स में पिछले एक साल में 75 प्रतिशत और इस साल 38 प्रतिशत तेजी आई है। पिछले फाइनेंशियल ईयर की चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2,038 करोड़ रुपए रहा। यह पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 32 फीसदी अधिक है। इसी तरह चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 11 फीसदी तेजी के साथ 25,109 करोड़ रुपए रहा।

पैसा रखिए तैयार, अगले हफ्ते इन 3 आईपीओ में दांव लगाने का मिलेगा मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप आईपीओ में दांव लगाकर बंपर मुनाफा कमाने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद भारी उतार-चढ़ाव का सामना करने वाला शेयर बाजार अब कुछ हद तक स्थिर हो गया है। इसी क्रम में अब अगले हफ्ते 3 नया आईपीओ मार्केट में आने वाला है। इनमें डीईई पाइपिंग सिस्टम्स, आसान लोन्स और स्टेनली लाइफस्टाइल्स के आईपीओ शामिल हैं। तीनों आईपीओ से जुटाई जाने वाली कुल राशि 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है। आइए जानते हैं इन आईपीओ के बारे में विस्तार से। डीईई पाइपिंग सिस्टम्स का आईपीओ 418.01 करोड़ रुपये का बुक-बिल्ट इश्यू है। इसमें 325 करोड़ रुपये के 1.6 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू और 93.01 करोड़ रुपये के कुल 46 लाख शेयरों का ऑफर फोर सेल शामिल है। डीईई पाइपिंग सिस्टम्स आईपीओ, 19 जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 21 जून को बंद होगा। आईपीओ को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट किया जाएगा जिसकी संभावित लिस्टिंग बुधवार, 26 जून है। डीईई पाइपिंग सिस्टम्स आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 193 रुपये से 203 रुपये प्रति शेयर के बीच तय किया गया है। आसान लोन 132 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ लॉन्च कर रहा है। इस इश्यू में पूरी तरह से 1.1 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है। आसान लोन आईपीओ 19 जून से 21 जून, 2024 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। इस आईपीओ को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट किया जाएगा जिसकी संभावित लिस्टिंग बुधवार, 26 जून है।

सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि कॉरपोरेट अधिग्रहण स्वतंत्र हो, जयराम रमेश का केंद्र पर कटाक्ष

नईदिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह द्वारा पेन्ना सीमेंट्स का अधिग्रहण करने के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया दी। इसे लेकर उन्होंने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने की सरकार की जिम्मेदारी है कि कॉरपोरेट्स के बीच प्रतिस्पर्धा कम न हो। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि कॉरपोरेट अधिग्रहण स्वतंत्र और निष्पक्ष होनी चाहिए।

जयराम रमेश ने कहा कि यह सुनिश्चित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है कि राजनीतिक सत्ता से मिलने वाले अनुचित लाभ का प्रयोग न किया जाए। उनकी यह टिप्पणी अदाणी समूह द्वारा पेन्ना सीमेंट्स का अधिग्रहण करने के बाद आई। कांग्रेस नेता ने कहा, आप क्रोनोलॉजी समझिएः देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बनने के लिए सितंबर 2022 में अदाणी ने अंबुजा सीमेंट का अधिग्रहण किया था। अगस्त 2023 में अदाणी ने सांघी इंडस्ट्रीज का अधिग्रहण किया और

अब दक्षिण भारत के अंतिम शेष क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी मजबूत करने के लिए पेन्ना सीमेंट्स का भी अधिग्रहण कर लिया।

उन्होंने आगे कहा, अब अदाणी आने वाले दिनों में सौराष्ट्र सीमेंट, वदराज सीमेंट और जयप्रकाश एसोसिएट्स के सीमेंट व्यवसाय के अधिग्रहण की संभावना तलाश रहे हैं। आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य का हवाल देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि मशहूर वित्तीय अर्थशास्त्री ने बताया था कि अदाणी समूह समेत पांच बड़े समूह सीमेंट और 40 अन्य क्षेत्रों में एकाधिकार बना रहे हैं।

जयराम रमेश ने आगे बताया कि यह बढ़ता एकाधिकार भारत की अस्थिर आर्थिक वृद्धि, बेरोजगारी और मुद्रास्फीति से जुड़ा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 2015 में जब एक व्यक्ति किसी सामान पर 100 रुपये खर्च करता था तो 18 रुपये व्यवसाय के मालिक को लाभ के रूप में मिलता था। 2021 से मालिक को अब 36 रुपये लाभ के रूप में मिल रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि कंपनियों का विस्तार होना चाहिए, लेकिन यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि प्रतिस्पर्धा कम न हो। अधिग्रहण स्वतंत्र और निष्पक्ष हो। इस दौरान सत्ता से मिलने वाले लाभ का प्रयोग न किया जाए

कच्चे पेट्रोलियम पर अप्रत्याशित लाभ कर घटाकर 3,250 रुपए प्रति टन किया गया

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) को 5,200 रुपए प्रति टन से घटाकर 3,250 रुपए प्रति टन कर दिया है। अप्रत्याशित लाभ कर, विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है। आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि नई दर 15 जून से प्रभावी हो गई है। भारत ने पहली बार एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया। इसके साथ ही वह ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाने वाले देशों में शामिल हो गया। पिछले दो सप्ताहों के औसत तेल मूल्यों के आधार पर कर दरों की समीक्षा हर पखवाड़े की जाती है।

कंपनियों ने पिछले हफ्ते बनाया खूब मुनाफा, निवेशकों ने की तगड़ी कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 85,582.21 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। शेयर बाजार के सकारात्मक रुख के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सबसे अधिक लाभ में रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 299.41 अंक या 0.39 प्रतिशत के लाभ में रहा। 13 जून को सेंसेक्स 77,145.46 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा।

समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का मूल्यांकन घट गया। इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में कुल मिलाकर 84,704.81 करोड़ रुपये का नुकसान रहा। सप्ताह के दौरान एलआईसी का बाजार

मूल्यांकन 46,425.48 करोड़ रुपये बढ़कर 6,74,877.25 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में एलआईसी ही रही। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,639.61 करोड़ रुपये बढ़कर 12,14,965.13 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सप्ताह के दौरान 10,216.41 करोड़ रुपये जोड़े और उसका मूल्यांकन 19,98,957.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 9,192.35 करोड़ रुपये बढ़कर 7,49,845.89 करोड़ रुपये हो गई। वहीं भारती एयरटेल का मूल्यांकन 1,108.36 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 8,11,524.37 करोड़ रुपये रहा।

कभी 300 से भी कम सैलरी में करते थे काम, 12वीं में दो बार हुए फेल, फिर ऐसे खड़ी कर दी 1 लाख करोड़ की कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। कभी 250 रुपये की सैलरी पर काम करने वाला शख्स आज अपनी मेहनत के दम पर करोड़पति बन गया है। अगर जिंदगी में पूरी ईमानदारी से मेहनत की जाए तो बड़ी से बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। दुनिया में ऐसे कम ही लोग हैं जो असफलता मिलने पर घबराते नहीं है। ये लोग अपनी असफलता को ही अपना आगे बढ़ने का जरिया बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है मुरली डिवी ने। आपने दवा बनाने वाली कंपनी डिवीज लैब के बारे में जरूर सुना होगा। मुरली डिवी इसी दवा बनाने वाली कंपनी डिवीज लैब के फाउंडर हैं। मुरली को ये सफलता ऐसे ही नहीं मिली है। उन्हें कई बार असफलता का सामना करना पड़ा। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आज वह एक लाख करोड़ रुपये की कंपनी के मालिक हैं।

दिग्गज फार्मा कंपनी डिवीज

लैब का फार्मा सेक्टर में बड़ा नाम है। कंपनी का मार्केट कैप 1.3 लाख करोड़ रुपये का है। इस कंपनी के फाउंडर मुरली डिवी के संघर्ष की कहानी उतनी ही प्रेरणादायक है। जितना संघर्ष मुरली डिवी ने किया उनकी सफलता उतनी ही बड़ी है। 10 हजार रुपये में 14 लोगों का परिवार चलाना आसान नहीं था। आंध्र प्रदेश के छोटे से गांव में उनका बचपन बीता। पिता साधारण से कर्मचारी थे । सैलरी बस इतनी थी कि किसी तरह दाल-रोटी से गुजारा हो जाता था। जो मुरली कभी एक वक्त का खाना खाकर सोते थे, आज वो सैकड़ों लोगों को नौकरी दे रहे है।

मिलते थे 250 रुपये

मुरली बी फार्मा करने के बाद जेब में सिर्फ 500 रुपये लेकर 25 साल की उम्र में अमेरिका पहुंचे थे। वहां उन्होंने फार्मासिस्ट की नौकरी की। पहली नौकरी में उन्हें सैलरी के तौर पर 250 रुपये मिले थे। मुरली की कहानी किसी फिल्म की तरह दिखती है। उन्होंने कई सारी फार्मा कंपनियों में काम किया और करीब 54 लाख रुपये जमा कर लिए। अब वे फार्मा सेक्टर को अच्छे से समझने लगे थे, वहां कुछ सालों तक काम करने के बाद वे भारत वापस लौट आए।

ऐसे खड़ी की कंपनी

मुरली ने साल 1984 में अपनी सारी जमा पूंजी लगाकर फार्मा सेक्टर में कदम रखा था। मुरली डिवी ने कल्लम अंजी रेड्डी से हाथ मिलाया, जिसका 2000 में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के साथ विलय कर दिया गया। मुरली ने डॉ. रेड्डीज लैब्स में 6 वर्षों तक काम किया। इसके बाद उन्होंने साल 1990 में डिवीज लैबोरेटरीज लॉन्च की। 1995 में मुरली डिवी ने अपनी पहली मैन्युफक्चरिंग यूनिट चौटुप्पल, तेलंगाना में स्थापित की। मार्च 2022 में कंपनी ने 88 बिलियन का रेवेन्यू जेनरेट किया। आज कंपनी 1.3 लाख करोड़ रुपये की हो चुकी है।

सोना 1,00,000 रुपये तक जाएगा, चांदी की कीमतें भी चमकेंगी

नईदिल्ली, एजेंसी। सोना और चांदी हमेशा से निवेशकों के लिए सुरक्षित निवेश विकल्प माने जाते हैं। खासकर तब जब अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल हो। ऐसा इसलिए क्योंकि इन धातुओं का अपना अलग ही महत्व है। सोने-चांदी में निवेश से महंगाई और रुपये की कीमत गिरने का डर भी कम होता है। अपने पोर्टफोलियो में सोना-चांदी रखने से डायवर्सिफिकेशन का फायदा मिलता है। यह निवेश के जोखिम को कम करता है। वजह है कि आप अलग-अलग तरह की चीजों में निवेश करते हैं। जब बाजार में अनिश्चितता होती है तो सोना और चांदी सुरक्षित निवेश माने जाते हैं। ये आसानी से बिक भी जाते हैं। हाल ही में अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद के अध्यक्ष सय्यम मेहरा और उपाध्यक्ष राजेश गोखले ने एक न्यूज चैनल के साथ बातचीत में इन कीमती धातुओं पर अपने विचार साझा किए।

सोने पर अपनी राय रखते हुए मेहरा ने कहा कि दुनियाभर के 50 से अधिक देशों में चुनाव हो रहे हैं। वैश्विक तनाव के चलते बाजार नीचे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं और अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कमी नहीं करने के फैसले के बावजूद सोने की दरों में कमी नहीं आई। मेहरा का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की

बुनियादी बातें बहुत मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि भारत में सोने की खरीद लगभग 800 टन है। जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह लगभग 4,500 टन है।

सोने में तेजी बने रहने के आसार

मेहरा ने कहा, मुझे लगता है कि बढ़ती कीमतों के बावजूद खरीद कम नहीं हो रही है। उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ रहा है। आने वाले समय में यह उम्मीद है कि सोने का भाव 2,600 डॉलर - 2,800 डॉलर या 78,000 रुपये से 80,000 रुपये तक पहुंच जाएगा। फिर अगले दो से ढाई सालों में सोने का भाव प्रति किलोग्राम 1 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। मुझे नहीं लगता कि सोना 2,285 या 2,250 पर सीमित रहेगा। मेहरा का मानना है कि लंबी अवधि में तेजी की संभावना अधिक है। गिरावट की संभावना बहुत कम है।

वैश्विक परिदृश्य पर बोलते मेहरा ने कहा कि दुनियाभर में डी-डॉलराइजेशन एक ऐसा फैक्टर है जो स्पष्ट है। उदाहरण के लिए अगर आप रूसी युद्ध के दौरान चीन और रूस को देखें तो यह देखा गया कि रूस अब डॉलर के बजाय सोने में निवेश कर रहा है। अगर चीन मजबूत बनना चाहता है, तो उसे सोने में निवेश करना होगा।

मेहरा ने कहा कि भारत 100 टन सोना इंग्लैंड से वापस लाया ताकि वह खुद में सुरक्षित महसूस कर सके। अगर कोई अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक तनाव आता है तो भारत भी अपनी ओर से सुरक्षित महसूस कर सकता है। भारत के भंडार में 822 टन सोना है। आने वाले समय में यह 1,000 टन से ऊपर चला जाएगा। वहीं, चांदी पर राजेश गोखले ने कहा कि सफेद धातु की कीमत भी चमक रही है। गोखले का मानना है कि सोने के अनुपात में जितनी बढ़ोतरी होनी चाहिए थी, उसकी तुलना में चांदी अभी भी काफी कम है। लेकिन, आने वाले दिनों में इसके इस्तेमाल में काफी इजाफा होने की काफी संभावनाएं हैं। गोखले बताते हैं कि एक कारण यह है कि चांदी का उपयोग बर्तनों में बड़े पैमाने पर किया जाता है। हमारे देश में महिलाएं पायल से लेकर बिछिया और बालों के आभूषणों तक हर चीज में चांदी का इस्तेमाल करती हैं। आज भी शहरी और ग्रामीण दोनों ही इलाकों में चांदी का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। इलेक्ट्रिक वाहनों में कई कंपोनेंट में अब चांदी का इस्तेमाल हो रहा है।

एआइ तेजी के बीच एस्सार को अपनी आईटी फर्म ब्लैक बॉक्स के लिए वृद्धि की उम्मीदः प्रशांत रुइया

नईदिल्ली, एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकी में उछाल के साथ दुनिया भर में नए डेटा केंद्रों और संबंधित सेवाओं की मांग बढ़ने से एस्सार समूह को अपनी आईटी फर्म ब्लैक बॉक्स के लिए वृद्धि की भारी संभावनाएं दिख रही हैं। एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया ने यह बात कही। रुइया, समूह के निवेश पोर्टफोलियो का प्रबंधन करते हैं। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी कंपनी है, जहां जबरदस्त वृद्धि हो सकती है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर डेटा केंद्रों और संबंधित सेवाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। भारतीय शेयर बाजारों में सूचीबद्ध ब्लैक बॉक्स का परिचालन 35 देशों में फैला हुआ है, लेकिन इसका प्रमुख कारोबार अमेरिका से आता है। उन्होंने कहा, यह भारत में सूचीबद्ध है लेकिन इसका मुख्यालय अमेरिका में है और मुख्य परिचालन अमेरिका में है। हम वर्तमान में ब्लैक बॉक्स में लगभग 80 करोड़ अमेरिकी डॉलर का राजस्व कमाते हैं... हमारा लगभग 75 प्रतिशत बाजार अमेरिका में है। रुइया ने कहा कि

कंपनी डेटा सेंटर में निवेश नहीं कर रही है, बल्कि उन्हें बनाने और प्रबंधित करने में मदद कर रही है। ब्लैक बॉक्स ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान अपने मुनाफे में कई गुना वृद्धि दर्ज की और यह बढ़कर 138 करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 6,282 करोड़ रुपए पर स्थिर रहा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के मिशिगन में वाटर पार्क में गोलीबारी, 2 बच्चों समेत 10 लोग घायल, आरोपी की मौत

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में एक वाटर पार्क में गोलीबारी के दौरान कम से कम 10 लोग घायल हो गए हैं ।शनिवार शाम हुए इस मास शूटिंग में बच्चों समेत कई लोगों की गोली लगी है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय पुलिस के मुताबिक गोलीबारी एक रैंडम घटना थी और कारणों का पता अभी नहीं चल पाया है। सीएनएन ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि हमले के पीछे का संदिग्ध बाद में पास के एक घर में मृत पाया गया। अधिकारियों ने घटनास्थल से एक हैंडगन और तीन खाली मैगज़ीन बरामद की हैं। ओकलैंड काउंटी के शेरिफ माइकल बूचार्ड ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मिशिगन के रोचेस्टर हिल्स में ब्रूकलैंड्स प्लाजा पार्क के सामने एक व्यक्ति शाम करीब 5 बजे एक गाड़ी से उतरा और ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दी। उसने नौ एमएम की सेमीऑटोमैटिक ग्लॉक से करीब 30 गोलियां चलाईं। रोचेस्टर हिल्स डेट्रॉइट से लगभग 50 किलोमीटर दूर है। पास के ऑक्सफ़ोर्ड टाउनशिप के ऑक्सफ़ोर्ड हाई स्कूल में 2021 में एक मास शूटिंग में चार छात्रों की जान चली गई थी। वहीं कई स्कूली छात्र और शिक्षक घायल भी हुए थे। हमलावर छात्र एथन क्रम्बली उस समय सिर्फ 15 साल का था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा झटका है। उन्होंने कहा यह निश्चित तौर पर ओकलैंड काउंटी में हमारे लिए एक बड़ा झटका है। आप जानते है कि हम बहुत सारी त्रासदियों से गुज़रे हैं। हम ऑक्सफ़ोर्ड में जो हुआ उसे पूरी तरह से समझ भी नहीं पा रहे हैं। मिशिगन की गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर ने कहा कि वह गोलीबारी की घटना के बाद स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में थीं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रोचेस्टर हिल्स में हुई गोलीबारी के बारे में जानकर मैं बहुत दुखी हूँ। हम स्थिति पर नज़र रख रहे हैं।

प्रेमिका को प्रेमी ने ही लगा दी 11 लाख की चपत, फिर साथ में डालने लगी डाका, अब काट रही सजा

शंघाई, एजेंसी। कहते हैं कि प्यार किसी भी समझदार इंसान की मति भ्रम कर सकती है। क्या कोई इतना भी प्यार में पागल हो सकता है कि पहले तो वो उसी से धोखा खा जाए और सबकुछ जानने के बाद भी उसके लिए डकैतियां करने लगे। लड़की ने जिस चोर को उसने अपना सबकुछ माना, उसने उसी को लाखों की चपत लगा दी। सबकुछ जानने के बाद भी वह उसके लिए डकैतियां करने लगी। लड़की का अंजाम यह हुआ कि अब वो सलाखों के पीछे है और सजा काट रही है। इस लड़की की कहानी आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। मामला चीन के शहर शंघाई का है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 40 साल की एक महिला को एक धोखेबाज से प्यार हो गया। हू नाम की एक महिला को पिछले साल मई में ऑनलाइन डेटिंग ऐप पर चेन नाम के एक व्यक्ति से प्यार हो गया। चेन ने हू को विश्वास जताया कि वह बेहद अच्छा इंसान है और इन्वेस्टर है। हू को झांसा देते हुए उसने उसकी 11 लाख की रकम निवेश करवा दी। जब हू ने पैसे निकालने की कोशिश की तो मालूम हुआ कि वह ठगी का शिकार हो गई है। हू ने जब धोखा खाने के बाद चेन से संपर्क किया तो उसने फिर नई कहानी बुनी और दावा किया कि वह म्यांमार में एक घोटाले में फंस गया है और इसी कारण वह अपने पैसे नहीं निकाल पा रही है। इतना सबकुछ हो जाने के बाद भी वह सचेत नहीं हुई। क्योंकि उसकी आंखों में प्यार का पर्दा पड़ा था। अब वह चेन को आर्थिक नुकसान से बाहर निकालने के लिए डकैतियां करने लगी। चेन के साथ मिलकर लोगों को चूना लगाने लगी। चेन धोखाधड़ी के लिए लेनदेन हू के खाते से ही करता था। इसकी ऐवज पर हू को रकम का एक हिस्सा भी दिया जाता था। पिछले साल सितंबर में, पुलिस ने हू को गिरफ्तार किया। हू ने कूबलनामे में पुलिस को सारी हकीकत बयां कर दी। चूंकी वह खुद चेन की धोखाधड़ी का शिकार हुई थी तो उसे केवल ढाई साल की सजा और जुर्माने की सजा हुई है।

72 के बुजुर्ग से 12 साल की बेटी की शादी, ऐन वक्त पर पहुंच गई पुलिस ; जमकर बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में महिलाओं के शोषण की खबरें अकसर सामने आती रहती हैं। अब एक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता अपनी 12 साल की बेटी की शादी 72 साल के बुजुर्ग से कराने जा रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक पिता का नाम अलाम सैयद बताया गया है। पांच लाख की कीमत पर वह मासूम बेटी का निकाह 72 साल के हबीब खान से करवाने जा रहा था। मामले की जानकारी जब पुलिस को हुई तो बुजुर्ग दूल्हे और निकाह ख्वान को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं मासूम का पिता मौके से फरार हो गया। पाकिस्तान न्यूज चैनल एआरआई न्यूज के मुताबिक लड़की के पिता के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पाकिस्तान में इस तरह की घटनाएं आम हो गई हैं। इसी तरह की घटना पाकिस्तान के पंजाब में रजनपुर थट्ठा नाम के गांव में सामने आई थी। यहां एक पिता अपनी 11 साल की बेटी की शादी 40 साल के शख्स से करवा रहा था। वहीं एक मामले में पिता अपनी नाबालिग बेटी की शादी 50 साल के मकान मालिक से करवाने जा रहा था।

योग दिवस से पहले ब्रिटेन और श्रीलंका में मनाया गया योग कार्यक्रम, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले दुनियाभर के देशों में योग कार्यक्रम हो रहे हैं। ब्रिटेन और श्रीलंका में योग को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने ट्राफलगर चौक पर तो श्रीलंका के पूर्वी प्रांत के गवर्नर सेंथिल थोंडमन ने त्रिंकोमाली में एक योग कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

पांच हजार लोग हुए शामिल : श्रीलंका के त्रिंकोमाली के गवर्नर सेंथिल थोंडमन ने 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन किया। इसमें पांच हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया।

बता दें, 2014 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे अपनाने के बाद 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है। 700 से अधिक लोगों ने भाग लिया भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने कहा, लंदन के ट्राफलगर चौक पर 700 से अधिक लोगों का आना हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। इसके चारों ओर प्रतिष्ठित प्रतिमाएं हैं। निश्चित रूप से, कई योग विद्यालय यहां आए और योग के अभ्यास में हमारा नेतृत्व किया। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लंदन में हुए कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने का कहना है कि योग सभी को एकजुट करता है और योग सभी के लिए है। योग विद्यालय भी आए इस वर्ष क्या अलग है, इस बारे में पूछे गए सवाल के उत्तर में भारतीय राजदूत दोरईस्वामी ने बताया कि इस साल अधिक प्रतिभागी थे, अतिरिक्त योग विद्यालय शामिल हुए थे तथा समुदायों की विविधता भी अधिक थी। हालांकि, मुख्य ध्यान भागीदारी में अंतर के लक्ष्य के बजाय उपचार और व्यक्तिगत विकास में योग की भूमिका को जारी रखने पर रहता है।

दोरईस्वामी ने शनिवार को कहा, इस का कार्यक्रम इस मायने में अलग है कि हमारे यहां और भी अधिक लोग थे, हमारे साथ अधिक योग स्कूल जुड़े हैं और हमारे यहां समुदायों की एक बड़ी विविधता है। इस साल का विषय महिला सशक्तिकरण इसके अलावा, ब्रिटेन की नागरिक इंद्रपाल ओहरी चंदेल ने भी बात की और बताया कि इस साल का विषय महिला सशक्तिकरण है। उन्होंने भारतीयों और एशियाई लोगों के लिए योग के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि यह उनकी विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो सांस्कृतिक संबंध और महत्व को बढ़ावा देता है। बड़ी बात यह है कि आज भारतीय क्रिकेट की बधिर टीम के सदस्य भी यहां आए क्योंकि उनके मैच ग्रेट ब्रिटेन के साथ होंगे। कार्यक्रम के दौरान ब्रिटेन में भारतीय डायस्पोरा के सह-संस्थापक हितेश गुप्ता ने कहा, आप देख सकते हैं कि हमारे समूह से बहुत सारे लोग यहां हैं। योग का जश्न मनाने के लिए आज लगभग 100 से अधिक लोग शामिल हुए हैं।

कोविड-इन्फ्लूएंजा टीके के नतीजे सकारात्मक, सार्वजनिक स्वास्थ्य को फायदा 2025 तक आ सकता है

कैम्ब्रिज, एजेंसी। मैसाचुसेट्स की दवा और जैव प्रौद्योगिकी कंपनी मॉडर्ना ने इस हफ्ते के शुरू में कोविड और इन्फ्लूएंजा के खिलाफ संयुक्त वैक्सीन के तीसरे चरण की क्लीनिकल जांच के सकारात्मक नतीजों का ऐलान किया है। दुनिया भर में कई दशकों से अन्य बीमारियों के लिए संयुक्त टीके इस्तेमाल किए जाते रहे हैं, क्योंकि इनके कई फायदे हैं। इनसे स्वास्थ्य प्रणालियों की लागत में कमी तो आती ही है, भंडारण की जरूरत भी कम पड़ती है और लोगों की जेब पर भारी नहीं पड़ते हैं। खास तौर से संयुक्त टीके कम आय वाले देशों में बेहद काम के साबित हो सकते हैं। शोध बताते हैं कि यह टीके लोगों के नियमित टीका लगाने की संभावना बढ़ाते हैं। मॉडर्ना का कोविड और इन्फ्लूएंजा का संयुक्त टीका एमआरएनए-1083 भी ऐसी ही उम्मीद जगा रहा है। अब तक 8,000 लोगों पर इसका परीक्षण किया जा चुका है। दो समूहों में की गई टीके की जांच मॉडर्ना की कोविड और इन्फ्लूएंजा के संयुक्त टीके एमआरएनए-1083 के तीसरे चरण की जांच में दो आयु समूहों के करीबन 8,000 लोगों को शामिल किया गया। समूहों में आधे 50 से 64 वर्ष की उम्र के वयस्क थे और बाकी आधे 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के थे। दोनों आयु समूहों को फिर से संयुक्त वैक्सीन एमआरएनए-1083 या नियंत्रण वाले समूह की वैक्सीन देने के लिए बांटा गया। नियंत्रण वाले समूह में कोविड और फ्लू वैक्सीन बेतरतीब तरीके से अलग-अलग दी गई थी। सालाना 50 लाख लोग होते हैं गंभीर इन्फ्लूएंजा के शिकार डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर करीब 30 से 50 लाख लोग सालाना गंभीर इन्फ्लूएंजा का सामना करते हैं और लगभग 6,50,000 लोग इस बीमारी से मर जाते हैं।

ईंधन सप्लाई शिप और नौका की टक्कर से समुद्र में फैल गया तेल, खतरे में समुद्री जीव

कुआलालंपुर, एजेंसी। सिंगापुर के दक्षिणी तट पर एक बड़ी नौका के ईंधन आपूर्ति पोत से टकराने के कारण फैले तेल को साफ करने का कार्य रविवार को भी जारी रहा। तेल के फैल जाने से लोकप्रिय रिजॉर्ट द्वीप सेंटोसा समेत दक्षिणी तटरेखा का कुछ हिस्सा काला पड़ गया है और इससे समुद्री जीवों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। नीदरलैंड के झंडे वाली एक बड़ी नौका ने शुक्रवार को सिंगापुर के ईंधन आपूर्ति पोत 'मरीन ऑनर को टक्कर मार दी। इससे मरीन ऑनर का मालवाहक टैंक क्षतिग्रस्त हो गया और तेल समुद्र में फैल गया। सिंगापुर के समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण ने शनिवार देर रात एक बयान में कहा कि जहाज से तेल रिसाव को रोक दिया गया है और क्षतिग्रस्त टैंकर से निकले तेल को साफ किया जा रहा है। इसने बताया कि समुद्री लहरें उठने के कारण तेल सेंटोसा और अन्य दक्षिणी द्वीपों तक फैल गया है। सेंटोसा में प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक आते हैं और यहां सिंगापुर के दो कसीनो में से एक गोल्फ कोर्स और दक्षिण-पूर्व एशिया का एकमात्र यूनिवर्सल स्टूडियो थीम पार्क है। रविवार को श्रमिक सेंटोसा के खाली समुद्र तट की साफ-सफाई में जुट रहे। अधिकारियों ने इस कार्य के लिए 18 नौकाएं तैनात की हैं तथा तेल रिसाव को रोकने के लिए लगभग 1,500 मीटर लंबे 'कंटेनर बूम स्थापित किए हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले ईवीएम को लेकर एलन मस्क की चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया की सबसे अमीर शख्सियतों में शुमार एलन मस्क आजकल काफी चर्चाओं में हैं। कभी कंपनी से निकाले गए कर्मचारियों से पैसे वापस मांगकर सुर्खियां बटोर लेते हैं तो कभी किसी और कारण से। अब मस्क ने अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठा दिया है। उन्होंने शनिवार को चौंकाने वाला दावा किया। कहा कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है और इसे खत्म किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी चुनावों से ईवीएम को हटाने की मांग की।

बता दें, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए दिया।

कैनेडी ने क्या कहा था : अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार कैनेडी जूनियर ने एसोसिएटेड प्रेस का हवाला देते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा, 'प्यूर्टो रिको के प्राथमिक चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से संबंधित सैकड़ों मतदान अनियमितताएं सामने आई हैं। सौभाग्य से यह एक पेपर ट्रेल था, इसलिए समस्या की पहचान की गई और वोटों की गिनती को सही किया गया। सोचिए उन क्षेत्रों में क्या होता होगा, जहां कोई पेपर ट्रेल नहीं है?

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी नागरिकों के लिए यह जानना आवश्यक है कि उनके प्रत्येक वोट की गणना की गई है। उनके चुनावों में कोई सेंध नहीं लगाई जा सकती। चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप से बचने के लिए उन्हें पेपर बैलेट पर वापस लौटना होगा।

मस्क ने क्या दी प्रतिक्रिया एक्स पर कैनेडी जूनियर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एलन मस्क ने कहा, हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए। मनुष्यों या एआई द्वारा हैक किए जाने का जोखिम, हालांकि छोटा है, लेकिन फिर भी बहुत अधिक है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन क्या हैं इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें एक प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है, जिनका इस्तेमाल चुनावों में मतों को रिकॉर्ड करने और गिनने के लिए किया जाता है। इन मशीनों का मुख्य उद्देश्य मत प्रक्रिया को सरल, तेज और विश्वसनीय बनाना है। भारत में ईवीएम का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के चुनावों में किया जाता है, जैसे कि लोकसभा, विधानसभा और पंचायत चुनाव शामिल हैं।

गांव में दहशत फैलाने वाले मगरमच्छ को पुलिस ने मारी गोली, स्थानीय लोगों ने दावत में पकाकर खाया

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के गांव में स्थानीय लोगों ने एक पारंपरिक उत्सव के दौरान खारे पानी के एक बड़े मगरमच्छ को मारकर खा लिया। इस साल की शुरुआत में आई बाढ़ के बाद 3.63 मीटर लंबा मगरमच्छ 250 मीटर दूर बेन्स नदी में चला गया था। वह पानी से बाहर निकलकर बच्चों और वयस्कों पर हमला कर रहा था।मगरमच्छ ने कई कुत्तों को भी अपना शिकार बनाया था। मगरमच्छ को मार दी गई गोली आदिवासी समुदाय के लोगों से बात करने के बाद पुलिस ने मंगलवार मगरमच्छ को गोली मार दी। एक बयान जारी कर पुलिस ने कहा, स्थानीय लोगों और वन्यजीवों के परामर्श के बाद मगरमच्छ को गोली मार दी गई। अब यह समुदाय के लिए खतरा पैदा नहीं करेगा। पार्क और वन्यजीवन द्वारा एक मगरमच्छ सुरक्षा सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मगरमच्छ को मारने के बाद उसे पास के आदिवासी समुदाय तक पहुंचाया गया। दरअसल, यहां विशाल रेप्टाइल को दावत के लिए बनाया जाता है। उत्तरी क्षेत्र पुलिस सार्जेंट एंड्रयू मैकब्राइड ने कहाजानवर को मगरमच्छ की पूंछ के सूप में पकाया जाता है। उसे बारबेक्यू पर रखा गया और कुछ हिस्सों को केले के पत्तों में लपेटा गया और फिर पकाया गया। उन्होंने आगे कहा कि यह एक बड़ी पारंपरिक दावत थी। सामुदायिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं मगरमच्छ कमांडर काइली एंडरसन ने कहा कि मगरमच्छ सामुदायिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। उन्होंने पार्क, वन्यजीव, पुलिस और स्थानीय लोगों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद किया । उन्होंने आगे कहा कि हम बड़े मगरमच्छ को हटाने और समुदाय की सुरक्षा करने में सक्षम रहे। बता दें कि हाल ही में बाढ़ के कारण उत्तरी क्षेत्र में मगरमच्छ की संख्या में तेजी से वृद्धि देखने को मिली। दरअसल, बाढ़ के कारण कई मगरमच्छ विस्थापित हो गए, जिस कारण वे कई बार असामान्य स्थानों पर दिखाई देते हैं। सार्जेंट मैकब्राइड ने बताया कि कई क्षेत्रों में अधिक पानी होने के कारण मगरमच्छ वहां भी दिखाई देते हैं। खारे पानी के मगरमच्छ छह फीट तक लंबे और उनका वजन एक टन तक हो सकता है।

हमास ने नहीं मारा, इजरायल ने खुद उड़ाई अपनी गाड़ी, राफा में मारे गए 8 इजरायली सैनिक

येरुशलम, एजेंसी। राफा में इजरायल और हमास आतंकियों के बीच जंग चल रही है। गाजा को श्मशान बनाने के बाद इजरायली सेना अब हमास के आखिरी गढ़ में निर्णायक जंग लड़ रही है। इस बीच ऐसी रिपोर्ट सामने आई थी कि राफा में एक ऑपरेशन के लिए जाते वक्त हमास ने इजरायली सैनिकों के वाहन को बम से उड़ा दिया। इस हमले में 8 सैनिक मारे गए। हालांकि इस घटना को लेकर अब चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। इजरायली रक्षा सूत्रों का कहना है कि इजरायली सैनिकों की मौत की वजह हमास नहीं बल्कि उनकी खुद की गलती हो सकती है। जांच में सामने आया है कि जिस वाहन में इजरायली सैनिक सवार थे, उसमें विस्फोटक सामग्रियां रखी हुई थी। ऐसी संभावना ज्यादा है कि वाहन में रखा विस्फोटक फट गया और उसकी चपेट में आकर 8 इजरायली सैनिक मारे गए। इजरायली सेना ने शनिवार को जानकारी दी कि सुबह-सुबह पांच बजे करीब दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा में एक विस्फोट में उसके आठ सैनिक मारे गए। यह इस क्षेत्र में जनवरी महीने से शुरू ऑपरेशन के बाद सबसे घटना बड़ी है। राफा में इजरायल को बीते 6 महीने में सबसे बड़ा नुकसान हुआ है। इस विस्फोट में डिप्टी कमांडर वासेम महमूद के अलावा 7 सैनिक मारे गए। आईडीएफ ने सैनिकों के परिवारवालों को घटना की सूचना दे दी है।

इजरायली सैनिकों ने खुद उड़ाई अपनी गाड़ी पहले रिपोर्ट सामने आई थी कि यह हमला हमास आतंकियों द्वारा किया गया था। लेकिन, टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट है कि इजरायली सैनिकों ने गलती से खुद की गाड़ी उड़ा दी या फिर गाड़ी में रखा बम खुद ही विस्फोट हो गया। इस मामले की जांच की जा रही है। आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि सेना जांच कर रही है। कैसे मारे गए इजरायली सैनिक हगारी ने कहा कि घटना के वक्त सैनिक राफा में एक ऑपरेशन के लिए जा रहा था। सुबह पांच बजे करीब वाहन में विस्फोट हुआ और आईडीएफ के 8 सैनिक मारे गए। जानकारी सामने आई है कि विस्फोट से पहले मौके पर न कोई गोलाबारी हुई और न ही किसी तरह का कोई संघर्ष हुआ। दरअसल, वाहन के अंदर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्रियां थी।

चीन से 1 बिलियन डॉलर कर्ज लेगा बांग्लादेश, शेख हसीना ने संसद में किया ऐलान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना इसी महीने 21 जून को भारत दौरे पर आएंगी। इसके बाद वो जुलाई में चीन का दौरा कर सकती हैं। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि इस यात्रा के दौरान वो चीन से तीस्ता मास्टर प्लान को लेकर डील कर सकती हैं। तीस्ता मास्टर प्लान के तहत बांग्लादेश बाढ़ और मिट्टी के कटाव पर रोक लगाने के साथ गर्मियों में जल संकट की समस्या से निपटना चाहता है। इसके साथ ही बांग्लादेश तीस्ता पर एक विशाल बैराज का निर्माण कर इसके पानी को एक सीमित इलाके में कैद करना चाहता है। इससे उसे एक बड़ा जमीन का हिस्सा मिल सकेगा जिसका वह इस्तेमाल कर पाएगा। इस प्रोजेक्ट के लिए चीन बांग्लादेश को 1 बिलियन डॉलर की रकम सस्ते कर्ज के तौर पर देने के लिए तैयार हो गया है। हालांकि बांग्लादेश को कर्ज देने के लिए भारत भी तैयार है। पिछले महीने भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने ढाका की यात्रा के दौरान तीस्ता मास्टर प्लान में सहयोग करने की इच्छा जताई थी। चीन से कर्ज लेने को तैयार हुई शेख हसीना भारत की तरफ से संकेत मिलने के बावजूद शेख हसीना की दिलचस्पी चीन से कर्ज लेने में दिखाई दे रही है। बीते बुधवार को शेख हसीना ने संसद में कहा कि बांग्लादेश तीस्ता मास्टर प्लान को लागू करने के लिए चीन से आसान शर्तों पर कर्ज हासिल करने की कोशिश कर रहा है। जानकारों का कहना है कि कि चीन लंबे समय से तीस्ता मास्टर प्लान के लिए बांग्लादेश को कर्ज देने की कोशिश कर रहा है मगर भारत की नाराजगी की वजह से वह अब तक ऐसा नहीं कर पाया था। अब अचानक

बांग्लादेश ने चीन के कर्ज प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या बांग्लादेश को इसके लिए भारत की सहमति मिली है या फिर बांग्लादेश की नीति में कोई बदलाव आ गया है। लंबे समय से अटका है जल बंटवारा समझौता बांग्लादेश के लिए भारत की सहमति के बिना तीस्ता मास्टर प्लान पर काम करना इतना आसान नहीं होगा। दरअसल इसके लिए बांग्लादेश को भारत के साथ तीस्ता नदी जल बंटवारा समझौता करना होगा। हालांकि ये इतना आसान नहीं है। साल 2011 में जब कांग्रेस की सरकार थी तब भारत, तीस्ता नदी जल समझौता पर दस्तखत करने को तैयार हो गया था। लेकिन ममता बनर्जी की नाराजगी की वजह से मनमोहन सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे। क्यों नहीं हो रहा तीस्ता जल बंटवारा समझौता भारत और बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी के पानी के बंटवारे को लेकर कई सालों से विवाद है। 414 किमी लंबी तीस्ता नदी हिमालय से निकलती है और सिक्किम के रास्ते भारत में प्रवेश करती है। इसके बाद ये पश्चिम बंगाल से गुजरते हुए बांग्लादेश पहुंचती हैं जहां पर वह असम से आई ब्रम्हपुत्र नदी में मिल जाती है। बांग्लादेश में ब्रम्हपुत्र नदी को जमुना कहा जाता है। इस लंबी यात्रा के दौरान तीस्ता नदी की 83प्रतिशत यात्रा भारत में और 17प्रतिशत यात्रा बांग्लादेश में होती है। इस दौरान सिक्किम, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश तीनों क्षेत्रों में रहने वाले करीब 1 करोड़ लोगों की पानी से जुड़ी जरुरतें ये नदी पूरा करती है। बंग्लादेश तीस्ता का 50 फीसदी पानी पर अधिकार चाहता है। जबकि भारत खुद नदी के 55 फीसदी पानी का इस्तेमाल करना चाहता है। जानकारों के मुताबिक अगर तीस्ता नदी जल समझौता होता है तो पश्चिम बंगाल नदी के पानी का मनमुताबिक इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। यही वजह है कि ममता बनर्जी इसे टालती रही है।

संक्षिप्त समाचार

ओलंपिक क्वालिफायर

भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम क्वालिफायर के क्वार्टर फाइनल में हारी

अंताल्या (तुर्की), एजेंसी। भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम ओलंपिक के आखिरी क्वालिफायर से कोटा हासिल करने में विफल रहने के बाद महिला टीम की तरह अब पेरिस खेलों के टिकट के लिए रैंकिंग पर निर्भर रहेगी। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारतीय टीम के खिलाफ शनिवार को यहां क्वार्टर फाइनल में मेक्सिको ने उलटफेर किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत 4-0 की बढ़त बनाने के बाद 4-5 (57-56, 57-53, 55-56, 55-58) (26-26*) से हार गया। पुरुष वर्ग में शीर्ष तीन स्थान पर रहने वाली टीमों को ओलंपिक कोटा मिलेगा। पुरुष और महिला टीम अब भी पेरिस ओलंपिक की कट-ऑफ तारीख

से पहले अपनी रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई कर सकती हैं। यह हार भारतीय तीरंदाजी के लिए बड़ा झटका है क्योंकि शुरुआती दो सेट के बाद टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सिर्फ तीसरे सेट में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी। मेक्सिको ने हालांकि तीसरे और चौथे सेट में जीत के साथ स्कोर 4-4 से बराबर किया। इसके बाद शूट ऑफ में भी दोनों टीमों का स्कोर बराबर था, लेकिन निशाने के केंद्र के समीप तीर होने के कारण मेक्सिको विजेता बना। इससे पहले दीपिका कुमारी, भजन कौर और अंकिता भक्त की भारतीय महिला रिकर्व टीम शुक्रवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में निचली रैंकिंग वाले यूक्रेन से 3-5 से हार के बाद कोटा हासिल करने में असफल रही। महिला टीम अभी भी पेरिस ओलंपिक की कट-ऑफ तारीख से पहले अपनी रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई कर सकती है।

टी-20 वर्ल्डकप: 2024

बाबर से लेकर रिजवान... सबकी कटेगी सैलरी! नाराज है पीसीबी

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और वह सुपर 8 में जगह नहीं बना सकी. पाकिस्तान टीम को पहले संयुक्त राज्य अमेरिका के हाथों सुपर ओवर में हार झेलनी पड़ी थी. फिर उसे टीम इंडिया ने छह रनों से हरा दिया. इसके बाद पाकिस्तान ने कनाडा को जरूर 7 विकेट से हराया. मगर यूएसए और आयरलैंड के बीच मैच धुलने के साथ ही उसका पत्ता कट गया. आयरलैंड के खिलाफ

मैच धुलने के चलते अमेरिकी टीम के 5 अंक हो गए और वो अगले राउंड में पहुंच गई. अपनी टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड काफी सख्त कदम उठाने जा रहा है. पीसीबी खिलाड़ियों की सैलरी में कटौती कर सकता है. बोर्ड के विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि कुछ अधिकारियों और पूर्व खिलाड़ियों ने पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की समीक्षा करने की सलाह दी है. सूत्रों ने कहा, पीसीबी अध्यक्ष अगर टीम के खराब प्रदर्शन पर कड़ा रवैया अपनाते हैं तो खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंध की समीक्षा की जा सकती है और उनके वेतन में कटौती हो सकती है. पाकिस्तान टीम के टी20 वर्ल्ड कप से जल्दी बाहर होने के लिए टीम के भीतर गुटबाजी और महत्वपूर्ण क्षणों में सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है.

क्रिकेट

ऑलराउंडर वीज ने क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

सेंट जॉर्ज (एंटीगुआ और बारबुडा), एजेंसी। टी20 विश्व कप 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी टीम की 41 रन की हार के बाद नामीबिया के ऑलराउंडर डेविड वीज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच में वीज ने 3.00 की इकॉनमी रेट से अपने दो ओवर के स्पेल में एक विकेट लिया और छह रन दिए। दूसरी पारी में उन्होंने 225 की स्ट्राइक रेट से 12 गेंदों पर 27 रन बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए 2 चौके और 2 छक्के भी लगाए।39 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि ऐसा लगता है कि उनके लिए संन्यास लेने का यह सही समय है। उन्होंने कहा, अगले साल का टी20 विश्व कप अभी दो साल दूर है, मैं अभी 39 साल का हूं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के मामले में, मुझे नहीं पता कि मुझमें अभी बहुत कुछ बचा है या नहीं।

रिपोर्ट

गौतम गंभीर ही होंगे भारत के अगले हेड कोच!

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय बल्लेबाज गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम के नए कोच बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 42 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे, जिनका अनुबंध जून 2024 में समाप्त हो रहा है। रविवार (16 जून) को एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर की नियुक्ति लगभग पूरी हो चुकी है और जून के अंत तक उन्हें भारत के नए मुख्य कोच के रूप में घोषित किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गंभीर की नियुक्ति की खबर की पुष्टि की है और कहा है कि आधिकारिक घोषणा उचित समय पर की जाएगी। गंभीर ने बीसीसीआई से अपना सहयोगी स्टाफ लाने की मांग की है।मौजूदा समय में विक्रम राठौर टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच हैं, जबकि पारस म्हाम्ब्रे गेंदबाजी कोच हैं। टी. दिलीप टीम इंडिया के फील्डिंग कोच के रूप में द्रविड़ के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा हैं।

टेनिस

फाइनल में पहुंचे टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने शनिवार को स्पेन के पूर्व विश्व नंबर 37 बर्नबे जापाटा मिरालेस पर 7-6 (7-2) 1-6 6-2 से जीत हासिल करके पेरुगिया चैलेंजर के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनकी नजर इस साल अपने तीसरे खिताब पर होगी। भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने शनिवार को स्पेन के पूर्व विश्व नंबर 37 बर्नबे जापाटा मिरालेस पर 7-6 (7-2) 1-6 6-2 से जीत हासिल करके पेरुगिया चैलेंजर के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनकी नजर इस साल अपने तीसरे खिताब पर होगी। इटली के लुसियानो डार्डेरी और जर्मनी के डेनियल अल्टमायर के बीच होने वाले मैच में जीतने वाला खिलाड़ी फाइनल में पहुंचेगा और उसका सामना सुमित नागल से होगा। 26 वर्षीय नागल जो अब विश्व रैंकिंग में अपने करियर के सर्वोच्च 77वें स्थान पर हैं, उन्हें पहले सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने टाई-ब्रेकर में स्पेनिश खिलाड़ी को मात दी।मिरालेस ने दूसरे सेट में दबदबा बनाते हुए 6-1 से जीत दर्ज की और अपने पहले सर्व के 77 प्रतिशत अंक भी हासिल किए।

ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हराया

- हेड और स्टोयनिस का अर्धशतक, स्कॉटलैंड की हार से इंग्लैंड सुपर-8 में पहुंचा

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के 35वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। सेंट लूसिया के डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। पहले बैटिंग करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को 181 रन का टारगेट दिया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 19.4 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। स्कॉटलैंड की हार का फायदा इंग्लैंड को मिला। इंग्लैंड 5 पॉइंट्स के साथ सुपर-8 के लिए क्वालिफाई कर गया। उसका रनरेट स्कॉटलैंड से ज्यादा रहा। स्कॉटलैंड ग्रुप बी में तीसरे नंबर पर रहा।

स्टोयनिस प्लेयर ऑफ द मैच

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पांचवें नंबर पर बैटिंग करने आए मार्कस स्टोयनिस ने 29 बॉल पर 59 रन की पारी खेली। स्टोयनिस और ट्रैविस हेड के बीच चौथे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी हुई। स्टोयनिस को प्लेयर ऑफ मैच चुना गया।

फाइटर ऑफ द मैच

स्कॉटलैंड के तीसरे नंबर के बल्लेबाज ब्रैंडन मैकमुलेन ने अर्धशतकीय पारी खेली और टीम का स्कोर 180 तक ले जाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 34 बॉल पर 60 रन बनाए। यह उनकी चौथी टी-20 इंटरनेशनल फिफ्टी रही। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली है।

टर्निंग पॉइंट

ऑस्ट्रेलिया की पारी के पांचवें ओवर में माइकल जोन्स ने ट्रैविस हेड का कैच ड्रॉप कर दिया। तब वे 17 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। यह कैच ड्रॉप उनकी टीम पर पड़ा, क्योंकि हेड ने इसके बाद मार्कस स्टोयनिस के साथ 80 रन की साझेदारी की। वहीं, 49 बॉल में 68 रन की पारी खेल ऑस्ट्रेलिया के लिए मैच बना दिया।स्कॉटलैंड की ओर से ब्रैंडन मैकमुलेन ने 60, कप्तान रिची बेरिंगटन ने नाबाद 42, जॉर्ज मुन्से ने 35 और मैथ्यू क्रॉस ने 18 रन बनाए। मैकमुलेन और मुन्से के बीच दूसरे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी हुई।ऑस्ट्रेलिया की ओर से ग्लेन मैक्सवेल ने दो विकेट झटके।

इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग

दूसरे सीजन के तारीखों की घोषणा, जनवरी से मार्च 2025 तक चलेगा

नईदिल्ली, एजेंसी। CEAT इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग ने अपने दूसरे सीजन की तारीखों की घोषणा कर दी है। दूसरा सीजन जनवरी से मार्च 2025 तक चलेगा। अपने उद्घाटन सत्र की सफलता के बाद दूसरे ज्यादा रेस, नए स्टेडियम और एक रोमांचक नए रेसिंग फॉर्मेट की सुविधा देने के लिए तैयार है। राइडर रजिस्ट्रेशन जून 2024 के अंत तक करा सकेंगे। नीलामी अक्टूबर 2024 में होगी।

4 कैटेगरी में खेला गया था पहला सीजन

पहले सीजन में छह टीमों ने हिस्सा लिया। हर टीम में 8-8 रेसर शामिल रहे। पहला सीजन चार कैटेगरी में खेला गया, हर कैटेगरी में दो-दो रेसर रहे। रेस में 450ष्ठ इंटरनेशनल, 250ष्ठ इंटरनेशनल, 250ष्ठ इंडिया-एशिया मिक्स और 85ष्ठ जूनियर इंडिया-एशिया मिक्स कैटेगरी शामिल थे।सुपरक्रॉस मोटरसाइकिल रेसिंग है, जो स्टेडियम में मिट्टी के ट्रैक पर होती है। सुपरक्रॉस रेसिंग के दौरान रेसर स्टंट भी करते नजर आए। इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग का पहला सीजन तीन लेग (चरण) में खेला गया था।

दुनिया की पहली फ्रेंचाइजी रेसिंग

आईएसआरएल दुनिया की पहली ही फ्रेंचाइजी रेसिंग लीग है। जिस तरह क्रिकेट में पीकेएल, फुटबॉल में आईएसएल और कबड्डी में पीकेएल है, उसी तरह अब बाइक रेसिंग में आईएसआरएल की शुरुआत हुई। पहला सीजन देश के 3-3 अलग-अलग वेन्यू पर आयोजित हुआ। पहले सीजन का पहला लेग रविवार, 28 जनवरी को पुणे में समाप्त हुआ। आखिरी 2 लेग अहमदाबाद और नई दिल्ली में हुए। आईएसआरएल का टीवी और ओटीटी ब्रॉडकास्ट राइट वायाकॉम18 के पास है, जिसमें टीवी का स्पोर्ट्स 18 और ओटीटी का जियो सिनेमा के पास है। लीग के पहले सीजन के ऑक्शन के लिए दुनिया भर के 120 से ज्यादा राइडर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

टी20 विश्व कप: महत्वपूर्ण मैच में इंग्लैंड ने नामीबिया को हराया

नॉर्थ साउंड (एंटीगा), एजेंसी। इंग्लैंड ने बारिश से प्रभावित मैच में नामीबिया को डकवर्थ लुइस पद्धति से 41 रन से हराकर टी20 विश्व कप में खिताब का बचाव करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इंग्लैंड को सुपर 8 में जगह बनाने के लिए नामीबिया के खिलाफ जीत जरूरी थी लेकिन लगातार बारिश होने के कारण एक समय उसकी उम्मीद धूमिल पड़ती नजर आ रही थी।

आखिर में तीन घंटे की देरी के बाद मैच शुरू करने का फैसला किया गया और इसे 11 ओवर का कर दिया गया। बीच में बारिश आने के कारण मैच 10 ओवर का कर दिया गया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में पांच विकेट पर 122 रन बनाए। नामीबिया को डकवर्थ लुइस पद्धति से 126 रन बनाने का लक्ष्य मिला लेकिन उसकी टीम तीन विकेट पर 84 रन ही बना पाई। इस मैच में काफी कुछ दांव पर लगा था इसलिए अंपायरों ने लंबा इंतजार किया। इंग्लैंड की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही। नामीबिया के 39 वर्षीय गेंदबाज डेविड विसे ने पहले ओवर में केवल एक रन दिया। कप्तान जोस बटलर को तेज गेंदबाज रूबेन ट्रम्पेलमैन ने शून्य पर बोल्ड कर दिया और विसे ने दूसरे सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट (11) को आउट करके 13 गेंद के बाद इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर 13 रन कर दिया।

जॉनी बेयरस्टो और हैरी ब्रूक ने जवाबी हमला किया। बेयरस्टो ने 18 गेंदों पर 31 रन और ब्रूक ने 20 गेंदों पर नाबाद 47 रन बनाए। मोईन अली (16) और लियाम लिविंगस्टोन (13) ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके अंतिम ओवर में 21 रन बटोरे। नामीबिया अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाया। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन ने 29 गेंद पर 33 रन बनाए। दूसरे सलामी बल्लेबाज निकोलस डाविन को 16 गेंद पर 18 रन बनाने के बाद रिटायर्ड आउट कर दिया गया। उनकी जगह विसे को उतारा गया जिन्होंने 12 गेंद पर 27 रन बनाए लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

यूरो-2024: स्विट्जरलैंड ने हंगरी को 3-1 से हराया, स्पेन की क्रोएशिया के खिलाफ दमदार शुरुआत

बर्लिन, एजेंसी। स्पेन ने क्रोएशिया को 3-0 से हरा दिया। स्पेन के लिए कप्तान अल्वारो मोराटा ने 29वें मिनट, फैबियन रूइज ने 32वें मिनट और कार्वाहाल ने 45+2वें मिनट में गोल दागे। स्विट्जरलैंड ने शनिवार को जर्मनी के कोलोन में खेले गए यूरोपीय चैम्पियनशिप 2024 में अपने शुरूआती फुटबॉल मुकाबले में हंगरी को 3-1 से शिकस्त दी। वहीं, ग्रुप-बी के एक मुकाबले में स्पेन ने क्रोएशिया को हराकर यूरो कप 2024 की दमदार शुरुआत की है। इससे पहले मेजबान देश जर्मनी ने शुक्रवार को टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5-1 से हराया था। ऐसे में हंगरी पर जीत से स्विट्जरलैंड ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

हंगरी को सितंबर 2022 के बाद किसी प्रतिस्पर्धी मैच में पहली हार मिली। स्विट्जरलैंड ने क्वाड्वो दुआह के 12वें मिनट और माइकल एबीशर के 45वें मिनट में किए गए गोल से पहले हाफ में 2-0 से बढ़त बनाई। हंगरी के लिए एकमात्र गोल बर्नाबास वार्गा ने डोमिन जोबोस्लाई के क्रॉस पर हेडर से 66वें मिनट में दागा। हंगरी ने स्विट्जरलैंड पर दबाव बनाए रखा लेकिन दूसरा गोल नहीं कर सका। ब्रील एम्बोलो ने इंजुरी टाइम (90+3वें मिनट) में गोलकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

वहीं, स्पेन ने क्रोएशिया को 3-0 से हरा दिया। स्पेन के लिए कप्तान अल्वारो मोराटा ने 29वें मिनट, फैबियन रूइज ने 32वें मिनट और कार्वाहाल ने 45+2वें मिनट में गोल दागे। दूसरे हाफ में कोई गोल नहीं हो सका।

हालांकि, क्रोएशिया की टीम को पेनल्टी मिला था, लेकिन टीम उसमें गोल करने में नाकाम रही। ग्रुप-बी का दूसरा मुकाबला इटली और अल्बानिया के बीच खेला जाएगा।

कार्वाहाल ने बनाया रिकॉर्ड

दानी कार्वाहाल यूरो कप में 32 वर्ष और 156 दिन की उम्र में गोल दागा। वह स्पेन के लिए इस टूर्नामेंट में गोल स्कोर करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उनके गोल को 16 साल 338 दिन की उम्र के लैमिन यमाहाल ने असिस्ट किया। यमाहाल प्रतियोगिता के इतिहास में असिस्ट करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं।

नई फिल्म के लिए रणवीर सिंह को बढ़ाना पड़ रहा है 15 किलो वजन?

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर तैयारी में जुटे हैं और अभिनेता अपने शारीरिक बदलाव पर काम कर रहे हैं। इस बात का दावा लेखिका शोभा डे ने अपने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में किया है। उन्होंने रणवीर के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि वह अपने आगामी प्रोजेक्ट के लिए वजन बढ़ा रहे हैं। हालांकि, अभी भी लोगों को रणवीर के आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

शोभा के साथ दिखे रणवीर

लेखिका शोभा डे ने रणवीर सिंह से एक कैफे में मिलने के बाद कुछ तस्वीरें साझा की। उन्होंने रणवीर के साथ कुछ सेल्फी भी साझा की है। एक तस्वीर में रणवीर शोभा और उनके दोस्त के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में रणवीर फ्रेंच फ्राइज की एक प्लेट लिए दिख रहे हैं।

आगामी फिल्म का किया दावा

तस्वीरें साझा करते हुए शोभा ने लिखा, 'अलीबाग के हमारे पसंदीदा कैफे में चौंकाने वाली मुलाकात, सेल्फी किंग रणवीर सिंह पिता बनने से पहले बहुत जरूरी समय बिता रहे हैं और अपनी अगली फिल्म शुरू करने जा रहे हैं।'

12 किलो वजन बढ़ा रहे हैं रणवीर!

शोभा ने आगे लिखा, 'लेकिन उन्होंने कहा कि वो कार्ब्स पर ध्यान दे रहे हैं। उन्हें अपने नए प्रोजेक्ट के लिए 15 किलो वजन बढ़ाने की जरूरत है। हमेशा की तरह आकर्षक, सहज और हमेशा विनम्र। अलीबाग में उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई।' हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस प्रोजेक्ट की बात कर रही हैं।

रणवीर सिंह का वर्क फ्रंट

रणवीर सिंह के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार आलिया भट्ट के साथ 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन करण जौहर ने किया था। फिल्म की कहानी दोनों किरदारों रॉकी और रानी के चारों ओर घूमती है, जो अलग-अलग जगह से ताल्लुक रखते हैं। उनकी आगामी फिल्मों की बात करें तो वह अजय देवगन और अक्षय कुमार के साथ सिंघम अगेन में नजर आएंगे।

कम से कम जीवित तो हैं...

कंगना रणौत के थप्पड़ कांड पर सामने आई स्वरा भास्कर की प्रतिक्रिया

बॉलीवुड क्वीन कंगना रणौत ने अपने सफल अभिनय करियर के बाद अब राजनीति में कदम रखा है। हाल ही में उन्होंने हिमाचल प्रदेश के मंडी निर्वाचन क्षेत्र से आम चुनाव जीता है। अभिनेत्री से सांसद बनीं कंगना रणौत को हाल ही में चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद कंगना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया इस मामले में लोग अपनी अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हाल ही में स्वरा भास्कर ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। स्वरा भास्कर ने कहा कि हिंसा का सहारा लेना अक्षम्य है और ऐसा नहीं होना चाहिए। साथ ही कहा कि चलो कंगना को थप्पड़ ही पड़ा है, वो जिंदा तो हैं। अपने बेबाक बयानों के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने कहा, कोई भी समझदार व्यक्ति यही कहेगा कि कंगना के साथ जो कुछ भी हुआ वह गलत था। कोई भी ऐसा नहीं है जो कंगना के साथ हुई हिंसा या मारपीट को सही ठहराएगा। अभिनेत्री ने कहा, हां, कंगना के साथ जो हुआ वह गलत था और ऐसा नहीं होना चाहिए था। किसी पर भी हमला करना सही नहीं है। लोग कंगना के दक्षिणपंथी समर्थकों से यही कह रहे थे कि उन्हें इस बारे में नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि वह वही लोग हैं, जो लिंचिंग को सही ठहराती हैं। स्वरा ने आगे कहा, कंगना को सिर्फ थप्पड़ पड़ा है और ऐसा भी नहीं होना चाहिए था।

हनी सिंह ने सोनाक्षी-इकबाल की शादी की पुष्टि की, कहा...

जरूर आउंगा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ 23 जून को शादी करने जा रही हैं, हालांकि इस पर अभी तक न ही सोनाक्षी और न ही जहीर की ओर से कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट आया है। लेकिन सिंगर और रैपर हनी सिंह ने कपल की शादी की पुष्टि कर दी है। हनी सिंह ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, इस वक्त मैं लंदन में ग्लोरी के पहले गाने की शूटिंग कर रहा हूं। लेकिन मैं अपनी बेस्ट फ्रेंड सोनाक्षी की शादी में शामिल होने के लिए जरूर समय निकालूंगा। उनका मेरे करियर में बड़ा सपोर्ट रहा है और उन्होंने जिंदगी में कई बार मेरी मदद भी की है।

पावर कपल सोना और जहीर को शुभकामनाएं!! भोलेनाथ उन्हें आशीर्वाद दें। बता दें कि हनी सिंह और सोनाक्षी ने दो म्यूजिक वीडियो देसी कलाकार और कलास्टार में साथ में काम किया है। ये दोनों सॉन्ग सुपरिहट साबित हुए। हाल ही में सोनाक्षी और जहीर की शादी का एक ऑडियो वेडिंग इनवाइट लीक हुआ था, जिसमें सोनाक्षी और जहीर की आवाज थी। इस इनवाइट में सोनाक्षी और जहीर कहते हैं- आखिरकार वो पल आ गया है जब हम एक-दूसरे के रूमर्ड गर्लफ्रेंड बॉयफ्रेंड से ऑफिशियली हसबैंड और वाइफ बन जाएंगे। जहीर कहते हैं-पिछले सात साल हमने अब तक हंसी-खुशी और प्यार से गुजारे। अब ये सेलिब्रेशन आप सबके बिना अधूरा है तो 23 जून को जो भी कर रहे हों, उसे छोड़ दीजिए और हमारे साथ पार्टी कीजिए। जल्द मिलते हैं। इस ऑडियो वेडिंग इनवाइट में सोनाक्षी और जहीर की फोटो है और नीचे की ओर क्यूआर कोड है। इस कोड को देख माना जा रहा है कि इसी से वेडिंग पार्टी में एंट्री मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वेडिंग पार्टी में बॉलीवुड से कई सेलेब्स शामिल होंगे, जिसमें आयुष शर्मा, हुमा कुरैशी, वरुण शर्मा, संजय लीला भंसाली, फरदीन खान, ताहा शाह बदुशा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल के नाम शामिल हैं।

चिराग पासवान के इश्क में पड़ी 20 साल छोटी भोजपुरी एक्ट्रेस

सरेआम किया प्यार का इजहार

लोकसभा चुनाव 2024 के रिजल्ट आने के बाद से ही इस बार के कैबिनेट के मंत्रियों की खूब चर्चा रही है, खासकर बिहार के चिराग पासवान। इससे पहले शायद चिराग की बात इतनी कभी नहीं हुई थी जितनी कि अब हो रही है। चिराग पासवान को बिहार में पांच सीट दी गई थी और पांचों पर उन्होंने जीत हासिल की। इन दिनों सोशल मीडिया पर चिराग के वीडियोज और फोटोज खूब वायरल हो रहे हैं, जिसमें फैस और खासकर फीमेल फैंस उनकी क्यूटनेस की दीवानी हो गई हैं। हर लड़की सोशल मीडिया पर चिराग की फोटो डालकर उन्हें अपना क्रश मान चुकी है। इन सबमें एक भोजपुरी एक्ट्रेस भी शामिल हो गई हैं। वो भी चिराग की दीवानी हो गई हैं। निशा भोजपुरी फिल्मों और गानों के लिए जानी जाती हैं। उनकी फिल्में लोग बहुत पसंद करते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके लाखों फैंस हैं, जो उन्हें लगातार फॉलो करते हैं। इस बार, निशा ने सरेआम ऐलान कर दिया है कि वो चिराग को कितना पसंद करती हैं।

पोलोमी दास ने नागवधू-एक जहरीली कहानी में अपने किरदार का किया खुलासा

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस पोलोमी दास ने पौराशपुर, नागिन 6 और बारिश जैसे शो से दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। वह जल्द ही नागवधू-एक जहरीली कहानी में नजर आएंगी। उन्होंने शो में अपने किरदार सनवरी के बारे में खुलकर बात की और कहा कि यह सीरीज एक महिला के संघर्ष को दिखाती है। पोलोमी ने कहा, मेरा किरदार सनवरी भारत के एक छोटे से गांव में रहती है। उसका पूरा गांव बहुत सारे अंधविश्वास के साथ जीता है।

वह शादीशुदा है। शो की कहानी उसकी जिंदगी में शादी के बाद आए बदलाव पर आधारित है। वह अंदर से पूरी तरह से टूट चुकी है। एक्ट्रेस ने कहा, शो में आप देख पाएंगे कि सनवरी अपनी जिंदगी के बुरे दौर से कैसे उबरती है। यह सीरीज एक महिला की यात्रा और उसके भीतर के संघर्ष को दिखाती है। पोलोमी ने नागवधू के डायरेक्टर जीतू के साथ अपनी अच्छी बॉन्डिंग के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह उनके साथ पहले भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, जब आप जीतू जैसे अच्छे डायरेक्टर के साथ काम करते हैं, तो सेट पर सब कुछ आसान हो जाता है।

मेरी फैमिली की बिग बॉस मेरी पत्नी सुनीता हैं: अनिल कपूर

बिग बॉस के फैंस बेसब्री से शो के ओटीटी सीजन 3 का इंतजार कर रहे हैं। इस बार सब कुछ बदलने वाला है। सलमान खान की जगह अब अनिल कपूर कमान संभालेंगे। जब एक्टर से उनके परिवार के बिग बॉस के बारे में पूछा गया तो, उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी सुनीता ही कपूर फैमिली की बिग बॉस हैं।

कपूर फैमिली में बिग बॉस के बारे में बात करते हुए अनिल ने कहा, मेरी पत्नी सुनीता कपूर फैमिली में बिग बॉस की तरह हैं। मेकर्स ने अपकिंग सीजन में एक नई टैगलाइन अब सब बदलेगा के जरिए बदलाव का वादा किया है। इस पर बात करते हुए कि ऑडियंस इस सीजन से क्या उम्मीद कर सकते हैं, अनिल कपूर ने कहा, बिग बॉस का मतलब है असली एंटरटेनमेंट, ओटीटी का यह सीजन बहुत ही रियल, अनफिल्टर्ड और मजेदार होगा।

घरेलू जिम्मेदारियों को लेकर एक्टर ने बताया कि वह सबसे ज्यादा घर के कामों से बचने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, मैं दिखावा करता हूं कि मैं घर के काम कर सकता हूं, लेकिन मैं नहीं कर सकता।

सारा ने फोटो खिंचवाने से किया मना, पैपराजी ने कहा- हीरोइन क्यों बनी?

सारा अली खान का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह पैपराजी को तस्वीर खींचने से मना कर रही हैं। उनके मना करने पर पैपराजी ने जो टिप्पणी की वह नेटिजन्स को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई, जिसके बाद उन्होंने पैपराजी की जमकर आलोचना की है। सितारों और पैपराजी के बीच इन दिनों सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने पैपराजी को उनके शरीर पर बेवजह कैमरा फोकस करने को लेकर नाराजगी जताई है। इस बीच अभिनेत्री सारा अली खान का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में फोटोग्राफर ने कुछ ऐसी टिप्पणी की है, जो नेटिजन्स को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। वीडियो सामने आने के बाद नेटिजन्स ने पैपराजी के प्रति अपनी नाराजगी जताई है।

पैपराजी की टिप्पणी नेटिजन्स को नहीं आई पसंद

सामने आए वीडियो में सारा अली खान जिम के लिए अपनी कार से बाहर निकलती हुई दिख रही हैं। अभिनेत्री ने जैसे ही पैपराजी को देखा तो उन्होंने तस्वीर निकालने के लिए मना किया। वह कार से बाहर निकलने में असहज महसूस कर रही थीं।

टेक्सास के डलास में शो के बीच में ही रुकने से रैपर बादशाह दुखी

रैपर बादशाह को टेक्सास के डलास में अपने शो को बीच में ही रोकना पड़ा। इस बीच उन्होंने एक बयान जारी किया है। रैपर बादशाह ने कहा कि जो कुछ हुआ उससे मैं बहुत बहुत दुखी और निराश हूं। वास्तव में मैं डलास में परफॉर्म करने के लिए उत्सुक था, लेकिन स्थानीय प्रमोटरों और प्रोडक्शन कंपनी के बीच मतभेद के कारण मुझे सेट छोटा करना पड़ा और शो बीच में ही रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि प्रमोटरों को बेहतर तरीके से तैयार होने की जरूरत है, खास तौर पर बड़े फॉर्मेट के शो के लिए। इस तरह की लापरवाही परफ़ॉर्मिंग आर्टिस्ट को बिल्कुल भी पसंद नहीं है।

बड़े पैमाने के टूर को एक साथ लाने के लिए काफी ऊर्जा और प्रयास की जरूरत होती है। बादशाह ने एक बयान में कहा कि यह उन फैंस के लिए उचित नहीं है जो टिकट खरीदने के लिए अपनी मेहनत की कमाई खर्च करते हैं। यह निश्चित रूप से उस पूरी टीम के लिए भी उचित नहीं है, जो इन टूरों के लिए अपना दिल खोलकर काम करती है। उन्होंने कहा मेरे मैनेजमेंट ने स्थिति को संभालने और शो के सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कोशिश की। हम प्रमोटर की तरफ से मैनेजमेंट की इस कमी के कारण हुई असुविधा, निराशा और परेशानी के लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं। रैपर बादशाह ने आगे कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में अधिक सक्षम प्रमोटर टीम के साथ चीजों को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जाए, जो गुणवत्तापूर्ण एक्सपीरियंस को प्राथमिकता देती है और समझती है कि संगीत और पर्यटन एक सीरियस बिजनेस है।